



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 16] नई दिल्ली, शनिवार, अप्रैल 17, 1976 (चैत्र 28, 1898)

No. 16] NEW DELHI, SATURDAY, APRIL 17, 1976 (CHAITRA 28, 1898)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ सोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached Subordinate Offices of the Government of India)

सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान,
(परीक्षा स्कंडल)

श्रेणी-III आशुलिपिक सीमित विभागीय प्रतियोगितात्मक परीक्षा, अक्टूबर, 1976

नई दिल्ली, दिनांक 17 अप्रैल 1976

संख्या 13/10/75-प्रबन्ध—केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा की श्रेणी III, सशस्त्र सेना मुद्यालय आशुलिपिक सेवा की श्रेणी III, और भारतीय विदेश सेवा (ख) के आशुलिपिकों के उप-संवर्ग की श्रेणी III की अस्थायी रिक्तियों में भर्ती के लिए, सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान, नई दिल्ली के परीक्षा स्कंडल द्वारा बम्बई, कलकत्ता, दिल्ली, मद्रास, नागपुर और विदेशों में चुने हुए भारतीय दूतावासों में, 28 अक्टूबर, 1976 को शुरू होने वाली एक सीमित विभागीय प्रतियोगितात्मक परीक्षा ली जाएगी।

2. पात्रता की शर्तें—केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा/सशस्त्र सेना मुद्यालय लिपिक सेवा/भारतीय विदेश सेवा (ख) का ग्रेड VI या V में से किसी एक का नियमित रूप से नियुक्त अधिकारी हो जो निम्नलिखित शर्तों को पूरा करता हो—

(क) सेवा-काल—नि०/उच्च श्रेणी ग्रेड अथवा सम्बद्ध सेवा के समकक्ष ग्रेड में पहली जनवरी, 1976

को तीन वर्ष की अनुमोदित और लगातार सेवा से कम न हो।

(ख) आयु—पहली जनवरी, 1976 को 45 वर्ष से अधिक न हो। अनुसूचित जातियों/अनुसूचित आदिम जातियों और कुछ अन्य निधारित वर्गों के लिए उपरी आयु सीमा में छूट होगी।

3. फीस—8/- रु० (अनुसूचित जातियों/अनुसूचित आदिम जातियों के लिए 2/- रु०)

4. पूरे विवरण तथा आवेदन प्रपत्र, सचिवालय, प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान (परीक्षा स्कंडल), पश्चिमी खंड J, रामकृष्णपुरम, नई दिल्ली-110022, को 1.00 रु० (यदि आवेदन-प्रपत्र रजिस्ट्री डाक द्वारा मंगाना चाहते हों तो 2.00 रु०) के रेकित ('प्राप्तकर्ता लेखा') भारतीय पोस्टल आर्डर, जो सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान (परीक्षा स्कंडल) को रामकृष्णपुरम (वितरण) डाकधर, नई दिल्ली, पर देय हों, भेज कर अथवा संस्थान के कार्यालय के बिक्री काउंटर पर नकद भुगतान कर के प्राप्त किए जा सकते हैं।

5. भरे हुए आवेदन-पत्र संस्थान को 2 जन, 1976 (विदेशों या अंडमान और निकोबार द्वीप समूह या लकड़ीप में रह रहे उम्मीदवारों के लिए 16 जून, 1976) तक अवश्य पहुंच जाने चाहिए।

मवन लाल
निदेशक (परीक्षा)

गृह मंत्रालय
केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल
महानिरीक्षक का कार्यालय

नई दिल्ली-110003, दिनांक 23 फरवरी 1976

सं० ई०-38013(3)/1/76-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, निरीक्षक इन्ड्र मोहन को दिनांक 29 जनवरी, 1976 के अपराह्न से आगामी आवेदा जारी होने तक केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, आई० एस० आर० ओ० थम्बा का स्थानापन्न रूप से सहायक कमांडेन्ट नियुक्त करते हैं और उन्होंने उसी तारीख से उक्त पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

दिनांक 2 मार्च 1976

सं० ई०-38013(2)/14/75 प्रशा०-I—भिलाई से स्थानान्तरित होने पर, ले० कर्नेल के पार्थसारथी ने ले० कर्नेल टी० के० जार्ज के स्थान पर दिनांक 17 फरवरी, 1976 के अपराह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, विशाखापट्टनम पोर्ट ट्रस्ट, के कमांडेन्ट पद का कार्यभार सम्भाल लिया। उद्योग मंडल (केरल) को स्थानान्तरित होने पर, ले० कर्नेल टी० के० जार्ज ने उसी दिनांक से उक्त पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 9 मार्च 1976

सं० ई०-38013(2)/14/75-प्रशा०-1—विशाखापट्टनम को स्थानान्तरित होने पर, ले० कर्नेल के० पार्थसारथी, कमांडेन्ट, ने दिनांक 14 फरवरी, 1976 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, भिलाई इस्पात संयंत्र, भिलाई के कमांडेन्ट पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 18 मार्च 1976

सं० ई०-32015(1)/3/73-प्रशा०- —त्याग-पत्र स्वीकृत होने पर, कर्नेल पी० छष्ट्य० कृटिस ने दिनांक 8 फरवरी, 1976 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल प्रशिक्षण कालेज, हैवरानाड के प्रधानाचार्य पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई०-16013(2)/2/76-प्रशा०-I—दिल्ली प्रशासन से प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरित होने पर, श्री हु० च० जाटथ, आई० पी० एस० (य० टी०-1959) ने दिनांक 12 फरवरी, 1976 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, एफ० सी० आई० नया नांगल, के कमांडेन्ट पद का कार्यभार संभाल लिया।

एस० एस० बिष्ट, महानिरीक्षक

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 15 मार्च 1976

सं० पी० के० (2)-प्रशा०-1—राष्ट्रपति, भारत के महापंजीकार के कार्यालय में बरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी, श्री के० एस० कृष्णन को उसी पद में 12 मार्च 1976 से सहर्ष स्थाई रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० पी०/आर० (14)-प्रशा०-1—श्री डी० वी० रंगनेकर ने अधिविषयक की आयु पर पहुंचने पर महाराष्ट्र, बम्बई में उप-प्रिवेशक के जनगणना कार्य के पद का तारीख 29 फरवरी, 1976 के अपराह्न से कार्यभार छोड़ा।

2. राष्ट्रपति, श्री डी० वी० रंगनेकर को तारीख 1 मार्च 1976 के पूर्वाह्न से छह माह की अवधि के लिए महाराष्ट्र में

जनगणना कार्य के उप-प्रिवेशक के रूप में सहर्ष पुनर्नियोजित करते हैं।

3. श्री डी० वी० रंगनेकर का मुख्यालय बम्बई में होगा।

दिनांक 17 मार्च 1976

सं० पी०/टी०(1)-प्रशा०-1—राष्ट्रपति, डा० बी० के० रोय के छुट्टी जाने पर डा० आर० आर० लिपाठी, अनुसंधान अधिकारी (मानचित्रण) को 16 फरवरी, 1976 से 15 मई, 1976 तक मानचित्रण अधिकारी के रूप में पूर्णतः अस्थाई और तदर्थे आधार पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

डा० लिपाठी का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

बड़ी नाथ,
उप-महापंजीकार और
पदेन उप-सचिव

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग

कार्यालय महालेखाकार, मध्य प्रदेश

ग्वालियर, दिनांक 27 फरवरी 1976

सं० प्रशासन-1/552—महालेखाकार मध्य प्रदेश- ने निम्न-लिखित स्थाई अनुभाग अधिकारी को स्थानापन्न क्षमता में लेखा अधिकारी के पद पर उनके नाम के आगे उल्लिखित दिनांक से नियुक्त किया है।

श्री के० एस० श्रीवास्तव (02/0/90) 27 जनवरी, 1976 अपराह्न।

एस० एल० मल्होत्रा,
बरिष्ठ उप-महालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय निदेशक

लेखा परीक्षा

रक्षा सेवाएं

नई दिल्ली-110001, दिनांक 19 मार्च 1976

सं० 7860/ए-प्रशा०/130/75—सुरक्षा महानिदेशालय, विशेष सेवा धूरो निदेशालय (सैक्ट्रेयिल) सेवाएं में स्थाई रूप से अन्तर्लेयन के परिणाम स्वरूप श्री एच० के० नाथ, स्थाई लेखा परीक्षा अधिकारी का ग्रहणाधिकार अवसान इस विभाग 4 नवम्बर, 1975 से हो गया है।

पिरिजा ईश्वरन,
बरिष्ठ उप-निदेशक

कार्यालय मुख्य लेखा परीक्षक,

पूर्वोत्तर रेलवे

गोरखपुर, दिनांक 12 मार्च 1976

सं० प्रशासन/8-2/74—मुख्य लेखा परीक्षक के आज्ञानुसार इस कार्यालय के अधीनस्थ रेलवे लेखा परीक्षा सेवा के स्थायी कर्मचारी श्री के० सी० श्रीवास्तव को दिनांक 6-1-1976 के पूर्वाह्न से लेखा परीक्षा अधिकारी के पद पर अन्य आदेश होने तक पदोन्तत किया जाता है।

नेम चन्द,
उप सुरक्षा लेखा परीक्षक, गोरखपुर

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महा नियन्त्रक

नई दिल्ली-22, विनांक 17 मार्च 1976

सं० 40011(2)/75 प्रशा० ए०—(1) वार्षिक निवत्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर निम्नलिखित लेखा अधिकारी प्रत्येक के नाम के सामने लिखी तारीख के अपराह्न से पेंशन स्थापना को अन्तरित कर दिये जायेंगे।

क्रम सं०	नाम, रोस्टर संख्या सहित	ग्रेड	पेंशन स्थापना को अंतरण की तारीख	संगठन
1.	एस० सुन्दरम (पी०/13)	स्थायी लेखा अधिकारी	30-4-76	रक्षा लेखा नियन्त्रक, वक्षिणी कमान, पूना।
2.	रामलाल आनन्द (पी०/244)	स्थायी लेखा अधिकारी	30-6-76	रक्षा लेखा नियन्त्रक, (वायु सेना) देहरादून।
3.	टी०ए० सेम्पुअल (पी०/354)	स्थायी लेखा अधिकारी	30-6-76	रक्षा लेखा नियन्त्रक, (अफसर) पूना।
4.	के० नागराज राव (पी०/471)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-5-76	रक्षा लेखा नियन्त्रक, वक्षिणी कमान, पूना।
5.	टी० आर० राजगोपालन (पी०/488)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-7-76	रक्षा लेखा नियन्त्रक, (वायु सेना) देहरादून।
6.	एम० के० सेन (पी०/502)	स्थायी लेखा अधिकारी	30-4-76	रक्षा लेखा नियन्त्रक (फैक्ट्रीज) कलकत्ता।
7.	एन० एस० चन्द्रशेखरन (पी०/578)	स्थायी लेखा अधिकारी	30-6-76	रक्षा लेखा नियन्त्रक, (वायु सेना) देहरादून।
8.	निरंजन सिंह (पी०/622)	स्थायी लेखा अधिकारी	30-6-76	रक्षा लेखा नियन्त्रक, (वायु सेना) देहरादून।

श्री टी० ए० सेम्पुअल, स्थायी लेखा अधिकारी को सेवा निवृत्ति पूर्व 3-3-76 से 30-6-76 तक छुट्टी मंजूर की गई है।

(2) केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) विनियमावली 1972 के नियमों के प्रावधानों के अन्तर्गत स्वेच्छा से सेवा निवृत्ति का नोटिस दे दिये जाने पर एन० एम० सुन्दरम, स्थायी लेखा अधिकारी (रोस्टर सं० पी०/570) को जो रक्षा लेखा नियन्त्रक (फैक्ट्रीज), के संगठन में सेवारत है, 3 मार्च, 1976 के पूर्वाह्न से पेंशन स्थापना को अन्तरित कर दिया गया है।

उनको सेवा निवृत्ति पूर्व 8-10-75 से 18-10-75 तक 11 दिन की अंतिम छुट्टी और 19-10-75 से 2-3-76 तक 136 दिन की अद्वैत छुट्टी मंजूर की गई है।

(3) निम्नलिखित को इस विभाग की अधिसूचना सं० 40011(2)/75 प्रशा० ए० विनांक 11-11-75 के पैरा 4 के उप पैरा (2) को जो कि श्री के० के० मल्होत्रा से संबंधित है, के रूप में जोड़ा जाए।

“केन्द्रीय सिविल सेवा (छुट्टी) नियमों के नियम 39(6) 1972 के अन्तर्गत 1-10-75 से 13-11-75 तक 44 दिन की अद्वैत छुट्टी”।

(4) निम्नलिखित को इस विभाग की अधिसूचना सं० 40011(2)/75-प्रशा० ए० विनांक 16-2-76 के पैरा 1 के तीने जोड़ा जाता है।

“श्री वी० पी० सरदाना, स्थायी लेखा अधिकारी को सेवा निवृत्ति सूर्व 3-3-76 से 30-6-76 तक 120 दिन की छुट्टी मंजूर की गई है।”

एस० के० सुन्दरम
रक्षा लेखा अपर महा नियन्त्रक (प्रशासन)
रक्षा मन्त्रालय

1. श्री शिव प्रसाद, स्थायी महाप्रबंधक	8 प्रक्तुबर, 1975
2. श्री पी० के० हजारी, स्थायी महा- प्रबंधक ग्रेड I	8 प्रक्तुबर, 1975
3. श्री आर० आर० वाँचू, स्थानापन महाप्रबंधक ग्रेड I	8 प्रक्तुबर, 1975
4. श्री आर० स्वामीनाथन् स्थानापन महाप्रबंधक ग्रेड I	8 प्रक्तुबर, 1975

सं० 2/76/जी०—राष्ट्रपति ने निम्नलिखित अधिकारियों को स्थानापन्न महाप्रबन्धक प्रेड-II/उप-महाप्रबन्धक/ए० डी० जी० ओ० एफ० प्रेड II के पद पर उनके सामने दर्शायी गई तारीख से आगामी आवेश न होने तक नियुक्त करते हैं :—

1. श्री के० सी० पाल, स्थायी सीनियर डी० ए० डी० जी० ओ० एफ० 1ली अक्टूबर, 1975
2. श्री आर० ए० कृष्णन, स्थायी प्रबन्धक 1ली अक्टूबर 1975
3. श्री जगजीत सिंह, स्थायी प्रबन्धक 1ली अक्टूबर, 1975
4. श्री बी०बी० भवन, स्थायी प्रबन्धक 1ली अक्टूबर, 1975
5. श्री जी० चटर्जी, स्थायी प्रबन्धक 1ली अक्टूबर, 1975
6. श्री आर० इश्वरन्, स्थायी प्रबन्धक 1ली अक्टूबर, 1975
7. श्री जे० एम० कावसरा, स्थायी प्रबन्धक 1ली अक्टूबर, 1975
8. श्री टी० बी० रामाकृष्णन स्थायी प्रबन्धक 1ली अक्टूबर, 1975
9. श्री बी० एन० पट्टाबीरामन, स्थायी प्रबन्धक 1ली अक्टूबर, 1975
10. श्री एम० एच० जयचन्द्रन, स्थायी प्रबन्धक 1ली अक्टूबर, 1975
11. श्री बी० पलानीपडी, स्थायी प्रबन्धक 1ली अक्टूबर, 1975

सं० 3/76/जी०—राष्ट्रपति ने निम्नलिखित अधिकारियों को उनके सामने दर्शायी गई तारीख से आगामी आवेश न होने तक नियुक्त करते हैं :—

1. श्री टी० बेंकटेशवारलू, स्थायी उप-प्रबन्धक 1ली अक्टूबर, 1975
2. श्री एम० एस० अहमद, स्थायी उप-प्रबन्धक 1ली अक्टूबर, 1975
3. श्री एस० पी० मिश्रा, स्थायी प्रबन्धक 1ली अक्टूबर, 1975
4. श्री बी० सी० नियोगी, स्थानापन्न डी० ए० डी० जी० ओ० एफ० 1ली अक्टूबर, 1975
5. श्री एल० आई० एस० हेनरी स्थानापन्न उप-प्रबन्धक 1ली अक्टूबर, 1975
6. श्री बी० एम० थैकर, स्थानापन्न डी० ए० डी० जी० ओ० एफ० 1ली अक्टूबर, 1975
7. श्री के० एम० मोहिने, स्थानापन्न डी० ए० डी० जी० ओ० एफ० 1ली अक्टूबर, 1975
8. श्री एस० पी० कुलकर्णी, स्थानापन्न उप-प्रबन्धक 1ली अक्टूबर, 1975

9. श्री जे० सईन, स्थाई उप-प्रबन्धक 1ली अक्टूबर, 1975

10. श्री ए० के० चाउबल, स्थायी उप-प्रबन्धक 1ली अक्टूबर, 1975

11. श्री के० नन्दकुमार, स्थायी उप-प्रबन्धक 1ली अक्टूबर, 1975

12. श्री एल० एन० श्रीरामन, स्थाना-पन्न उप-प्रबन्धक 1ली अक्टूबर, 1975

13. श्री मुमूलाल, स्थानापन्न उप-प्रबन्धक 1ली अक्टूबर, 1975

सं० 4/76/जी०—राष्ट्रपति ने निम्नलिखित अधिकारियों को स्थानापन्न उप-प्रबन्धक/डी० ए० डी० जी० ओ० एफ० के पद पर, उनके सामने दर्शायी गई तारीख से आगामी आवेश न होने तक नियुक्त करते हैं :—

1. श्री एम० ए० अल्हान, असिस्टेंट मैनेजर (ओ० पी०) 24 नवम्बर, 1975
2. श्री एस० घोष, असिस्टेंट मैनेजर (ओ० पी०) 24 नवम्बर, 1975
3. श्री एन० मनोहर प्रसाद, असि-स्टेंट मैनेजर (ओ० पी०) 24 नवम्बर, 1975
4. श्री एन० डी० योशी, असिस्टेंट मैनेजर (ओ० पी०) 24 नवम्बर, 1975
5. श्री के० बी० एस० मूर्ति, असिस्टेंट मैनेजर (ओ० पी०) 24 नवम्बर, 1975
6. श्री पी० एम० अथावाले, स्थानापन्न असिस्टेंट मैनेजर 24 नवम्बर, 1975
7. श्री जे० ए० देशाई, स्थानापन्न असिस्टेंट मैनेजर 24 नवम्बर, 1975
8. श्री ए० के० दे, स्थानापन्न असिस्टेंट मैनेजर 24 नवम्बर, 1975
9. डा० ए० के० बोरल, स्थानापन्न असिस्टेंट मैनेजर (ओ० पी०) 24 नवम्बर, 1975
10. डा० के० जी० काइस्ट, स्थानापन्न असिस्टेंट मैनेजर (ओ० पी०) 24 नवम्बर, 1975
11. श्री एम० एन० राय औधरी, स्था-नापन्न असिस्टेंट मैनेजर (ओ० पी०) 24 नवम्बर, 1975
12. श्री एम० वेनुमोपालन, स्थानापन्न असिस्टेंट मैनेजर 24 नवम्बर, 1975
13. श्री आर० टी० जयकार, स्थानापन्न असिस्टेंट मैनेजर 24 नवम्बर, 1975

14. श्री सी० ए० बाज, स्थानापन्न असिस्टेंट मैनेजर	24 नवम्बर, 1975
15. श्री आर० एस० सरमाह, स्थानापन्न असिस्टेंट मैनेजर	24 नवम्बर, 1975
16. श्री एम० डी० त्रिवेदी, स्थायी असिस्टेंट मैनेजर	24 नवम्बर, 1975
17. श्री ई० एन० राधाकृष्णन, स्थानापन्न असिस्टेंट मैनेजर	24 नवम्बर, 1975।

दिनांक 10 मार्च 1976

सं० 17/जी/76—वार्धक्य निवृति आयु प्राप्त कर, श्री ओ० पी० गुप्ता, स्थानापन्न एडीशनल ई० जी० ओ० एफ० (स्थायी डी० डी० जी० ओ० एफ०) आर० डी० ओ० एफ० (एन० आर०) के घेह में दिनांक 31 जनवरी, 1976 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

सं० 18/जी/76—वार्धक्य निवृति आयु प्राप्त कर, श्री जे० के० झा, स्थानापन्न उप महाप्रबन्धक (स्थायी प्रबन्धक) दिनांक 21 जून, 1974 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

सं० 19/जी०/76—वार्धक्य निवृति आयु प्राप्त कर, श्री एस० सी० भट्टाचार्जी, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (स्थायी फोरमैन) दिनांक 31 विसम्बर, 1974 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

सं० 20/जी/76—वार्धक्य निवृति आयु प्राप्त कर, श्री आर० इलियाजार, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (स्थायी फोरमैन) दिनांक 30 जून, 1975 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

सं० 21/जी/76—वार्धक्य निवृति आयु प्राप्त कर, श्री एम० एस० हरित, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (स्थायी फोरमैन) दिनांक 31 प्रबुद्धवर, 1975 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

दिनांक 11 मार्च 1976

सं० 22/76/जी—वार्धक्य निवृति आयु (58 वर्ष) प्राप्त कर, श्री एन० कृष्णमूर्ति, स्थायी महाप्रबन्धक, ग्रेड-II दिनांक 31 विसम्बर, 1975 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

एम० पी० आर० पिल्लाय
सहायक महानिदेशक, आईएस० फैक्ट्रियां

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 17 मार्च 1976

आयात तथा व्यापार नियंत्रण

(स्थापना)

सं० 6/822/67-प्रशासन (राज०)—राष्ट्रपति, केंद्रीय सचिवालय सेवा की श्रेणी-1 की प्रवरण सूची के अधिकारी श्री टी० के० नारायण को 27-1-76 से 29-2-76 तक की अवधि के लिए

इस कार्यालय में उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के रूप में नियुक्त करते हैं।

पी० के० कौल
मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

नई दिल्ली, दिनांक 19 मार्च 1976

सं० 5/8/70-प्रशासन (राज०)—मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात एतद्वारा श्री ए० एच० मलकानी को 15-10-75 से आयात तथा निर्यात व्यापार नियंत्रण संगठन वाणिज्य मंत्रालय में नियंत्रक, आयात निर्यात (श्रेणी-2) के पद पर संपूर्ण करते हैं।

ए० टी० मुख्य
उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात
कृते मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात।

वस्त्र आयुक्त का कार्यालय

अम्बई-400020, दिनांक 17 मार्च 1976

सं० 18(1)/73-75/सी० एस० बी०II—कपास नियंत्रण आदेश, 1955 के खंड 20 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग [करते हुए और केंद्रीय सरकार की पूर्वन्स्वीकृति से मैं एतद्वारा वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० एस० आर० ओ० 1104 दिनांक 28 अप्रैल 1956 में निम्नलिखित प्रतिरिक्षित संघोधन करता हूं, अर्थातः—

उक्त अधिसूचना से संलग्न सारणी के स्तंभ 2 में

(1) क्रम सं० 2 की मद (5ए) के सामने की विद्यमान प्रविष्टी के स्थान पर निम्न प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थातः—

“संयुक्त निवेशक हाथ करवा और वस्त्र, मद्रास”

(2) क्रम सं० 2 की मद (5बी) के सामने की विद्यमान प्रविष्टी के स्थान पर निम्न प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थातः—

“उप-निदेशक (वस्त्र) निवेशक हाथ करवा और वस्त्र का कार्यालय, मद्रास”

(3) क्रम सं० 2 की मद (5सी) के सामने विद्यमान प्रविष्टी के स्थान पर निम्न प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थातः—

“सहायक निवेशक (वस्त्र), निवेशक हाथ करवा और वस्त्र का कार्यालय, मद्रास”।

(4) क्रम सं० 3 की मद (4) के सामने की विद्यमान प्रविष्टी के स्थान पर निम्न प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थातः—

“संयुक्त निवेशक हाथ करवा और वस्त्र, मद्रास”

(5) क्रम सं० 3 की मद (5) के सामने की विद्यमान प्रविष्टी के स्थान पर निम्न प्रतिस्थापित किया जाएगा अर्थातः—

“उप निदेशक (वस्त्र), निवेशक हाथ करवा और वस्त्र का कार्यालय, मद्रास”

(6) क्रम सं० 3 की मद (6) के सामने की विद्यमान प्रविष्टी के स्थान पर निम्न प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“सहायक निदेशक (वस्त्र), निदेशक हाथ करणा और वस्त्र का कार्यभार, मद्रास”

गौरी शंकर भार्गव
संयुक्त वस्त्र आयुक्त

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 8 मार्च 1976

सं० 21-6(1)/75-सी० जी० एच० एस० 1—अपना त्यागपत्र मंजूर हो जाने के फलस्वरूप डा० डी० आर० राय कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी (तदर्थ) ने 30-8-75 (अपराह्न) से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, बम्बई के अन्तर्गत कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी (तदर्थ) के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 11 मार्च 1976

सं० 26/6(2)/75-सी० जी० एच० एस० 1—अपना इस्तीफा मंजूर हो जाने के फलस्वरूप डा० के० सी० रानाड़ी जी० डी० श्रो० ग्रेड 2 (तदर्थ) ने 1-7-1975 (पूर्वाह्न) से अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया।

कि० वेणुगोपाल
उप-निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 9 मार्च 1976

सं० ए०-19019/4/76-एडमिन-1—राष्ट्रपति ने श्री सी० वी० श्याम सुन्दर को 28 फरवरी, 1976 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय के केन्द्रीय स्वास्थ्य व्यूरो में सांख्यिकीय विद् के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

दिनांक 11 मार्च 1976

सं० 29-5/75-एडमिन-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने केन्द्रीय सचिवालय सेवा के कृषि और सिंचाई मंत्रालय के संबंध के एक अनुभाग अधिकारी श्री पी० ए० सी० राव को 28 जनवरी, 1976 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक तथा प्रतिनियुक्ति के आधार पर राष्ट्रीय यक्षमा संस्थान, बंगलौर में प्रशासनिक अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

श्री पी० ए० सी० राव की प्रशासनिक अधिकारी के पद पर नियुक्ति के फलस्वरूप श्री वी० गोविन्दाराजन ने 28 जनवरी, 1976 के पूर्वाह्न से उसी संस्थान में प्रशासनिक अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 17 मार्च 1976

सं० 20-19/75-सी० एच० एस०-2—अपना इस्तीफा मंजूर हो जाने के फलस्वरूप केन्द्रीय कुछ प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, चिंगलपुर के कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी

(तदर्थ) डा० एम० प्रेमनाथ ने 9 जनवरी, 1976 के अपराह्न को अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० 41-97/75-ची०—राष्ट्रपति, श्री आर० बालमुद्रा-मन्यन तथा डा० एल० वी० कानन को स्थायी रूप से उप-प्रौषध नियंत्रक (भारत) के पदों पर केन्द्रीय प्रौषध मानक नियंत्रण संगठन में क्रमशः 7 जनवरी, 1974 तथा 6 जून, 1975 से नियुक्त करते हैं।

सूरज प्रकाश जिन्दल
उप-निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 18 मार्च 1976

सं० 38-12/74-सी० एच० एस०-1—केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना दिल्ली से अपने तबादले के फलस्वरूप केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा के जी० डी० श्रो० ग्रेड 1 के एक अधिकारी डा० एन० सी० बर्मन ने 12 फरवरी 1976 के पूर्वाह्न से विमान पत्तन स्वास्थ्य संगठन कलकत्ता की डमडम विमानपत्तन डिस्पेन्सरी में चिकित्सा अधिकारी के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ए०-12026/5/76-सी० एच० एस०-1—केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली से अपने तबादले के फलस्वरूप केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा के जी० डी० श्रो० ग्रेड 2 की एक अधिकारी डा० (श्रीमती) एन० ए० नाथ ने 17 फरवरी, 1976 के पूर्वाह्न से स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, नई दिल्ली, के केन्द्रीय स्वास्थ्य शिक्षा व्यूरो में उप सहायक निदेशक (प्रशिक्षण) के पद का कार्यभार संभाल लिया।

रवीन्द्रनाथ तिवारी
उपनिदेशक, प्रशासन

उत्तर-पूर्वी परिषद्

शिलांग, दिनांक 19 जनवरी 1976

सं० एन० ई० सी०-125/75—कृषिक मूल्य आयोग, कृषि विभाग, नई दिल्ली के स्थायी अनुसंधान अन्वेषक ग्रेड-1 (इकानामिक्स), श्री गोपी मोहन कंथ को उनकी सेवाएं भारत सरकार कृषिक मूल्य आयोग, कृषि विभाग, नई दिल्ली द्वारा उत्तर-पूर्वी परिषद् शिलांग को प्रतिनियुक्ति पर सौंपे जाने के परिणाम स्वरूप, उत्तर-पूर्वी परिषद् सचिवालय में 7-1-76 (अपराह्न) से अनुसंधान अधिकारी (सांख्यिकी) के रूप में 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300-र० प्रतिमाह के बेतनमान में जिसमें समय-समय पर देय अन्य भर्ते भी शामिल हैं, नियुक्त किया जाता है।

2. 4-1-76 से 6-1-76 तक के लिए (जिसमें ये दोनों दिन सम्मिलित हैं) अधिकारी को पारगमन बेतन तथा भत्ता मिलेगा।

डी० के० भट्टाचार्य, सचिव
उत्तर-पूर्वी परिषद्, शिलांग

परमाणु ऊर्जा विभाग

परमाणु खनिज विभाग

हैदराबाद-500016, दिनांक 11 मार्च 1976

सं० ए० एम० डी०-१/५/७६-प्रशासन—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक उसी प्रभाग के एक स्थायी सहायक/स्थानापन्न अधीक्षक श्री राजेन्द्र चन्द्र सूद को दिनांक 13 अक्टूबर, 1975 के पूर्वाह्न से लेकर दिनांक 5 दिसम्बर, 1975 के अपराह्न तक के लिए सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 15 मार्च 1976

सं० ए० एम० डी०-१/५/७६-प्रशासन—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक उसी प्रभाग के एक स्थायी सहायक/स्थानापन्न अधीक्षक श्री सोमनाथ सचदेव को 2 मार्च 1976 के पूर्वाह्न से लेकर 17, मई 1976 के अपराह्न तक के लिए श्री अर्जुन देव भाटिया तथा श्री देवराज तुली सहायक-प्रशासन अधिकारी, जिनको छुटी प्रदान की गई है, के स्थान पर सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

एस० रंगनाथन, वरिष्ठ प्रशासन
एवं लेखा अधिकारी

रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र

कलपक्कम, दिनांक 26 फरवरी 1976

सं० आर० आर० सी०/पी०एफ०/१००/७१-२४८—इस केन्द्र के अस्थायी वैज्ञानिक अधिकारी (एस० बी०) श्री सुरेश यशवंत जोशी ने उनका मुख्यालय कलपक्कम से द्राम्बे बम्बई को स्थानांतरित होने पर 1 अगस्त, 1975 के अपराह्न से कलपक्कम में अपने पद का कार्यभार छोड़ जोड़ दिया तथा बम्बई में उसी ग्रेड में एक पद का कार्यभार 11 अगस्त, 1975 के पूर्वाह्न से सम्भाल लिया।

के० शंकरनारायणन,
वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी

प्रान्तरिक विभाग

भारतीय प्रान्तरिक अनुसंधान संगठन

श्री हरिकोट रेंज केन्द्र

श्रीहरिकोट सामान्य सुविधाएं

(कार्मिक प्रबन्ध प्रभाग)

श्रीहरिकोट-524124, दिनांक 1 मार्च 1976

सं० एस० सी० एफ०/पी०एम०डी०/ई०/१-७२—प्रान्तरिक विभाग के श्रीहरिकोट प्रक्षेपण कम्प्लेक्स, शार केन्द्र, श्रीहरिकोट में तकनीकी सहायक 'सी०' श्री हरि बेंकटेश्वर राव को इसी केन्द्र में इंजीनियर एस० बी० के पद पर रु 650-30-740-35-880-८० रो०-४०-९६० के वेतनमान में दिनांक 13-१-१९७६ के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया जाता है।

वाई० जनार्दन राव, परियोजना अधिकारी

पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-३, दिनांक 8 मार्च 1976

सं० ई० (1) ०४०९१—निदेशक, प्रावेशिक मौसम केन्द्र, बम्बई के कार्यालय में स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ श्री ए० के० बसु निवारण की आयु पर पहुंचने पर 31 जनवरी 1976 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत हो गए हैं।

सं० ई० (1) ०४१९३—वेधशालाओं के महानिदेशक, निदेशक, प्रावेशिक मौसम केन्द्र, कलकत्ता के कार्यालय में व्यावसायिक सहायक श्री के० के० भौमिक को 20-२-१९७६ के पूर्वाह्न से 18-५-१९७६ तक नवासी दिन की अवधि के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री भौमिक, स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ, निदेशक, प्रावेशिक मौसम केन्द्र, कलकत्ता के कार्यालय में तैनात रहेंगे।

दिनांक 11 मार्च 1976

सं० ई० (1) ०४२९६—वेधशालाओं के महानिदेशक, निदेशक, प्रावेशिक मौसम केन्द्र, नई दिल्ली के कार्यालय में व्यावसायिक सहायक श्री आर० एन० सेन को 10-२-७६ के पूर्वाह्न से 31-३-१९७६ तक, 51 दिन की अवधि के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री आर० एन० सेन स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ, निदेशक, प्रावेशिक मौसम केन्द्र, नई दिल्ली के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

सं० ई० (1) ०५१३२—वेधशालाओं के महानिदेशक, निदेशक, प्रावेशिक मौसम केन्द्र, कलकत्ता के कार्यालय में व्यावसायिक सहायक श्री एम० एल० धोष को 20-२-१९७६ के पूर्वाह्न से 18-५-७६ तक, नवासी दिन की अवधि के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री धोष, स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ, निदेशक, प्रावेशिक मौसम केन्द्र, कलकत्ता के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

सं० ई० (1)-०५४३८—वेधशालाओं के महानिदेशक निदेशक, प्रावेशिक मौसम केन्द्र, नई दिल्ली के कार्यालय में व्यावसायिक सहायक श्री आर० के० मदान को 16-२-१९७६ के पूर्वाह्न से 14-५-७६ तक, नवासी दिन की अवधि के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री मदान, स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ, निदेशक प्रावेशिक मौसम केन्द्र, दिल्ली के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

सं० ई० (1) 07161—वेधशालाओं के महानिदेशक, वेधशालाओं के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय में व्यावसायिक सहायक श्री औन्कारी प्रसाद को 10-2-1976 के पूर्वाह्नि से 31-3-1976 तक, 51 दिन की अवधि के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री औन्कारी प्रसाद, स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ, वेधशालाओं के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

एम० आर० एन० मणियन मौसम विशेषज्ञ
हुते वेधशालाओं के महानिदेशक

समाहृतालय, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, गुन्टुर

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क विभाग

गुन्टुर, दिनांक 13 फरवरी 1976

सं० 15—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के वरीय ग्रेड के निम्नलिखित स्थायी निरीक्षकों को अगला आदेश होने तक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, के गुन्टुर स्थित समाहृतालय में स्थानापन्न रूप से अधीक्षक, श्रेणी-II, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, नियुक्त किया गया है। उन्होंने अपने नाम के सामने बताई गई तिथि से अधीक्षक, श्रेणी-II केन्द्रीय उत्पादन शुल्क का कार्यभार सम्भाल लिया है।

क्रम	प्रधिकारी का नाम	स्टेशन	अधीक्षक, के० उ०	सं०
			शुल्क-श्रेणी-II के रूप में कार्यभार	
1.	श्री वी० सुब्बारायुद्ध	आई० डी० ओ०-II	28-11-75	
		विशाखापटनम	(पूर्वाह्नि)	
2.	श्री ए० शेषगिरी राव	नि० और आ०,	20-11-75	
		आई० डी० ओ०,	पूर्वाह्नि	
		एलुरु		
3.	श्री एम० राममोहन	आई० डी० ओ०-II,	9-12-75	
	राव	गुन्टुर	पूर्वाह्नि	
4.	श्री के० अंजनेयुल०	गुन्टुर स्थित आई०	27-12-75	
		डी० ओ०-I की	अपराह्न	
		एम० ओ० आर०		
		गुन्टुर		

सं० 16—य० नि० 56(जे) के उपबंधों के अन्तर्गत केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के, श्रेणी-II के निम्नलिखित अधीक्षकों को उनके नाम के सामने बतायी गई तिथि से सेवा नियुक्त कर दिया गया है।

क्रम	प्रधिकारी का नाम	स्टेशन	सेवा से नियुक्त किए जाने की तिथि	सं०
1.	श्री वी० एम० नाथर, आई० डी०	30-9-75		
	स्थायी अधीक्षक, ओ० अंगोल।	अपराह्न		
	केन्द्रीय उत्पाद शुल्क			

2.	श्री एन० कृष्ण राव, एम० ओ० आर०	20-12-75
	स्थायी अधीक्षक, नन्दीगामा	
	श्रेणी-II, केन्द्रीय	
	उत्पाद शुल्क।	
3.	श्री एम० मुनावर हुसेन, एम० ओ० आर०	29-12-75
	स्थायी अधीक्षक, काकीनाडा।	
	श्रेणी-II, केन्द्रीय	
	उत्पाद शुल्क।	
4.	श्री वी० वेंकटेसवरलु आई० डी० ओ०	22-12-75
	स्थापन अधीक्षक एलुरु	
	श्रेणी-II, केन्द्रीय	
	उत्पाद शुल्क	

सं० 17—गुन्टुर स्थित समाहृतालय केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के समाकलित मंडल-II, गुन्टुर में तैनात श्री पी० सेशाचलम, स्थायी अधीक्षक, श्रेणी-I, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, विनांक 3-10-1975 से सेवा नियुक्त हो गए हैं।

सं० 18—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, समाहृतालय गुन्टुर के, श्रेणी-II के केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के निम्नलिखित स्थानापन्न अधीक्षकों का उनके नाम के सामने बतायी गई तिथि को निधन हो गया।

क्रम	प्रधिकारी का नाम	स्टेशन	मृत्यु तिथि
------	------------------	--------	-------------

1.	श्री मालिखार्जुन राव	आई० डी० ओ०-	9-10-75
		विशाखापटनम	
2.	श्री वाई० श्री रामाराव	मुख्यालय, गुन्टुर	27-10-75
3.	श्री जी० अनन्दहस्या	अंगोला, आई० डी०	21-11-75
		ओ० की इको एलु	
		स्थित एम० ओ०	
		आर०।	

एस० के० श्रीवास्तव,
समाहृता

केन्द्रीय जल आयोग

नई विल्ली-22, दिनांक 10 मार्च 1976

सं० क० 19012/509/74-प्रशा० 5—प्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग अपने प्रसाद से श्री हरी शंकर सिंह, पर्यवेक्षक, को केन्द्रीय जल आयोग में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक अभियंता/सहायक अनुसंधान अधिकारी (इंजीनियरी) के पद पर स्थानापन्न होने के लिए विनांक 6-11-74 (पूर्वाह्नि) से आगामी आदेश होने तक बिल्कुल अस्थाई तथा तदर्थी रूप में नियुक्त करते हैं। श्री हरी शंकर सिंह विनांक 6-11-1974 (पूर्वाह्नि) से अतिरिक्त सहायक निदेशक/

सहायक अधिकारी/ सहायक अनुसंधान अधिकारी (इंजीनियरी) के रूप में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपए के वेतनमान में बेतन पाने के हकदार होंगे।

श्री हरी शंकर सिंह ने उपर्युक्त तिथि तथा समय से केन्द्रीय जल आयोग के केन्द्रीय बाढ़ पूर्वानुमान यूनिट के अन्तर्गत केन्द्रीय बाढ़ पूर्वानुमान नियन्त्रण कक्ष में सहायक अधिकारी का कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

दिनांक 12 मार्च 1976

सं० क०-32012/9/75-प्रशा० पांच—विभागीय पदोन्पत्ति समिति (श्रेणी-दो) की सिफारिश पर अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग अपने प्रसाद से श्री बी सोमेस्वर राव, ओवरसियर को केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसंधानशाला, पूना में सहायक अनुसंधान अधिकारी (इंजीनियरी) के ग्रेड में नियमित रूप से स्थानापन्न होने के लिए 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपए के वेतनमान में उसके उपर्युक्त पद का कार्यभार ग्रहण करने की तिथि तथा समय से नियुक्त करते हैं।

2. उपर्युक्त अधिकारी केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसंधानशाला, पूना में सहायक अनुसंधान अधिकारी (इंजीनियरी) का कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षापार होगी।

सं० क०-19012/46/70-प्रशा०-५—श्री बी० के० सहगल की अनुसंधान अधिकारी (रसायन) के ग्रेड में तदर्थ रूप से नियुक्त हो जाने पर उन्होंने केन्द्रीय जल आयोग में 9 फरवरी, 1976 के पूर्वाह्न से सहायक अनुसंधान अधिकारी (रसायन) का पदभार त्याग दिया है।

दिनांक 18 मार्च 1976

सं० क०-12017/3/76-प्रशा० पांच—इस आयोग की अधिसूचना सं० क-32014/7/74-प्रशा०-पांच दिनांक 16-10-75 के अनुक्रम में अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग एतद-द्वारा श्री च० भुजंग राव को केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसंधानशाला, पूना में सहायक अनुसंधान अधिकारी (इंजीनियरी) के पद पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपए के वेतनमान में पूर्णस्था अस्थाई और तदर्थ रूप में 30-6-76 तक अवधा इस पद के नियमित रूप से भरे जाने तक जो भी पहले हो नियुक्त करते हैं।

जसवन्त सिंह,

प्रबंध सचिव

केन्द्रीय जल आयोग

पूर्ति तथा पुनर्वासि मंत्रालय

(पूर्ति विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 12 मार्च 1976

नोटिस

सं० 1/37/72-v—श्री भगवान हरिसिंघानी, स्टेनोग्राफर ग्रेड-III, पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली को 1965 के केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियन्त्रण तथा

अपील), नियमों के नियम 14 के अधीन बड़ा दंड देने के लिए ज्ञापन सं० बिज/47(22)/71, दिनांक 10-11-72 द्वारा चार्ज शीट दी गई थी। उनके विद्ध मामले की जांच करने के लिये नियुक्त जांच अधिकारी द्वारा प्रस्तृत की गई रिपोर्ट पर अनु-शासनिक प्राधिकारी द्वारा विचार किया गया और उनके निर्णय के अनुसार उन पर लगाए गए अभियोग विद्ध हो गये। अतः अनुशासनिक प्राधिकारी अनित्तम रूप से इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि श्री हरि सिंघानी सेवा में रखने के लिए उपर्युक्त नहीं हैं और उन्होंने श्री हरि सिंघानी को सेवा से हटाये जाने के दण्ड का सुझाव दिया है। अतः श्री हरि सिंघानी को उनके अनित्तम ज्ञात पते बी० डी० 920, सरोजनी नगर, नई दिल्ली पर ज्ञापन सं० 1/37/72-वी०, दिनांक 21-8-75 द्वारा प्रस्तावित दंड के सम्बन्ध में प्रतिवेदन देने का अवसर दिया गया था। श्री हरि सिंघानी को निदेश दिया जाता है कि वह 31-3-76 तक उपरोक्त ज्ञापन का उत्तर भेज दें अन्यथा उनसे किसी और प्रकाचार के बिना मामले पर गुणावगुण के आधार पर निर्णय लिया जाएगा।

प्रार० वयाल, निर्देशक
पूर्ति विभाग

(पुनर्वासि विभाग)

मुख्य यात्रिक अभियंता का कार्यालय

पुनर्वासि भूमि-उद्धार संगठन

जेपुर-764003, दिनांक 16 मार्च 1976

सं० पी० एफ०/जी०/38—श्री अजायब सिंह, सहायक अभियंता पुनर्वासि भूमि-उद्धार संगठन द्वारा दिनांक 16-10-75 का दिया हुआ त्याग-पत्र, 3-2-1976 के अपराह्न से स्वीकृत किया जाता है।

एन० सत्यमूर्ति,
प्रचालन अभियंता

कम्पनी अधिनियम 1956 और दि स्पौत आर्कट वीरजारायनी प्रोड्यूस एण्ड कामर्स लिमिटेड के विषय में

दिनांक 10 मार्च 1976

सं० 2541/लिख/ड 247(5)/75—कम्पनी अधिनियम 1913 की धारा 247 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद-द्वारा सूचना दी जाती है कि दि स्पौत आर्कट वीरजारायनी प्रोड्यूस एण्ड कामर्स लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और दि रासिपुरम, मिल्स लिमिटेड के विषय में

दिनांक 11 मार्च 1976

सं० 2309/लिख/य-560(5)/75—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद-द्वारा सूचना दी जाती है कि दि रासिपुरम, मिल्स लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और दिव्यामुम विलारण
थियेटर्स लिमिटेड के विषय में

दिनांक 11 मार्च 1976

सं० 2681/लिख/स-560(5)/75—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि दिव्यामुम विलारण थियेटर्स लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

पि० अनन्पूर्णा
कम्पनियों का रजिस्ट्रार

कम्पनी अधिनियम, 1956 और प्यौर मिल्क सप्लाई
कम्पनी लिमिटेड (लिक्विडेशन में) के विषय में

आलंधर, दिनांक 11 मार्च, 1976

सं० स्टैट/लिक/1786/2362—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि प्यौर मिल्क सप्लाई कम्पनी लिमिटेड (लिक्विडेशन में) का नाम आज रजिस्ट्रर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

प्रभु शंकर माथुर
कम्पनियों का पंजीकार

कम्पनी अधिनियम 1956 और लामसेन्ट लैम्पस, ग्रव
इण्डिया लिमिटेड के विषय में

दिनांक 12 मार्च, 1976

सं० 27/49/580(5)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि लुमिसेन्ट लैम्पस ग्रव इण्डिया लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और जे० सि० कम्पनी
प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

दिनांक 12 मार्च 1976

सं० 2/396/560(5)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि जे० सि० कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और भारत आयरन एण्ड
स्टील कम्पनी लिमिटेड के विषय में

दिनांक 12 मार्च 1976

सं० 8869/560(5)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि भारत आयरन एण्ड स्टील कं० लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

एस० सी० नाथ
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार
पश्चिम बंगाल

कम्पनी अधिनियम 1956 और स्टूडियो० के० एस० कोहली
प्राइवेट लिमिटेड (इन लिक्विडेशन) के विषय में

दिनांक 18 मार्च, 1976

सं० —कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में सूचना दी जाती है कि स्टूडियो० के० एस० कोहली प्राइवेट लिमिटेड (इन लिक्विडेशन) का नाम आज रजिस्टर से काट दिया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और ई० एक्सटेंशन प्राइवेट
लिमिटेड (इन लिक्विडेशन) के विषय में

दिनांक 19 मार्च, 1976

सं० —कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि ई० एक्सटेंशन सिडीकेट प्राइवेट लिमिटेड (इन लिक्विडेशन) का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

एच० एस० शर्मा
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार
(दिल्ली एवं हरियाणा)

ग्रामकर स्थापना

ग्रामकर आयुक्त

बम्बई नगर-1, दिनांक 10 मार्च, 1976

सं० 1470—अधिनियम 1961 (1961 का 43 वीं अधिनियम) की धारा 117 की उपधारा (2) में प्रदत्त की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए मे० श्री श्री० व्ही० कुरुविल्ला आयकर आयुक्त, बम्बई नगर-1, बम्बई निम्नलिखित निरीक्षकों को आयकर अधिकारी श्रेणी-2 के रूप में स्थानापन ५५ से कार्य करने के लिये उनके नाम के सामने दी गई तारीख से अन्य आदेश जारी किए जाने तक नियुक्त करता हूँ।

सर्वं श्री :

1. एम० पी० मेहावाला, निरीक्षक, सेन्ट्रल, बम्बई 29-9-75
(प्रपराल्ह)
2. एम० एम० श्रीवास्तवा, निरीक्षक, का० 4-2-76
आयुक्त कार्यालय, बम्बई (प्रवाल्ह)
3. जी० व्ही० सामन्त (श्रीमती), निरीक्षक, बम्बई 9-2-76
(प्रवाल्ह)
4. जे० एच० मूल्क (श्रीमती), बम्बई 4-2-76
(प्रपराल्ह)
5. सी० कर्मन्दिस बम्बई . 4-2-76
(प्रपराल्ह)
6. व्ही० जी० नाईक, निरीक्षक, सी-5, बाईं, बम्बई . 5-2-76
(प्रवाल्ह)
7. एम० आई० पटेल, बम्बई . 5-2-76
(प्रवाल्ह)

8. ए० आर० आषले (श्रीमती) निरीक्षक, बी-३, बाड़, बम्बई	4-2-76 (पूर्वाह्नि)
9. छ्ही० चेलापान, निरीक्षक, लेखा परीक्षा, कार्यालय, बम्बई	4-2-76 (पूर्वाह्नि)
10. पी० एच० अजवानी बम्बई	4-2-76 (पूर्वाह्नि)
11. एस० छ्ही० सावंत बम्बई	4-2-76 (पूर्वाह्नि)
12. आर० ए० पारीख, निरीक्षक, ए-१, बाड़, बम्बई	4-2-76 (पूर्वाह्नि)
13. पी० के० गोडबोले, निरीक्षक, फिल्म सर्कल, बम्बई	4-2-76 (पूर्वाह्नि)
14. जे० सी० फिलिप्स, निरीक्षक, जी०ए० बाड़, बम्बई	7-2-76 (पूर्वाह्नि)
15. आई० बी० शेख, निरीक्षक, कंपनी सर्कल-III, बम्बई	4-2-76 (पूर्वाह्नि)
16. एम० एस० देशपांडे, निरीक्षक, ए० आर० कार्यालय, बम्बई	4-2-76 (पूर्वाह्नि)
17. सी० आनन्दन, निरीक्षक, ए-४, बाड़, बम्बई.	4-2-76 (पूर्वाह्नि)
18. एस० आर० पिलाई, निरीक्षक, सैन्ट्रल, बम्बई	5-2-76 (पूर्वाह्नि)
19. पी० सी० पवार, निरीक्षक, ए-III, बाड़, बम्बई	5-2-76 (पूर्वाह्नि)
20. एस०टी० मोरे, निरीक्षक, एक्सिजेशन आफिस, बम्बई	5-2-76 (पूर्वाह्नि)
21. उम्मू० ए० सिक्केरा, निरीक्षक, बेतन शाखा-II, बम्बई	5-2-76 (पूर्वाह्नि)

2. वे भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के (राजस्व विभाग), नई दिल्ली के विनांक 25-4-75 के पत्र सं० एफ० नं० 22/3/64-प्रश्ना०-५, की शर्तों के मुताबिक दो साल की अवधि के लिये परिवेश (प्रवेषण) पर रहगे। परिवेश की ये अवधि, यदि आवश्यक हुई तो उपरोक्त अवधि से अधिक की जा सकती है। इस पब में इनकी पुष्टि (कल्कमेशन) और या प्रतिधारण (रिटेंशन) इनके परिवेश अवधि को सफलतापूर्वक पूरा करने पर निर्भर करेगा।

3. इनकी नियुक्तियाँ बिल्कुल अस्थायी और अनन्तिम आधार पर की गई हैं। अतः इनकी नियुक्तियाँ किसी भी समय बिना नोटिस के समाप्त की जा सकेंगी।

ओ० छ्ही० कुरुविल्ला;
आयकर आयुक्त, बम्बई नगर-१

संघ लोक सेवा आयोग

भारतीय प्रशासन सेवा आदि परीक्षा, 1976 के नोटिस में संशोधन नई दिल्ली-110011, दिनांक 17 अप्रैल 1976

सं० एफ० 1/17/75-ई० I (बी)—भारत के राजपत्र दिनांक 27 मार्च, 1976 में भारतीय प्रशासन सेवा आदि परीक्षा, 1976 के सम्बन्ध में संघ लोक सेवा आयोग द्वारा प्रकाशित नोटिस सं० एफ० 1/17/75-ई० I (बी०) दिनांक 27 मार्च, 1976 में उपबन्ध II (उम्मीदवारों को अनुदेश) के पैरा 5 की मद (III) के स्थान पर निम्नलिखित पक्ष जाए :—

“(III) नियम 7 (ख) (VI) के अन्तर्गत आयु-सीमा में छूट चाहने वाला जो उम्मीदवार कीनिया, उगांडा, संयुक्त गणराज्य टजानिया से आया हो या जाम्बिया, मलावी, जेरे और हथोपिया से प्रत्यावर्तित भारतीय हो, और नियम 7 (ख) (VI) के अन्तर्गत आयु-सीमा में छूट चाहता हो तो उसे चाहिए कि वह इस समय जहाँ निवास कर रहा है वहाँ के जिला मजिस्ट्रेट से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रायाणि/प्रमाणित प्रतिलिपि वह दिखाने के लिए प्रस्तुत करे कि वह उपर्युक्त देशों से आया हुआ थास्तविक प्रवासी है।

बी० आर० तलवाड़,
अवर सचिव,
संघ लोक सेवा आयोग

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 9 मार्च 1976

निदेश सं० के० एन० एल०/725/75-76—अतःमुझे,
विवेक प्रकाश मिनोचा, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की आरा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और
जिसकी सं० प्लाट नं० 9 है तथा जो सैशन हाउस मार्ग करनाल
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, करनाल में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
जुलाई, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
बृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के भनुसार
अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी घन या अम्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

उक्त अधिनियम की आरा 269-व के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की आरा 269-व की उपलाभ
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।—

1. (i) श्रीमती कैलाश बेरी, पुत्र श्री गोपाल दास बेरी
(ii) श्रीमती शान्ति देवी विधवा श्री गोपाल दास बेरी
(iii) श्री विजय कुमार, पुत्र श्री गोपाल दास,
निवासी 8/27, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री जय सिंह पुत्र चौधरी मोहन लाल नंबरवार निवासी
प्लाट नं० 9, सैशन हाउस मार्ग, करनाल। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या उसमें अवधियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में वित्तवद
किसी प्रत्येक व्यक्ति द्वारा, अधीक्षित व्यक्ति के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों, का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ ही गा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

प्लाट नं० 9, सैशन हाउस मार्ग करनाल (6986 वर्गफुट)।
(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 2640, जुलाई 1975
में रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी करनाल के कार्यालय में लिखा है।

विवेक प्रकाश मिनोचा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 9 मार्च 1976

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 11 मार्च 1976

निदेश सं० य० एम० बी०/(टी० एल० आई०)/1343/75-76—अतः मुझे, विवेक प्रकाश मिनोचा, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज चण्डीगढ़, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० अम्बाला शहर की म्यूनिसिपल कमेटी के अन्दर 1/3 भाग भूमि है तथा जो गांव पट्टी मेहरनं० 58, तहसील अम्बाला में स्थित है (और इससे उपावद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विल्सी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन मिम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री अमरीक सिंह मेहता, पुस्त डा० लैहना सिंह मारफत कमरा नं० 304, ग्रैम्बैसडर होटल, सुजान सिंह पार्क, न्यू दिल्ली।
(अन्तरक)

2. श्री मनमोहन कुल्हा, पुस्त श्री रघुबर दयाल पुद्द श्री राम दत्त निवासी मण्डी बाली राम, अम्बाला शहर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या लक्ष्मनंदी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्वैहस्ताधारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

47 कनाल 15 मरले भूमि अम्बाला शहर की म्यूनिसिपल कमेटी के अन्दर जिसका खाता नं० 134/231, खसरा नं० 215 में से 1/3 भाग जोकि गांव पट्टी मेहरनं० 58 में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता के विलेख नं० 753 जुलाई 1975 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी दिल्ली के कार्यालय में लिखा है।)

विवेक प्रकाश मिनोचा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख: 11 मार्च, 1976
मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 11 मार्च 1976

निदेश सं० य० एम० बी०/(डी० एल० आई०)/1345/

75-76—अतः मुझे विवेक प्रकाश मिनोचा, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चण्डीगढ़,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० म्यूनिसिपल कमेटी अम्बाला शहर के अन्दर 1/3 भाग भूमि है तथा जो गांव पट्टी मेहर नं० 58 तहसील अम्बाला में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अस्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वार्ताविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(म) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रन्थ 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-व के प्रमुखरण में, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्यात :—

1. श्री अमरीक सिंह मेहता, पुल डा० लैहना सिंह भारक फ कमरा नं० 304 अम्बैसडर होटल, सुजान सिंह पार्क, नई दिल्ली ।
(अन्तरक)

2. श्री जगन नाथ, पुन्न श्री राम सरूप अग्रवाल सदर बाजार अम्बाला कैण्ट (अहाता आर० बी० बनारसी बास) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिचायित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

47 कनाल 15 मरले भूमि जो कि अम्बाला शहर की म्यूनिसिपल कमेटी के अन्दर है जिसका खाता नं० 134/231 खसरा नं० 215 में से 1/3 भाग जो कि गांव पट्टी मेहर नं० 58 में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 755 जुलाई, 1975 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी दिल्ली के कार्यालय में लिखा है।)

विवेक प्रकाश मिनोचा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 11 मार्च, 1976

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 11 मार्च 1976

निदेश [सं० यू० एम० बी०/(डी० एल० आई०)/1344/
75-76—ग्रतः मुझे, विवेक प्रकाश मिनोचा, सहायक आयकर
आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-थ के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु० से
अधिक है।

और जिसकी सं० अम्बाला शहर की म्यूनिसिपल कमेटी के अन्दर
1/6 भाग भूमि है तथा जो गांव पट्टी मेहर, नं० 58, तहसील
अम्बाला में स्थित है (और इससे उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख जुलाई, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अक्षियों, अर्थात् :—

1. श्री अमरीक सिंह मेहता, पुत्र डा० लैहना सिंह मारफत कमरानं० 304, अम्बसड़र होटल सुजान सिंह पार्क, न्यू दिल्ली।
(अन्तरक)

2. i. श्रीमती बिशन कौर, विधवा श्री प्रीतम सिंह
ii. श्रीमती कमलेश देवी, पत्नी श्री दिदार सिंह
iii. श्रीमती अनंद रानी, पत्नी श्री वरयाम सिंह, निवासी 4273/2, चौक दर्जियां, अम्बाला शहर। (अन्तरिति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्त्वांधी अक्षियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अक्षियों में से किसी अक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अक्षित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

47 कनाल 15 मरले भूमि अम्बाला शहर की म्यूनिसिपल कमेटी के अन्दर जिसका खाता नं० 134/231 खसरा नं० 215 में से 1/6 भाग जोकि गांव पट्टी मेहर नं० 58 में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकरण के विलेख नं० 754, जुलाई 1975 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी दिल्ली के कार्यालय में लिखा है।)

विवेक प्रकाश मिनोचा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 11 मार्च, 1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 11 मार्च 1976।

निदेश सं० य० एम० बी०/(टी० एल० आई०)/1346/
75-76—प्रतः मुझे विवेक प्रकाश मिनोचा, सहायक आयकर
आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज चण्डीगढ़

आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा
गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करते का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० म्यूनिसिपल कमेटी अम्बाला शहर के प्रन्दर 1/6
भाग भूमि है तथा जो गांव पट्टी मेहर नं० 58, तहसील अम्बाला
में स्थित है (और इससे उपाध्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई,

1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पश्चात्
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रमाणक
के दायित्व में कभी करने या उससे बचने
में सुविधा के लिए; और/या।

(ब) ऐसी किसी आय या किसी छन या इन्हीं अस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या छन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः आव 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ष के अनुसरण में,
में, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ष की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, क्षर्ताः:—

1. श्री अमरीक सिंह मेहता पुत्र डा० लेहना सिंह मारफत
कमरा नं० 304, अम्बरसड़होटल, सुजान सिंह पार्क, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

2. सर्वधी

{ 1. दिवार सिंह
2. वरयाम सिंह } पुत्र श्री प्रीत्म सिंह
3. सुखदेव सिंह }

निवासी 4273/2 चौक दर्जिया, अम्बाला शहर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
प्रथम व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधि-
नियम' के प्रधायाय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस प्रधायाय में दिया गया है।

अनुसूची

47 कनाल 15 मरले भूमि अम्बाला शहर की म्यूनिसिपल कमेटी
के अन्दर जिसका खाता नं० 134/231, खसरा नं० 215 में से
1/6 भाग जोकि गांव पट्टी मेहर नं० 58 में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी दिल्ली के कार्यालय में लिखा है।)

विवेक प्रकाश मिनोचा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख: 11 मार्च, 1976
मोहर:

प्र० प्र० आई०टी०एन०एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 11 मार्च 1976

निर्वेश सं० ग०० एम० बी०/२३६/७५-७६—यतः, मुझे,
विवेक प्रकाश मिनोचा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसको सं० चार मंजिल दुकान नं० 5560 है तथा जो
डी० सी० रोड, सदर बाजार, अम्बाला कैट में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अम्बाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, जुलाई, 1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

3—26GI/76

1. श्री भन्त राम पुन्न श्री कांशी राम, निवासी सकलीगर
मोहल्ला, सदर बाजार, अम्बाला कैट (अन्तरक)

2. (i) श्री शिव कुमार
(ii) श्री प्रवीन कुमार } पुत्र श्री धर्म पाल
(iii) श्री हरीष कुमार }
(iv) श्री सण्दीप कुमार पुत्र श्री नरेश कुमार, निवासी
126-बी, सटाड़, रोड, अम्बाला कैट। (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

चार मंजिल दुकान नं० 5560, डी० सी० रोड, सदर बाजार,
अम्बाला कैट।

(जैसे कि रजिस्ट्रीशन के विलेख नं० 1851 जुलाई 1975
में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अम्बाला के कार्यालय में लिखा
है।)

विवेक प्रकाश मिनोचा
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 11 मार्च, 1976

मोहर :

प्रूप आई०टी०एन०एस०—

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 9 मार्च 1976

निवेदण सं० सी० एच० डी०/976/75-76—यतः, मुझे,
विवेक प्रकाश मिनोचा,

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० प्लाट नं० 765-पी है तथा जो सेक्टर-8 बी,
चण्डीगढ़ में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
सितम्बर

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री ज्ञान चन्द खन्ना पुत्र श्री विश्वनाथ दास, 5-17, पंच-
शिला पांक, नई दिल्ली-17।
(अन्तरक)

2. श्री अशोक खन्ना पुत्र श्री अमृशेल खन्ना, मकान नं०
759, सैक्टर 8-बी, चण्डीगढ़।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खाली प्लाट नं० 765 पी, सैक्टर 8-बी, चण्डीगढ़।

विवेक प्रकाश मिनोचा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, चण्डीगढ़

तारीख: 9 मार्च, 1976

मोहर :

प्रस्तुत ग्राही० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 12 मार्च 1976

निर्देश सं० पी० टी० ए०/६४०/७५-७६—यतः, मुझे, विवेक प्रकाश मिनोचा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० भूमि 8 कनाल है तथा जो गांव त्रिपटी सैदा, तहसील व जिला पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से

कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँह यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री हरिन्द्र सिंह ग्रेवाल पुत्र श्री हरचरन सिंह ग्रेवाल, निवासी बीबिर्याँ गली लाहौरी गेट, पटियाला। (अन्तरक)
2. (i) श्रीमती सतवन्त कौर पत्नी श्री कपूर सिंह, मुहला टिला मन्सूरी, सरहन्द।
(ii) श्री सतिन्दर पाल सिंह गिल पुत्र श्री अर्जन सिंह, निवासी गांव दानगढ़, जिला संगरुर।
(iii) श्रीमती अनीता धमीजा पत्नी श्री सुभाष धमीजा, मारफत पी० एस० ई० बी०, पटियाला।
(iv) श्री सुभाष धमीजा, सुपुत्र श्री शाम लाल मारफत पी० एस० ई० बी०, पटियाला।
(v) श्रीमती गुरुचरनजीत कौर पत्नी श्री सुरिन्दर सिंह, निवासी गुरबल्ला कालोनी, पटियाला।
(vi) श्रीमती सुखबीर कौर पत्नी श्री अमर जीत सिंह, मारफत एक्साइज एण्ड टैक्सेशन ऑफिसर, रोपड़।
(vii) श्री अमरजीत सिंह पुत्र श्री वरयाम सिंह मारफत एक्साइज एण्ड टैक्सेशन ऑफिसर, रोपड़। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही प्रारंभिकी करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षिता के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि रकबा 8 कनाल जोकि गांव त्रिपटी सैदा तहसील व जिला पटियाला में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 1853 जुलाई, 1975 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के कार्यालय में लिखा है।)

विवेक प्रकाश मिनोचा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, चण्डीगढ़

तारीख: 12 मार्च, 1976

मोहर:

प्रृष्ठा आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 12 मार्च 1976

निर्देश सं० पी० टी० ए०/642/75-76—यतः मुझे,
विवेक प्रकाश मिनोचा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से
अधिक है।

और जितकी सं० भूमि 9 कनाल 11 मरले हैं तथा जो त्रिपटी
सैदा, तहसील व जिला पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1975 को
पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्णोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
शास्त्रविक्र हप में वर्णित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग
के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री हरिन्दर सिंह प्रेवाल पुत्र श्री हरचरन सिंह प्रेवाल,
निवासी बीबारियां गली लाहौरी गेट, पटियाला। (अन्तरक)

2. (i) श्रीमती प्रबेश महिन्दर कौर पत्नी श्री निरपिन्दर
सिंह चैहल, निवासी चैहल कोठी पटियाला।

(ii) श्री इन्दरजीत सिंह गिल पुत्र श्री मान सिंह
गिल, सट्रीट नाभा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्णोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्णोक्त व्यक्तियों में से विसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस लूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि रक्का 9 कनाल और 11 मरले जो कि गांव त्रिपटी
सैदा तहसील और जिला पटियाला में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 1899 जुलाई 1975
में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के कार्यालय में लिखा है।)

विवेक प्रकाश मिनोचा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख: 12 मार्च, 1976

मोहर:

प्रलेप शार्ह० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 12 मार्च 1976

निदेश सं० जे० जी० आर०/1041/75-76—अतः मुझे
विवेक प्रकाश मिनोचा, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की
धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जितकी सं० भूमि 126 कनाल 14 मरले में से 63 कनाल
7 मरले ग्राम रसूलपुर तह० जगरांओं में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण
अधिकारी के कार्यालय, जगरांओं में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मूँह यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल
से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

1. श्री करतार सिंह उक्त कलार सिंह पुत्र श्री अर्जन सिंह
निवासी ग्राम रसूल पुर द्वारा श्रीमती गुरदयाल कोर मुद्दत्याराम
लोहगढ़ तहसील जीरा
(अन्तरक)

2. सर्वश्री

(i) दर्शन हिंस पुत्र } श्री गुरदयाल सिंह
(ii) मनजीत सिंह }
(iii) नायडु सिंह } पुत्र श्री सोहन सिंह
(iv) मेजर सिंह }

निवासी गांव रसूलपुर तहसील जगरांओं। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिमाणित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

भूमि 126 कनाल 14 मरले में से 63 कनाल 7 मरले, जो
गांव रसूलपुर तहसील जगरांओं जिला लुधियाना में स्थित है।

जमा :— 850/1200, 685/1002, 686/1003,
1080/1499, 1114/1535, 1379/1825, 1454/1915
कीला सं० 48/6-15-16-25, 49/11-10-12/1-21-
22-20-19, 70/10-12-19/1-1-2-11-20/1-9,
71/4-5 जमावन्दी 1972-73।

विवेक प्रकाश मिनोचा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 12 मार्च, 1976
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़
चण्डीगढ़, दिनांक 12 मार्च 1976

निदेश सं० सी० एच० डी०/222/75-76—अतः मुझे,
विवेक प्रकाश मिनोचा, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० एस० सी० एफ० है तथा जो नं० 11-12 सैक्टर 22-सी चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-सूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है, रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्राप्ति:—

1. (i) श्री कृष्णकुमार पुत्र श्री नित्या नन्द,
(ii) श्रीमती विद्यावती विधवा, स्वर्गवासी नित्या नन्द,
(iii) श्री शिवराज पुत्र श्री नित्या नन्द,
(iv) श्रीमती शोभा रानी पुत्री श्री नित्या नन्द,
(v) श्रीमती शान्ता रानी पुत्री श्री नित्या नन्द,
(vi) श्रीमती स्वर्णलता, पत्नी श्री वीरेन्द्र कुमार,
निवासी सुन्दर नगर 12-ए, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. (i) श्री गुरचरन सिंह पुत्री श्री हरनाम सिंह,
(ii) श्रीमती गुरदयाल कौर, पत्नी श्री गुरचरन सिंह
निवासी गांव और डाकखाना बहरामपुर जमीदारी, तहसील
और जिला रोपड़।
(iii) श्रीमती कृपाल कौर पत्नी श्री हरचरन सिंह
(iv) श्रीमती जसवन्त कौर पत्नी श्री गुरदीप सिंह,
निवासी गांव और डाकखाना मोरानबाली, तहसील गढ़शंकर
जिला होशियार पुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रति आक्षेप यदि कोई हो तो :—

- (क) इस सूचना के राजपद में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपद में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

शाप कम फ्लैट नं० 11-12, सैक्टर 22-सी, चण्डीगढ़।

विवेक प्रकाश मिनोचा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 12 मार्च, 1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 2 मार्च 1976

निदेश सं० सी० आर० 62/4526/75-76/एवबी०/बी०
यतः मुझे आर० कृष्णमूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 294/15 है तथा जो VII क्रास, गोकुल I स्टेज IV फेस कमला नेहरू एक्सटेंशन, यशवंतपुर, बंगलूर-22 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजाजी नगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 2-7-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि विषयपूर्वोक्त सम्पत्ति वा उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात्मक अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री के० आर० धर्मभूषण पुत्र स्व० के० राजसिंह राव
(2) श्रीमती लक्ष्मीबाई पत्नी के० आर० डी० भूषण
(3) डी० केशवमूर्मि }
(4) श्री प्रह्लाद राव } श्री के० आर० डी० भूषण के पुत्र

नं० 242 सम्पांगे रोड, मल्लेश्वरम, बंगलूर-3। (अन्तरक)

2. श्री अब्दुल सुभान पुत्र अब्दुल रहमान इलिंग्ट्रूकल काट्रे-कटर, 294/15, VII क्रास कमला नेहरू एक्सटेंशन, यशवंतपुर, बंगलूर-22। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यधारियाँ करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अप्रोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

[दस्तावेज सं० 1503/75-76 ता० 2-7-75]

गृह नं० 294/15, VII क्रास गोकुल I स्टेज, IV फेस, कमला नेहरू एक्सटेंशन, यशवंतपुर, बंगलूर-22 में स्थित।

अवस्थान क्षेत्रफल :—

पूर्व से पश्चिम : 33' }
उत्तर से दक्षिण : 84' } 2772 वर्ग फीट

गृह क्षेत्र :—10 स्कोयर्स

सीमाएँ :—पूर्व : प्रवस्थान नं० 295-खाली जगह, अहाना मकान आदि।

पश्चिम : सड़क

उत्तर : 4' नाले के नजदीक की भूमि व अवस्थान नं० 419

दक्षिण : सड़क (VII क्रास रोड)

आर० कृष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलूर

तारीख : 2-3-1976

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 24 फरवरी 1976

निवेश सं० सी० आर० 62/4548/75-76/एक्वी०/बी०—
यतः मुझे, आर० कृष्णमूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह, विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है और जिसकी सं० 56 (पुराना) 53 (नया) है, तथा जो नं० 53 रिचमंड रोड, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनु-सूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, शिवाजी नगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 9-7-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/ या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आविष्ट था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) जिआउल्ला शरीफ पुत्र अब्दुल गफार साहब

(2) जहूर अहमद शरीफ पुत्र अब्दुल गफार शरीफ साहब 15/2 प्रैमरोस रोड, बंगलूर-25। नं० 2 जहूर अहमद शरीफ-प्रतिनिधि जिआउल्ला शरीफ। (अन्तरक)

2. श्री दर्शन सिंह सेथी पुत्र एस० एस० सेथी नं० 15/5 प्रैमरोस रोड, बंगलूर-25। (अन्तरिती)

3. सैनिक एस्टेट अफसर (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

[दस्तावेज नं० 1255/75-76 ता० 9-7-75]

गृह नं० 56 (पुराना) नया नं० 53 का भाग जो रिचमंड रोड, बंगलूर (डिवीजन नं० 60) में स्थित।

अवस्थान क्षेत्रफल:—

पूर्व से पश्चिम : 98' उत्तर से दक्षिण : 103'. 9" } 10,094 वर्ग फीट

सीमाएँ:— उत्तर: निजी संपत्ति नं० 3 मिडफोर्ड गार्डन दक्षिण: उपर्युक्त संपत्ति का भाग

पूर्व: नं० 53 रिचमंड रोड संपत्ति का भाग।

पश्चिम: नं० 52 रिचमंड रोड।

आर० कृष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 24-2-1976

मोहर:

प्रख्यातीय टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, बंगलूर
बंगलूर, दिनांक 2 मार्च 1976

निर्देश सं० सी० आर० 62/4567/75-76/एक्य०/बी०
यतः मुझे आर० कृष्णमूर्ति सहायक आयकर आयुक्त
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 3-1-11 है तथा जो कोडियाल बैल, मंगलूर
शहर, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मंगलूर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
ता० 9-7-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के सिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
शारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

4-26GI/76

1. श्री विल्यम मार्टिस पुत्र जे० मार्टिस नं० 109-Hएमराल्ड
मान्शन, एमराल्ड हिल सिंगपुर-9। (अन्तरक)

(2) श्री लूथि क्लेमेंट पैस पुत्र सी० पैस, बिजे, मंगलूर

(3) श्रीमती मेलिन सलदाना पत्नी एच० आर० जे०
सलदाना नं० (1) व (3) प्रतिनिधि सी० पैस, बकील, मंगलूर
(अन्तरक)

2. मै० नन्दी श्रवरीस एड डिस्ट्रिटरीस (प्रा०) लिमिटेड
मैनेजिंग डायरेक्टर : आशोक शिंधे पुल व्हाणप्पा 9 मील स्टोण,
तुमकूर रोड, दासरहली, बंगलूर जिला। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हिस्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभासित है, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(वस्तावेज सं० 465/75-76 ता० 9-7-75)

अवस्थान का दक्षिण-पूर्व भाग—पुराने मकान के साथ नं०
3-1-11 कोडियाल बैल, मंगलूर शहर में स्थित।

गृह क्षेत्र : 800 वर्ग फीट

अवस्थान क्षेत्रफल : 0.24 1/2 सेंटमी

आर० कृष्णमूर्ति
मकान प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलूर

तारीख : 2-3-1976

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 2 मार्च 1976

निर्देश सं० सौ० आर० 62/4568/75-76/एक्वी०/वी०---
यतः मुझे आर० कृष्णमूर्ति,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 3-1-10 है, तथा जो कोडियाल बैल, मंगलूर शहर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 9-7-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना थाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री विल्यम मार्टिस पुत्र जे० मार्टिस 109-एच० एमराल्ड मान्यनस, एमराल्ड हिल, सिंगपुर-9

(2) श्री लूयी क्लेमन्ट पैस पुत्र सी० पैस बीजै, मंगलूर

(3) श्रीमती मेलिन सलदाना पत्नी एच० आर० जे० सलदाना सन्त्कूस बंबई। न० (1) व (3) प्रतिनिधि सी० पैस, वकील, मंगलूर। (अन्तरक)

2. म० नन्दी शूवरीज व डिस्टिलरीस (प्रा०) लिमिटेड प्रतिनिधि : मैनेजिंग डायरेक्टर : अशोक शिंधे पुत्र कृष्णप्पा 9वा० मील स्टोन, तुमकूर रोड, दासरहल्ली बंगलूर जिला। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

दृष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज़ सं० 466/75-76 ता० 9-7-75)

अवस्थान (पुराने मकान सहित) उत्तरी अर्ध भाग जिसका न० 3-1-10 कोडियाल बैल, मंगलूर में स्थित।

अवस्थान क्षेत्रफल :—24-1/2-सेंट्स

गृह क्षेत्र :—2760 वर्गफीट।

आर० कृष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 2-3-1976

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 2 मार्च 1976

निर्देश सं० सी० आर० 62/4599/75-76/एष्य०/बी०—
यतः मुझे आर० कृष्णमूर्ति

श्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है।

ओर जिसकी सं० नं० 42 एच व 42(8) है, तथा जो कनमनिके
गांव, केंगेरी होब्ली, बंगलूर में स्थित है (ओर इससे उपाबद्ध अनु-
सूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, बंगलूर सौन तालुक में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 31-7-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तथ धारा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः यदि उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनु-
सरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269 व को उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

1. श्री एन० जे० जोसफ पुत्र एन० सी० जोन किसान,
नीरोन हाउस, पवर हाउस बांड, आलपुजा प्रतिनिधि : टी० पी०
जोयिस फान्सीस पुत्र पोत्तन तेकेकटे, नं० 16 नौर्त रोड़,
बंगलूर-5।
(अन्तरक)

2. श्री जार्ज टी० वर्गीस पुत्र टी० वर्गीस वरीद, तेकेत्तला
हाउस, मान्ननिके गांव, केंगेरी होब्ली, बंगलूर सौन तालुक।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभ्राषित है, वही प्रथ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2216/75-76 ता० 31-7-75)
संपत्ति सूची खेती जमीन—19 एकड़ 10 1/2 गुण्टास
सर्वे नं० 42—एच व 42 (8), कनमनिके गांव, केंगेरी होब्ली,
बंगलूर सौन तालुक में स्थित।
सीमाएँ:—

पूर्व: तेरेनाला (स्पूवेज चानल)

पश्चिम: सं० नं० 42 का बाकी भाग का जंगल

उत्तर: श्रीमती रोसम्मा वर्गीस की जमीन

दक्षिण: शेषगिरी गांव की सीमा

आर० कृष्णमूर्ति

सक्षम प्राधिकारी

सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रज्ञन रेज, बंगलूर

तारीख: 2-3-1976

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 19 फरवरी 1976

निर्देश सं० सी० आर० 62/4608/75-76/एक्य०/B-

यतः मुझे आर० कृष्णमूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),

की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी

को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 11 (पुराना) 9 (नया) है, तथा जो बैलिमटु रोड़, कोट्टनपेट, बंगलूर सिटी में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता आधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,

1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 17-7-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि

यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पाइँह प्रतिशत से अधिक है

और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)

के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सभी पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें वर्तने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन 'निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री बी० एच० मुनि राम पुत्र एन० हनुमशप्पा।

(2) बी० एम० हर्षा पुत्र बी० एच० मुनिराम

(3) बी० एम० अनन्ता पुत्र बी० एच० मुनिराम

(4) श्रीमती बी० एम० सुशीला पुत्री बी० एच० मुनिराम नं० 316/सी० 9 मैनरोड़, V ब्लाक, जयनगर, बंगलूर (अन्तरक)

2. (1) एन० श्रीनिवास] बी० एच० नारायणस्वामी

(2) बी० एन० कृष्णमूर्ति] के पुत्र

नं० 9 वीरचन्द्र नायक लेन, बेलिमटठ रोड़, कोट्टनपेट, बंगलूर सिटी। (अन्तरिती)

को यह गृच्छना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्याक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सेदार किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रथा होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

[दस्तावेज सं० 1640/75-76 ता० 17-7-75]

गृह नं० 11 (पुराना) नं० 9 (नया), बीरभद्र नायक लेन, बैलिमटु रोड़, कोट्टनपेट, बंगलूर सिटी जिसका आधा भाग।

आर० कृष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलूर

तारीख: 19-2-1976

मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलूर
बंगलूर, दिनांक 28 फरवरी 1976

निर्देश सं० सी० आर० 62/4649/75-76/

एक्य०/बी०—यतः मुझे आर० कृष्णमूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/-रुपये से अधिक है, और जिसकी सं० डी० न० 2649 है, तथा जो 11 मैत्र रोड, I ब्लाक, बी० बी० मोहल्ला, मैसूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैसूर (एच० बू०) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 16-7-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरितियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था यो किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अक्षितियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री ए० रेणुका पुत्र स्व० बी० एन० आराध्या
- (2) ए० आर० जगदीश } (अत्यधिकारी) प्रतिनिधि:
- (3) ए० आर० महादीश } —पिता व रक्षकर्ता
- (4) ए० आर० मलिकाजर्जुन } ए० रेणुका

नं० 897-कान्तराज अर्स रोड, मैसूर-4 (अन्तरक)

2. डा० जी० एस० पुरुषोत्तम दास पुत्र स्व० जी० सुब्रह्मण्यम प्रतिनिधि: श्रीमती गंगामायरमा नं० 1727 श्रृङ्खला रोड, मंडी मोहल्ला, मैसूर-1। (अन्तरिती)

3. लेपिट० सी० डी० आर० जे० डी० पनकाल (रिटा०) मालिक: रेन एजन्सीस (इन्डेन गास) नं० 1727-श्रृङ्खला रोड, मंडी मोहल्ला, मैसूर-1। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अवधियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अक्षितियों में से किसी अवधि द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

[दस्तावेज सं० 1302/75-76 ता० 16-7-75]

गृह व खुली जगह नं० 2649 II मैत्र रोड, I ब्लाक बी० बी० मोहल्ला, मैसूर में स्थित।

अवस्थान क्षेत्रफल:—

पूर्व से पश्चिम: 60'	} 9000 वर्ग फीट
उत्तर से दक्षिण: 150'	

गृह क्षेत्र:—छप्पर का गृह: 5 स्कोयर्स

एल आकार वाला गृह: 9. 60 स्कोयर्स

कुल

14. 60 स्कोयर्स या 15 स्कोयर्स

सीमाएँ:—

पूर्व: बंगला जो श्री बी० बी० कार्य

पश्चिम: श्री० ए० आर० विश्वनाथ शेट्टी का बंगला नं० 2649/1

उत्तर: कोणसर्वेन्सी व

दक्षिण: सड़क

आर० कृष्णमूर्ति

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

तारीख: 28-2-1976

मोहर:

प्रृष्ठा आई० टी० एन० एस० —————

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 2 मार्च 1976

निर्देश सं० सी० आर० 62/4668/75-76/एक्वी०/वी०—
यतः मुझे आर० कृष्णमूर्ति,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 17 है, तथा जो बुरगाला मट्ठ रोड़, वी० वी०
पुरम, बंगलूर-4 में स्थित है (और इससे उपावन्न अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी वै० १००५८, दस वंगुड़ी
बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन ता० 21-7-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तर्व (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिये क्या पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं विद्या गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की कावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या छन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथति :—

1. श्रीमती वी० पद्मावतमा पत्नी श्री वी० रामचंद्रा शेट्टी
नं० 566 (पुराना) नं० 17 (नया) बुरगाल मट्ठ रोड़, न्यू
सज्जन राव रोड़, वी० वी० पुरम, बंगलूर-4 (अन्तरक)
2. श्री बालकृष्ण पुष्कर एस० वोडू नंजप्पा नं० 5/1 नारायण
शेट्टी, बंगलूर। (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

[दस्तावेज सं 1500/75-76 ता० 21-7-75]

संपत्ति नं० 556 (पुराना) नं० 17 (नया), बुरगाला
मट्ठ रोड़ (सज्जन राव रोड़) वी० वी० पुरम, बंगलूर-4।
(डिवीजन नं 28)

अवस्थान क्षेत्रफल :— $34\frac{1}{2}' \times 60' = 2100$ वर्ग-
फीट।

सीमाएँ :—

पूर्व : सरकारी सड़क

पश्चिम : वेंकटनेन्नया शेट्टी का घर

उत्तर : गिरिजामा का घर

दक्षिण : चन्द्रया शेट्टी का घर

— आर० कृष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 2-3-1976

मोहर :

प्रलूप श्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के प्रबोधन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 25 फरवरी, 1976

निदेश सं० सी० आर० 62/4620/75-76/एक्य०/वी०—
यतः मुझे आर० कृष्णमूर्ति

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रबोधन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 144 का 1/3 भाग है तथा जो 144 भाष्यम रोड़ कोट्टनपेट, बंकलूर में स्थित है (और इससे उपाखद अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 25-7-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के प्रबोधन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचूते में सुविधा के लिए ; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

प्रतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रबोधन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधितः—

(1) श्री एस० रघुनन्द कुमार पुत्र एस० एन० सुब्रां राव नं० 42 के० एच० रोड़, बंगलूर-27। (अन्तरक)

(2) * (1) मै० डेक्कान ग्लास एम्पोरियम

(2) मै० डेक्कान बोर्डस् एम्पोरियम नं० 241 चिकपटे बंगलूर-53 व नं० 37 बांबू बाजार, बंगलूर-2 अमशः : प्रतिनिधि

(1) श्री अन्दुल हुसैन दाऊद भाई (2) ईसूफ श्रावी दाऊद भाई (3) सले भाई दाऊद भाई (4) महम्मद हुसैन अब्दुल हुसैन (5) टाहेर अब्दुल हुसैन (अन्तरिती)

3. (1) श्रीमती अनसुया बाई

(2) कमला बाई (3) आर० सुधाकर

(4) एस० महेश्वर

(5) मोहन

(6) सदानन्दा (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित भौं किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही प्रथम होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(वस्तावेज सं० 1738/75-76 ता० 25-7-75)

बैचने वाले का 1/3 भाग उत्तरी भाग का आधा भाग— अवस्थान मकान (जीणविस्था में) के साथ जो भी अरसोजी राव टिम्बर याडे व सिटी सा मिल्स नामक है और जो नं० 111 व 141 (पुराना) व नं० 144 (नया) भाष्यम रोड़ कोट्टनपेट बंगलूर में स्थित है।

कुल अवस्थान का धोनफल :—

उत्तर से दक्षिण : पूर्वी भाग में 35'. 3" } 21,900

" पश्चिमी भाग में 54'. 3" } वर्ग फीट

पूर्व से पश्चिम : उत्तरी व दक्षिणी भाग : 292'

21900 वर्ग फीट का आधा भाग : 10950 वर्ग फीट

10950 वर्ग फीट का 1/3 भाग : 3650 वर्ग फीट

सीमाएः पूर्व : भाष्यम रोड़ (कोट्टनपेट मैन रोड़)

पश्चिम : बक्षी गार्डन (कोण्सर्वन्सी लेन) उत्तर : चिन्नसान्दा मुनियपा की जमीन (भवानी सा मिल्स) दक्षिण : ड्लाक 'बी०' अनुसूची 11 में श्रीमती कमला बाई को दिया गया है।

आर० कृष्णमूर्ति

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

तारीख : 25-2-1976

मोहरः

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर,

बंगलूर, दिनांक 25 फरवरी 1976

निदेश सं० सी० आर० 62/4799/75-76/एसीआर/बी०—
यतः मुझे आर० कृष्णमूर्ति,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व(1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000- रु० से अधिक है और जिस की सं० 144 (1/3 भाग) है, तथा जो भाष्यम रोड, कोट्टनपेट, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 30 अगस्त 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि पथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व(1) के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व(1) की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एस० मोहनद्वा सपुत्र एस० मुख्या राव नं० 294-ए I फ्लोर 4 ब्लॉक, जयनगर, बंगलूर-II (अन्तरक)

(2) मसर्स डेक्कान ग्लास एम्पोरियम
(2) मसर्स डेक्कान बोर्डेस एम्पोरियम नं० 241 निकपेट, बंगलूर-53 व 37 बाबू बाजार बंगलूर-2

(क्रमशः)
प्रतिनिधि:—(1) अब्दुल हुसैन दावूद भाई (2)

हसुफ अली दावूद भाई (3) सलेह भाई दावूद भाई
(4) मोहम्मद हुसैन अब्दुल हुसैन (5) टाहीर
अब्दुल हुसैन (सब साझेदार हैं) (अन्तरिती)

(3) श्रीमती (1) अनुसूचा बाई (2) कमला बाई (3)
मार० सुधाकर (4) मोहन (5) सदानन्दा (6)
एस० रघुनन्द कुमार
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2180 /75-76 दिनांक 30 अगस्त 1975

बेचने वाले का 1/3 भाग अन्तरी भाग का आधा भाग—
अवस्थान मकान (जीर्णविस्था में) के साथ जो 'बी' असरेंजी राव टिम्बर यार्ड व सिटी सा मिल्स— न०IIIव 141 (पुराना)
नया न० कुल अवस्थान 144—भाष्यम रोड, कोट्टनपेट,
बंगलूर का क्षेत्रफल :—

उत्तर से दक्षिण : पूर्वी भाग 35'. 3"	} 21900
उत्तर दक्षिण : पश्चिमी भाग : 54. 3"	
पूर्व से पश्चिम : उत्तरी व दक्षिणी भाग : 292'	वर्ग फीट
21900 वर्ग फीट का आधा भाग : 10950 वर्ग फीट	
10950 वर्ग फीट का 1/3 भाग : 3650 वर्गफीट	

सीमाएं

पूर्व : भाष्यम रोड (कोट्टनपेट मैन रोड)

पश्चिम : बक्शी गार्डन (कण्ठवेन्सी लेन)

उत्तर : चिन्हसाद्र मुनियप्पा की जमीन (भवानी सा मिल्स)

दक्षिण : ब्लाक बी—अनुसूची II के नम्बर में जो भाग कमला भाई का है।

आर० कृष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
दिनांक 25 फरवरी 1976
मोहर:

प्रख्युप आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 24 फरवरी 1976

निदेश सं० सी० आर० नं० 62/4622/75-76/एसीआर/बी०—
यतः मुझे आर० कृष्णमूर्ति,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' यहा गया है),
की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि रथावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिस की सं० 93-एच है, तथा जो नन्दि दुर्ग रोड, जयमहल,
बंगलूर-6 में स्थित है (ओर इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
अधीन दिनांक 26 जुलाई 1975 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्रास्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—
5—26GI/76

(1) श्री एम० एम० टी० मुनिस्वामणा (अल्पवयस्क)
प्रतिनिधि :— पिता व रक्षकर्ता श्री एम० एम०
निम्मम्या नं० 10/11 तोष्ये मुद्रिलियार स्ट्रीट, सिविल
स्टेशन बंगलूर-1

(अन्तरक)

(2) कुमारी आर० अलमेल पुत्री श्री एस० रंगस्वामी
अर्यंगार (ग्रुप सीडर रैम्स्को लिमिटेड मैसूर रोडर
बंगलूर) नं० 52 विकटोरिया ले आउट, बंगलूर-1
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

इष्टव्यक्तिरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अथ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1753/75-76 दिनांक 26 जुलाई 1975)
खाली गृह अवस्थान नं० 93-एच नन्दिदुर्ग रोड, बंगलूर-6
(डिवीजन नं० 46)

अवस्थान भेत्रफल :

पूर्व से पश्चिम : 66'
उत्तर से दक्षिण : 39'. 9"

} 2624 वर्ग फीट

सीमाएँ :—

उत्तर : अवस्थान नं० 93-जी

दक्षिण : अवस्थान नं० 93-ए

पश्चिम : ले आउट रोड 30' चौड़ी

पूर्व : निजी संपत्ति।

आर० कृष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलूर

दिनांक 24 फरवरी 1976
मोहर :

प्रलेप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 28 फरवरी 1976

निदेश सं० आर० 62/4709/75-76/ए सी आर/झी०—
यतः मुझे आर० कृष्णामूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिस की सं० 27 डी व 27 सी है, तथा जो सांकी रोड,
हाई ग्रौण्डस, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
गांधीनगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक 5 जुलाई 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे असरण के
लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) असरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने
के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या
उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोगमार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः प्रब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती सी० सौदरम पत्नी ए० गोविन्द राज नं० 4/1
मोटियन रोड, एम्बूर, मद्रास-8

(अन्तरक)

(2) मैसर्स आरनी होटल्स (पी) लिमिटेड नं० 100
रेसिङ्स रोड, बंगलूर-25

(अन्तरिती)
प्रतिनिधि:—कै० एल० रमेश (मानेजिंग डायरेक्टर)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अप्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1491/75-76 दिनांक 5 जुलाई 1975)
संपत्ति पुराना नं० 14 व 27 और नया नं० 27-डी
और 27-सी सांकी रोड, हाई ग्रौण्डस, बंगलूर
(अवस्थान का क्षेत्रफल : 10555 वर्ग फौट)

सीमाएं :

पूर्व : रिवेज बैंक आफ इण्डिया ब्याटर्स
पश्चिम : सांकी रोड

उत्तर : निजी संपत्ति

दक्षिण : संपत्ति नं० 27-डी व 27-सी का दक्षिणी भाग

आर० कृष्णामूर्ति
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर
दिनांक 28 फरवरी 1976
मोहर :

प्रह्लाद ग्राही ० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 24 फरवरी 1976

निर्वेश सं० सी आर० नं० 62/4793/75-76/एसीआर/वी—
यतः मुझे, आर० कृष्णमूर्ति आयकर अधिनियम, 1961

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पाच्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के प्रधीन सभ्म प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 44/7 है, तथा जो रेस कोर्स रोड,
बंगलूर-1में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर,
बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के प्रधीन दिनांक 26 जुलाई 1975 को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी संन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः इब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थत्

- (1) (1) श्री काप्टन नेविले गोडेन गिल सपुत्र ई० आर० सी० ए० गिल
- (2) श्रीमती बारबटा गिल, पत्नी नेविले गोडेन गिल नं० 199 डिफन्स कालोनी, इन्दिरा नगर, बंगलूर-38
(अन्तरक)

(2) श्रीमती भगवती आर्या पत्नी प्रकाश आनन्द आर्या
मारफत इकोनोमिक ट्रान्सपोर्ट ओरगनेशन नं० 1/2
I क्रास कलासिपालथम न्यू एक्सटेंशन, बंगलूर-
560002
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आधेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या उत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रथुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-
परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2122/75-76 दिनांक 26-7-75) खाली
जामीन नं० 44/7 रेस कोर्स रोड, बंगलूर 560001 में स्थित।
अवस्थान क्षेत्रफल :

पूर्व : 55'	} 9890 वर्गफीट
पश्चिम : 108'	
उत्तर : 80'	
दक्षिण : 106'	

सीमाएँ:-

उत्तर : वेस्ट एण्ड होटल व भूमिखंड नं० 44/8 रेस कोर्स रोड
दक्षिण : गृह नं० 44/6 रेस कोर्स रोड
पूर्व : अन्दरी सड़क
पश्चिम : वेस्ट एण्ड होटल

आर० कृष्णमूर्ति,
सभ्म प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलूर

दिनांक: 24 फरवरी 1976
मोहर:

प्र० र० आई० टी० एन० एस० —————

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूरु, दिनांक 28 फरवरी 1976

निर्देश सं० सी० आर० 62/5147/75-76/ए सी० आर/वी—
यतः मुझे, आर० छृष्णमूर्ति

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० 35 है, तथा जो II शास III मैन रोड, एन०
टी० पैट, बंगलूरु, में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, बसवंगुडी, बंगलूरु में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 9 अक्टूबर 1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए कन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पछाद है प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तररक
(अन्तरकों) और अन्तरिक्षी (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवस 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अभ्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के
लिए;

यतः ग्रव उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपक्षारा (1) के
प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री एम० कृष्ण राव शिंधे सपुत्र स्व० मुन्तोजी० राव
शिंधे मालिक : शिवाजी सोपनट व ग्रायल मिल्स
न्यू नरगुपेट, बंगलूर

(अन्तरक)

(2) श्री पी० वेंकटाचलपति सपुत्र पी० वेंकट सुब्बय सेटी०
नं० 61/62 ईस्ट पार्क रोड, मल्लेश्वरम, बंगलूर-3
(अन्तरिक्षी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तात्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अभ्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षित व्यक्ति के पास सिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2318/65-76 दिनांक 9 अक्टूबर 75)

गृह नं० 35 II शास, III मैन रोड, न्यू नरगुपेट, बंगलूर
अवस्थान क्षेत्रफल :—

पूर्व से पश्चिम : उत्तरी भाग : 37'	} 3895 वर्ग फीट
पूर्व से पश्चिम : दक्षिणी भाग : 45"	

उत्तर से दक्षिण : 95'

सीमाएं :—

पूर्व : गृह नं० 35 का वह भाग जो बेचने वाले के अधीन है
पश्चिम : पश्चिमी भाग जो पी० वेंकटेश बाबू व बालाजी०
बाबू को बेचा गया है।

उत्तर : II शास, III न रोड, न्यू नरगुपेट, बंगलूर

दक्षिण : 5' वाली आम रास्ता श्री पापनाथ की संपत्ति के आगे।

आर० कृष्णमूर्ति,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रायकर ग्रायकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलूर

दिनांक : 28-2-1976

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 28 फरवरी 1976

निर्देश सं० सी आर 62/5148/75-76/एसीआर/बी—
यतः मुझे, आर० कृष्णमूर्ति
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा
गया है), की धारा 269-ब के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है
और जिसकी सं० 35 है, तथा जो II क्रास III मैन रोड
एन० टी० पेट, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाखद अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
बसवंगुडी, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक 9 अक्टूबर 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धत
प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में घास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

ग्रन्तः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एम० कृष्ण राव शिंधे सपुत्र स्व० मन्तोजी राव
शिंधे मालिक : शिवाजी सोपनट एण्ड आइल
मिल्स, न्यू नरगुपेट, बंगलूर (अन्तरक)
(2) श्री के० वी० राजगोपाल शेट्टी नं० 296 शारदानन्द
भवन रोड, बी० वी० पुरम, बंगलूर
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्षणः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोषिताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधि-
नियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2319/75-76 दिनांक 9 अक्टूबर 1975)
गृह नं० 35 II क्रास III मैन रोड, न्यू नरगुपेट, बंगलूर का
पूर्वी भाग।

अवस्थान क्षेत्रफल :

पूर्व से पश्चिम : उत्तर भाग 22'
पूर्व से पश्चिम : दक्षिणी भाग 26' } 2290 वर्गफीट

सीमाएः—

पूर्व : गृह नं० 35 का दूसरी भाग जो बैचने वाले के अधीन
में है

पश्चिमी : श्री पी० बेंकटा चलपति का खरीदा घर नं० 35
का एक भाग

उत्तर : II क्रास रोड

दक्षिण : श्राम रास्ता जिसका क्षेत्रफल 5' है व श्री पापना
की सम्पत्ति

श्री एम० कृष्णमूर्ति,
सभी प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 28 फरवरी 1976

मोहर :

प्रलृप शाई०टी०एन०एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
श्रज्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 28 फरवरी 1976

निर्देश सं० सी आर 62/5154/75-76/एक्यू/बी—यतः
मुझे आर० कृष्णमूर्ति,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 35 है, तथा जो II क्रास III मैन रोड एन०
टी० पेट, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक 15-10-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के

उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपने में
सुविधा के लिए;

प्रसः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपस्थारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथाति:—

1. श्री एम० कृष्ण राव शिंदे, सपुत्र स्व० मन्त्रीजी राव
शिंदे
मालिक : शिवाजी सोपनट एण्ड आयिल मिल्स
न्यू नरगुपेट, बंगलूर
(अन्तरत)

2. मैसर्स पी० वेंकटाचलपति, प्रतिनिधि व साम्रेदार
श्री पी० वेंकटाचलपति नं० 61/62 ईस्ट पार्क रोड,
मलेश्वरम, बंगलूर-3।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रज्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के श्रज्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

[दस्तावेज सं० 2357/75-76 दिनांक 15 अक्टूबर 1975]
गृह नं० 35, II क्रास III मैन रोड, न्यू नरगुपेट, बंगलूर का
पूर्वी भाग

अवस्थान का थेट्रफल :

पूर्व से पश्चिम : 15'
उत्तर से दक्षिण : 46'. 6"

} 690 वर्ग फीट

सीमाएँ :

पूर्व : बेचने वाले की संपत्ति
पश्चिम : के० वी० राजगोपाल सेट्री की संपत्ति
उत्तर : II क्रास रोड
दक्षिण : के० वी० राजगोपाल सेट्री की संपत्ति

आर० कृष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रज्जन रेज, बंगलूर

दिनांक : 28 फरवरी 1976

मोहर :

प्रख्य आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 4 मार्च 1976

निर्देश सं० सी०आर० 62/4533/75-76/एक्य०वी—यतः
मुझे, आर० कृष्णमूर्ति,
आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिस की सं० 311/2 है, तथा जो V मैन रोड I ब्लाक, जयनगर, बंगलूर-11 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयनगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 10 जुलाई 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अप्सरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन करदेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धम या अन्य आस्तियों को, जिन्हें सारसीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

प्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती के० एस० उमा

51/1 सर्वेयर स्ट्रीट, वसंवंगडी बंगलूर-4

(अन्तरक)

(2) श्री विठ्ठल एस० कन्दडे

नं 315 I फ्लोर, एन० आर० कोलनी

बंगलूर-19 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1274/75-76 दिनांक 10 जलाई 1975)

गृह संपत्ति नं० 311/2 V मैन रोड, I ब्लाक जयनगर, बंगलूर-11 (गृह नं० 311 व डिविजन नं० 23) डिविजन नं० 36 (नया नं०) में स्थित।

अवस्थान क्षेत्रफल :

पूर्व से पश्चिम :	90' उत्तरी भाग में
उत्तर से दक्षिण :	66' दक्षिणी भाग में
उत्तर से दक्षिण :	40'
$90' + 66'$	
$\text{---} \times 40 = 3120 \text{ वर्ग फीट}$	
2	

गृह क्षेत्र : 7 स्कोर्यस

सीमाएं :

पूर्व : बगीचा

पश्चिम : सड़क

उत्तर : अवस्थान नं० 255 और

दक्षिण : अवस्थान नं० 312

आर० कृष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 4 मार्च 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 4 मार्च 1976

निर्देश सं० सी०आर० 62/4536/75-76/एसीक्यू/झी—
यतः मुझे, आर० कृष्णमूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 430 है, तथा जो IV ब्लाक ईस्ट, 30 मैन रोड, हॉटिंग कालोनी, जयनगर एक्सटेंशन बंगलूर-11 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, जयनगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 10 जुलाई 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के

उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट महीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती रोदियाबी पत्नी शेख पीर नं० 431

IV ईस्ट ब्लाक, हॉटिंग कालोनी, जयनगर, बंगलूर-11

(अन्तरक)

(2) श्रीमती हबीबशीसा पत्नी श्री एम० अब्दुल्ला बाशा नं० 2 अल्लाह बक्श स्ट्रीट, तिरुपत्तूर-2 उत्तर अर्काट जिला, तमिलनाडु (अन्तरिती)

(2) श्री (1) रहमतुल्ला, मालिक रोपन स्टोर्स

(2) लेटस्ट हेयर डेसर्स

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

व्यष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1273/75-76 दिनांक 10 जुलाई 75)

कोने में स्थित अवस्थान नं० 430, आर० सी० सी० से बनाया गृह व दो दुकानें, गृह नं० 430 और 431 के बीच की दीवार को छोड़कर (दुकानों को तीन दरवाजे हैं) —ब्लाक नं० IV ईस्ट, हॉटिंग कालोनी, जयनगर एक्सटेंशन, बंगलूर-11 में स्थित।

अवस्थान क्षेत्रफल :

पूर्व से पश्चिम : 29' } 870 वर्ग फीट
उत्तर से दक्षिण : 30' }

गृह क्षेत्र :

निचली मंजिल : 9 स्कोर्पस आर० सी० सी०

पहली मंजिल : 1 1/2 स्कोर्पस अस्वस्टोस शीट्स

सीमाएँ :—

उत्तर : अवस्थान नं० 377

दक्षिण : सड़क

पूर्व : सड़क

पश्चिम : अवस्थान

आर० कृष्णमूर्ति,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

दिनांक : 4 मार्च 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 4 मार्च 1976

निर्देश सं० सी० आर० 62/4538/75-76/एसीक्यू/वी—
यत : मुझे, आर० कृष्णमूर्ति

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 130, 131 व 132 है, तथा जो लिंगराज-पुरम (49 डिवीजन), बंगलूर में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजी नगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 2 जुलाई 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-घ की उपषारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती कुलसांदी 20 नेताजी रोड, सिविल स्टेशन, बंगलूर-१ (अन्तरक)

(2) श्री मोहियुद्दीन खान नं० 18 देवरका पिलौयार स्ट्रीट तिरप्पतूर (उत्तर आर्काटि ज़िला) (अन्तरिती)

(3) श्री (1) ए० जोसफ (2) जगदीश (3) गोविन्द स्वामी (4) एम० मुनिस्वामी (5) स्वामिनाथन (6) ए० पतिनायन (7) कृष्णन (8) शेखर (9) सुब्रह्मण्यन

(बहु व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1150/75-76 दिनांक 2 जुलाई 75)

संपत्ति नं० 130, 131 व 132 लिंगराजपुरम, 49 डिवीजन (केप्पर रोड) भारती सेवा नगर, बंगलूर में स्थित।

अवस्थान क्षेत्रफल :—

पूर्व से पश्चिम : 50'	}	2250 वर्ग फीट
उत्तर से दक्षिण : 45'. 4"		

गृह क्षेत्र :— 16 स्कोर्यस

सीमाएँ :—

पूर्व : कुल्लपा का घर

पश्चिम : केप्पना का घर

उत्तर : कुल्लपा का घर

दक्षिण : सुब्बथ्या का घर

शार० कृष्णमूर्ति,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलूर

दिनांक : 4 मार्च 1976

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 4 मार्च 1976

निर्देश सं० सी० आर० 62/4684/75-76/एसीक्यू/वी—
यतः मुझे, आर० कृष्णमूर्ति,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० 38 पुराना नं० 7 व 8 है, तथा जो कनकापुरा
रोड, बसवंगुडी, बंगलूर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-
लय, बसवंगुडी, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
1908 का 16) के अधीन दिनांक 2 जुलाई 1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री पी० मुहम्मद इकबाल सपुत्र स्व० पी० अम्बुल
खादर साहब प्रतिनिधि: श्री एम० एम० ए० हार्फिज
नया नं० 38 कनकापुरा रोड, बसवंगुडी, बंगलूर-4
(अन्तरक)

(2) श्रीमती अमीना खानू पत्नी एस० ए० अर्यूब बंगलूर
मोटर्स 36 ईस्ट एण्ड रोड, बसवंगुडी, बंगलूर-4
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आमेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों
पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोलिखित
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

इष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परि-
भासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(इस्टायेज सं० 1256/75-76 दिनांक 2 जुलाई 75)

गृह नं० 38 (नया) नं० 7 व 8 (पुराना) कनकापुरा रोड
(पहले कनकनहली रोड से मशहूर था), डिविजन नं० 33,
बसवंगुडी, बंगलूर-4 में स्थित जिसकी जमीन व अन्य संपत्तियों के
साथ।

प्रवर्तन क्षेत्रफल :

उत्तर से दक्षिण : 58'
पूर्व से पश्चिम : 46' } 2668 वर्ग फीट

गृह क्षेत्र:— 712 वर्ग फीट (गरेज का क्षेत्रफल)

सीमाएं :

उत्तर: पड़ीसी की संपत्ति
दक्षिण: बेचने वाले की निजी संपत्ति
पूर्व: पड़ीसी की संपत्ति
पश्चिम: पड़ीसी की संपत्ति

आर० कृष्णमूर्ति,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलूर

दिनांक : 4-3-1976

मोहर:

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 2 मार्च 1976

निर्देश सं० सी० आर० 62/4670/75-76/एस०/बी—
यतः मुझे, आर० कृष्णमूर्ति,

ग्रायकर अधिनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 63 है, तथा जो III क्रास गविपुरम एक्सटेंशन, बंगलूर-19 में स्थित है (और इससे उपाग्रह अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बसवंगुडी, बंगलूर में रजिस्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 16 जुलाई 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन, कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री ए० रंगस्वामी सपुत्र ए० माधव अर्थयंगार
(2) श्री ए० श्रीनाथ सपुत्र ए० रंगस्वामी नं० 63
IIIक्रास, गविपुरम एक्सटेंशन, बंगलूर-19 (अन्तरक)
2. श्री एम० सी० गणेश (मैनर)
प्रतिनिधि : माता व रक्षकर्ता श्रीमती धनतक्ष्मी
नं० 63 मैन IIरोड क्रास, बंगलूर-19। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

[दस्तावेज सं० 1443/75-76 दिनांक 16 जुलाई 1975]

गृह नं० 63 II क्रास गविपुरम् एक्सटेंशन, बंगलूर-19

अवस्थान क्षेत्रफल :—

पूर्व से पश्चिम : 45' } 2925 वर्गफीट
उत्तर से दक्षिण : 65' }

गृहक्षेत्र :— 12½'

सीमाएँ :—

पूर्व : बेचने वाले की संपत्ति

दक्षिण : बेचने वाले की संपत्ति

पश्चिम : मंजुनाथ की संपत्ति

उत्तर : निजी संपत्ति

आर० कृष्णमूर्ति

सक्षम प्राधिकारी

सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

दिनांक 1 दिसंबर 1976

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 2 मार्च 1976

निर्देश सं० सी० आर० 62/4674/75-76/एक्य०/बी—

यतः मुझे, आर० कृष्णमूर्ति,

आयकर अधिनियम, 1941 (1961 का 43)

(जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ह० से अधिक है

और जिसकी सं० 63 है, तथा जो III कास गविपुरम एक्सटेशन, बंगलूर-19 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बसबंगुडी, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 10 जुलाई 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने के लिए में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री ए० रंगस्वामी सुपुत्र ए० माधव अर्पणगार
(2) ए० श्रीनाथ सुपुत्र ए० रंगस्वामी नं० 63-3rd
आस, गविपुरम एक्सटेशन, बंगलूर-19
(अन्तरक)
2. (1) श्री एम० सी० चन्द्रशेखर सुपुत्र एम० सी० नायडु
(2) श्रीमती धनलक्ष्मी नं० 99 2nd मैन रोड,
IV कास रोड, हनुमंतनगर बंगलूर-19।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्षा:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तस्मान्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है,

अनुसूची

[दस्तावेज सं० 1383/75-76 दिनांक 10 जुलाई 75]
संपत्ति नं० 63, 3rd कास, गविपुरम एक्सटेशन बंगलूर-19
में स्थित जिसका एक भाग।

अवस्थान खेत्रफल :—

पूर्व से पश्चिम : 45 $\frac{1}{2}$ '	} 3003 वर्ग फीट
उत्तर से दक्षिण : 66'	

गृह खेत्र :—2 स्कोर्यस

सीमाएं :—

पूर्व : बेचने वाले की संपत्ति

दक्षिण : बेचने वाले की संपत्ति

उत्तर : निजी संपत्ति

पश्चिम : निजी संपत्ति

आर० कृष्णमूर्ति

सकाम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

दिनांक : मार्च 1976

मोहर :

प्रलूप शाई०टी०एन०एस०——

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 10 मार्च 1976

निर्देश सं० सी० आर 5752/75-76/एम्यू/वी—यह:
मुझे आर० कृष्णमूर्ति

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का
कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० 63 का भाग है, तथा जो III क्रास,
गविपुरम् एक्सटेंशन, बंगलूर-19 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
ग्रन्तसूचीमें और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के
कार्यालय, बसवंगुडी, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 14 जुलाई 1975 को
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्हव प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रन्त: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्याति:—

1. (1) श्री ए० रंगस्वामी सुपुत्र ए० माधव अर्यांगार
(2) ए० श्रीनाथ सुपुत्र ए० रंगस्वामी नं० 63, III क्रास,
गविपुरम् एक्सटेंशन बंगलूर-19
2. (1) श्री एम० सी० मंजुनाथ सुपुत्र एम० सी० नायुद्ध
(2) श्रीमति धनलक्ष्मी
नं० 99-2nd मैन रोड, IV क्रास, हनुमंतनगर
बंगलूर-19

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 14-15/75-76 दिनांक 14 जुलाई 1975)
सम्पत्ति नं० 63, III क्रास, गविपुरम् एक्सटेंशन, बंगलूर-19
का एक भाग

अवस्थान क्षेत्रफल:—

उत्तर से दक्षिण: 60' } पूर्व से पश्चिम: 45' } 2700 वर्ग फीट

गृह क्षेत्र:— 4½ स्कोपर्स पुराना आर० सी० सी० मकान
सीमाएँ:—

पूर्व: बेचनेवाले की संपत्ति

दक्षिण: बेचने वाले की संपत्ति

उत्तर: निजी संपत्ति

पश्चिम: एम० सी० चन्द्रशेखर की संपत्ति।

आर० कृष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेज, बंगलूर

दिनांक: 10 मार्च 1976

मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एन० इस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

कार्यालय अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, विनांक 4 मार्च 1976

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी/भोपाल/76-77—अतः,
मुझे वी० के० सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिस की सं० मकान है, जो इन्दौर में स्थित है (और इससे
उपायद्वय अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
प्राधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 16-7-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
क्षय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
नाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रस्तुत अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मदन लाल पुत्र श्री सुखलाल किसहिंवा, 21
रेसीडेन्सी एरिया और रतलाम कोठी, इन्दौर,
(अन्तरक)

(2) श्रीमती सावित्री देवी पत्नी श्री गुरवण्ण साहगी,
10/3, न्यू पलासिया, इन्दौर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण ——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 6 म्यूनिसिपल नं० 21, विष्टोवरी इस्टेट
कालोनी, रेसीडेन्सी एरिया, आगरा बास्टे रोड, इन्दौर

वि० के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज भोपाल

दिनांक : 4 मार्च 1976
मोहर :

प्रलूप आई०टी०एन०एस०—————

ग्राम्यकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्राम्यकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 मार्च 1976

निदेश सं० आई० ए० सी० ए० बी०/भोपाल/76-77—ग्रतः,
मुझे, बी० के० सिन्हा

ग्राम्यकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम', कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है और
जिस की सं० मकान है, जो जबलपुर में स्थित है। (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में रजिस्ट्रीकृत प्रधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 25 प्रग्रस्त 75
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि व्यापारी पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
सभी पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
स्थिति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूई किसी ग्राम की बाबत 'उक्त प्रधिनियम'
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी धन या मन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय ग्राम्यकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त प्रधिनियम',
या घनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ प्रन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

ग्रतः इब 'उक्त प्रधिनियम' की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री मुकुलाल किशनलाल पटेल, ओपरानगंज, जबलपुर
(अन्तरक)

(2) (i) श्री गोविन्द प्रसाद अग्रवाल पुत्र श्री किशनलाल
अग्रवाल द्वारा मैसर्स स्वास्तिक ट्रेडर्स कोतवाली रोड,
तामा वाई थीक
(ii) श्री सूरज प्रसाद खण्डेलवाल, पुत्र श्री रूप चन्द्र
खण्डेलवाल, मिलोनी गंज, जबलपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
प्रधिनियम', के प्रध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान जिस का क्षेत्रफल 2522 वर्ग फुट है जो कि
ओपरानगंज जबलपुर में स्थित है।

वि० के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सदौयक ग्राम्यकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 4 मार्च 1976
मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 मार्च 1976

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी/भोपाल/76-77— अतः,
मुझे बी० के० सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० चार दुकान + प्लाट है जो सागर में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सागर में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
22-8-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए।

अतः श्रब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

7-26GI/76

(1) श्री (1) घनश्यास दास (2) श्री बाबू लाल पुत्र श्री
जगन्नाथ प्रसाद, (3) श्री रमेश कुमार (4) श्री
राज कुमार पुत्र श्री बाबू लाल, (5) श्री रामेश कुमार
(6) श्री राजू (7) श्री रत्नेश सभी पुत्र श्री रमेश-
कुमार पालक श्रीमती सहोदा वाई पत्नी श्री घनश्याम
दास गाडिया निवासी सर्वाकां बाजार, कोतवाली
वार्ड, सागर (अन्तरक)

(2) बुन्देलखण्डी क्षेत्रीय स्वर्णकार समाज सागर द्वारा श्री
गोपालदास पुत्र श्री सीताराम पाल्स तथा अन्य
निवासी सर्वाकां बाजार, कोतवाली रोड, सागर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थान सम्पत्ति में हिस-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

चार दुकानें और एक प्लाट जिसकी माप 653.2 वर्ग फुट
है जो चांदनी चौक बाजार, सागर में स्थित है।

वि० के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 4 मार्च 1976

मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एम० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 मार्च 1976

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्सी०/भोपाल—ग्रतः, मुझे
वी० के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० एक दुकान है, जो सागर में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, सागर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 19-8-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या छन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए ।

ग्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

<p>1. श्री मथुराकास पुल श्री माधोदास, गोले बाजार, जबलपुर</p> <p>2. श्री आशाराम पुल जुमेदामल द्वारा चवन स्टोर्स कतरावर, गुजराती बाजार, सागर</p>	<p>(अन्तरक)</p> <p>(अन्तरिती)</p>
--	-----------------------------------

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्वैतसाक्षाती के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभा-
षित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

एक दुकान जिसका क्षेत्रफल 61'×69 है जो गुजराती बाजार
सागर में स्थित है।

वी० के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 4-3-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

1. श्रीमती सितारा बेगम पत्नी श्री अब्दुल

खलीक, निवासी सतना।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 मार्च 1976

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्सी/भोपाल—श्रतः मुझे
वी० के० सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० दो मंजिला मकन है, जो सतना में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय सतना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 2-9-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का बारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल वा पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वारंविक रूप
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत उक्त अधिनियम
के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने
या उससे वधने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या प्रम-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

श्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए की
उपचारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2. (i) श्री रामचन्द्र पुत्र श्री नायनदास सिन्धी

(ii) श्रीमती भगवानी बाई पत्नी श्री रामचन्द्र सिन्धी,
निवासी, सतना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
कामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

पृष्ठटीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित
हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है ।

अनुसूची

एक मकान दो मंजिला नम्बर (पुराना) 1249/1 और नया
नम्बर 198/115, वाई० नम्बर 13 (पुराना) नया वाडे
नम्बर 66 जो सतना में स्थित हैं ।

वी० के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 4-3-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 मार्च 1976

निर्देश सं० आर० ए० सी० एक्वी/भोपाल—यतः, मुझे,
वी० के० सिन्हा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० मकान है, जो इन्दौर में स्थित है (और इससे
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 4-7-75 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूर्घि किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के
वायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अम्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अब्दुल गनी पुत्र श्री मोहमद हुसेन निवासी
23/5 गली नं० 2,
दौलतगंज, इन्दौर

(अन्तरक)

2. श्री एहमदग्रामी हाजी मुहला अकबरग्रामी
एंड हैदरग्रामी,
देवासवाले

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अम्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 23/5, गली नं० 2, दौलतगंज, इन्दौर।

वी० के० सिन्हा,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 15-3-76

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०——
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-व (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, तारीख 15 मार्च 1976

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वीभोपाल—अतः मुझे
 बी० के० सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
 (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा
 गया है) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी
 को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति;
 जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
 और जिसकी सं० खुली भूमि है, जो इन्दौर में स्थित है (और इससे
 उपावड़ अनुसूची में श्री पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
 प्राधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908
 (1908 का 16) के अधीन 18-7-75 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
 का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
 उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
 अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
 पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
 में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम
 के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
 करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं
 किया गया था, या किया जाना चाहिए था,
 छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः इन उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
 में, भूमि उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. प्रिन्सेस उषा द्रस्ट (2) देवी अहिल्याबाई
 होल्कर एजुकेशनल द्रस्ट मानिक वाग
 पेलेस, इन्दौर।
(अन्तरक)
2. इन्दौर कलात्मकारी
 मध्यम वर्गीय गृह निर्माण सहकारी
 संस्था, मयाहित, 68 एम० टी०
 कलात्मकारी,
 इन्दौर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
 लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
 से 45 दिन की अवधि या लक्ष्यमन्त्ती व्यक्तियों
 पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
 जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
 पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
 से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
 में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी
 के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
 उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
 परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
 अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली भूमि 50.83 एकड़ सिख निवास रोड वेस्ट विश्राम
 गृह, इन्दौर।

बी० के० सिन्हा
 सक्षम प्राधिकारी,
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 15-3-1976

मोहर:

प्रैरुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्थलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-5, बम्बई

बम्बई, तारीख 12 मार्च 1976

निदेश सं० अ० ई० 5/376 /75-76—अतः मुझे जे० 33

एम० मेहरा

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है)

की धारा 269-ष के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट नं० 2 सं० नं० 85 (पार्ट) हि० नं० 3 (पार्ट) है, जो बढ़ावली विलेज में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-7-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेज के अभूतार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के धारित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती लक्ष्मीबाई मिरचन्द मेघनानी (अन्तरक)
2. श्री स्वर्णलाल हरसाई ओभान और अन्य (अन्तरिती)
(अनुसूचि अ के अनुसार)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बावजूद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

अनुसूची

बहुत बम्बई में बढ़ावली में स्थित जगीन (कृष्णयोग्य), या मैदान का वह तमाम भाग अथवा खंड जो इसके साथ अनुबन्ध प्लान में प्लाट सं० 2 के रूप में लिखा गया है वह माप में 924 वर्गगज अथवा लगभग 752 वर्गमीटर या उसके बराबर है वह 116 वर्गमीटर या 97 वर्गमीटर का क्षेत्र सहित सर्वेक्षण सं० 85, हिस्सा नं० 3 (पार्ट) सर्वेक्षण सं० 85, हिस्सा नं० (6) (पार्ट) और सर्वेक्षण सं० 94, हिस्सा नं० 2 बम्बई नगर और बम्बई उपनगर के जिला और उपजिले में है उसका सर्वेक्षण सं० नहीं है तथा उसकी सीमायें इस प्रकार की हैं :—

उत्तर: प्रापर्टी है, जिसका सर्वेक्षण सं० 94, हिस्सा नं० 2 है और वह सर्वेक्षण सं० 85, हिस्सा नं० 6 का भाग है।

दक्षिण: प्रापर्टी है वह सर्वेक्षण सं० 94, हिस्सा नं० 1 का भाग है और सर्वेक्षण सं० 85, हिस्सा नं० 3 का भाग है।

पूर्व: प्रस्ताविक सड़क है उसके पीछे प्रापर्टी है वह सर्वेक्षण सं० 94 हिस्सा नं० 1 का भाग है।

पश्चिम: प्रापर्टी है, जिसका सर्वेक्षण सं० 85 है।

अनुबन्ध—अ: अन्तरिती की सूचि

1. श्री स्वर्णलाल हरसाई ओभान
2. श्री मनमोहनलाल हरसाई ओभान
3. श्री रमेशकुमार हरसाई ओभान श्रवयस्क अपने पिता और संरक्षक श्री हरसाई हरदास ओभान
4. श्री देवकुमार मीरचन्द ओभान
5. श्री अशोककुमार मीरचन्द ओभान
6. श्री विजय कुमार मीरचन्द ओभान
7. श्री नन्द कुमार दोदुराम ओभान
8. श्री नरेंद्रकुमार दोदुराम ओभान
9. श्रीमती मायादेवी विधवा दोदुराम ओभान

जे० एम० मेहरा

सक्रम प्राधिकारी

तारीख: 12-3-76 सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

मोहर: अर्जन रेज-5, बम्बई

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—
प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1, बम्बई
बम्बई, तारीख 12 मार्च 1976

निदेश सं० श्र० इ० 1/1219-8/जुल, 75—अतः मुझे
व्ही० आर० अमिन, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43)
जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त प्रधिनियम कहा गया है
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० सी० एस० नं० 21 लाडले डिव्हीजन है, जो
299 लाडले रोड, में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय,
बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन 8-7-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनान्वय
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

प्रतः अब उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भै, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात् :—

- 1. श्री केशव रावजी भिडे (अम्तरक)
- 2. श्री नरोत्तम पी० शाह और अन्य (अन्तरिती)
- 3. किराएवार (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

लाडले लैंड और बिल्डिंग जो कि 'शांताश्रम' 299
लाडले रोड के नाम से जाना जाता है और अब जावजी दादाजी
रोड बम्बई-7 के नाम से जाना जाता है वह पैमाइश में 648
वर्गगज अर्थात् 531.72 वर्गमीटर है, जिसके लाडले डिव्हीजन
म्युनिसिपल सर्वेक्षण संख्या 21 है और डी०-वाँ सं० 3688
(13) स्ट्रीट संख्या 24 और 299 है।

व्ही० आर० अमिन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई।

तारीख: 12-3-1976

मोहर:

प्रूप आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, तारीख 12 मार्च 1976

निर्देश सं० अ०इ० 1/1227-16/जुलाई 75—अतः मुझे व्ही० प्रार० अमिन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधिन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि अस्थाई सम्पत्ति, जिसका उचित मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सी० एस० नं० 809, मलबार और कंबाला हिल डिव्हीजन है, जो महालक्ष्मी टेप्स कंपाउन्ड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-7-75 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याद या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगान्वय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्तु :—

1. श्री मंगलदास रणछोड़दास भन्साली (अन्तरक)
2. श्री किरनदेवी हरिप्रसाद गर्ग (अन्तरिती)
3. श्री हरिप्रसाद एल० गर्ग
श्यामसुन्दर एच० गर्ग

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वह प्राप्ती जिसपर मलबार और कंबाला हिल डिव्हीजन की के डास्टल सर्वेक्षण सं० 809 है और 'डी' वार्ड सं० 3611, स्ट्रीट सं० 25 की नई सर्वे सं० 1/7099 (पार्ट) है तथा जो पैमाली में 110 वर्गगज अर्थात् 92 वर्गमीटर) या उसके बराबर है।

व्ही० प्रार० अमिन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, बम्बई

तारीख: 12-3-76

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख 12 मार्च 1976

निर्देश सं० अई० 1/1239-6/जुलाई-75—अतः मुझे व्ही० आर० अमिन सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 बम्बई,
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 11, सी० एस० नं० 1418 फोर्ट डिल्हीजन है, जो 43 न्यू मरिन लाइन्स, बम्बई में स्थित है (और इससे उपाखड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 18-7-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नसिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त 'अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगान्वय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में रुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपस्थान (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

1. 1. श्रीमती गुल केकोबाद शावकशा (अन्तरक)
2. श्रीमती पीरोजबाई फरोक मुल्ला (अन्तरिती)
3. श्री रेवाचन्द लाधाराम रामचन्द्रानी (अन्तरक)

(बहु व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. श्री बी० जे० लुल्ला

(बहु व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आधेप:

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रजिस्ट्रेशन जिला और उप-जिला बम्बई नगर और बम्बई उपनगर में मरीन लाइन रोड एस्प्लेनेड और अभी मरीन लाइन्स के नाम से जात है, के पूर्व में स्थित मरीन लाइन्स इस्टेट जो पहले बम्बई नगर सुधार न्यास का था और अभी बृहत्तर बम्बई के महानगर निगम के पट्टे में है के पट्टे का भूखंड जिसका प्लाट नं० 11 है, भाष में 1500 वर्गगज समकक्ष 1337.76 वर्गमीटर है और भू-राजस्व के संग्रहक की पुस्तक में कोटी खंड के नवीन सर्वेक्षण नं० 8453 (भाग) और कैडेस्ट्रल सर्वेक्षण नं० 1418 साथ में जिस पर रिहायशी मकान तक भवन बने हुए हैं, के अन्तर्गत पंजीकृत है और बम्बई महानगर पालिका द्वारा 'ए' वार्ड नं० ए-3517 और गली नं० 43, नई मरीन लाइन्स के अधीन निर्धारित है और इसकी सीमायें इस प्रकार घिरी हुई हैं अर्थात उत्तर में या उत्तर की ओर बृहत्तर बम्बई महानगरपालिका के मरीन लाइन्स इस्टेट के प्लाट नं० 12 से, पूर्व में या पूर्व की ओर बृहत्तर बम्बई नगर निगम के खाली पड़ी जमीन से दक्षिण में या दक्षिण की ओर उक्त मरीन लाइन्स इस्टेट के प्लाट नं० 10 से पश्चिम में या पश्चिम की ओर मरीन लाइन्स रोड और अभी मरीन लाइन्स नाम से जात, द्वारा।

(बी० आर० अमिन)
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, बम्बई

तारीख: 12-3-76

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख 12 मार्च 1976

निवेश सं० प्र० इ०-१/1249-16/जुले 75—अतः मुझे
बही० आर० अमीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43),
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का
कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सी०एस० न० 1880 माहिम डिल्हीजन है जो
प्लाट न० 171 शिवाजी पार्क, दादर में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 23-7-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री चरनदास मेधजी और अन्य (अन्तरक)
2. श्रीमती कालतावेदी के गुप्ता और अन्य (अन्तरिती)

3. किराएदार

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

बम्बई नगर और बम्बई उपनगर के रजिस्ट्रेशन जिसे और
उपजिले में कारपोरेशन की माहीम में शिवाजी पार्क रफीम वा
प्लाट संख्या 171 है जो कि शिवाजी पार्क स्कीम दादर में स्थित
है, उस लीजड-होल्ड जमीन का वह तमाम भाग अथवा खंड जो कि
पैमाण में 661 वर्गज अर्थात् 552.66 वर्ग मीटर या उसके
समकक्ष है, तथा भूराजस्व के समाहृता (कलकटा) की पुस्तकों
में नयी सर्वेक्षण संख्या 1549 (पाठ्ट) के अन्तर्गत पूंजीकृत है
और जिसकी तमाम विस्तृत और स्ट्रक्चर सहित माहीम डिल्हीजन
की केडास्ट्रल सर्वेक्षण संख्या 1880 है तथा, जिसका निर्धारण
बम्बई म्युनिसिपलिटी के असेसर और ब्लेक्टर में जो जी-वार्ड
संख्या 4696 (1) और स्ट्रीट संख्या 11 के अन्तर्गत किया है तथा
जिसकी सीमाएं पूर्व दिशा में ऊपर बतायी गयी इस्टेट की प्लाट
संख्या 169 है, पश्चिम में कारपोरेशन का वह जमीन है, जो कि
मरीन ड्राइव के निर्माण (कन्स्ट्रक्शन) के लिए सुरक्षित है,
उत्तर में 60 फुट चौड़ी सड़क है और दक्षिण में इस्टेट का प्लाट
संख्या 170 है।

बही० पी० अमीन
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई।

तारीख : 12-3-1976
मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—————

(2) यताश्वेत पारिसज को० आप० हाऊ० सो० लिमि०
(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 1, बम्बई

तारीख 18 मार्च, 1976

निर्देश सं० आई० 1/1236-3/जुलाई 75—अतः मुझे,
म्ही० आर० अमीन, आयकर अधिनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सी० एस० नं० 570/10 माटूंगा डिभीजन है, जो प्लाट नं० 762 दादर-माटूंगा डिभीजन में स्थित है (श्री इससे उपांबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-7-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से बड़े के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य से यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित लेख्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत 'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री तेहर्मिंग रहस्तोमजी मिस्ट्री (अन्तरक) ||

3. किराएदार

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आधेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्त्वांशी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

रपहारण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मूमि का वह तमाम भाग अथवा खंड तथा उस घर तथा गृह वलियां और गुहवाटिकाओं सहित जो कि माप में 928.80 वर्ग मीटर है तथा जो बोर्ड के माटूंगा एस्टेट दादर में स्थित है तथा जिसकी प्लांट सं० 762 है, उसकी माटूंगा डिभीजन की केलास्ट्रेस सर्वेक्षण संख्या 570/10 है तथा म्युनिसिपल दर और कर के अधीन 'एफ' वार्ड सं० 6501 (4), स्ट्रीट नं० 680 के अन्तर्गत दर्ज है।

म्ही० आर० अमीन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, बम्बई।

तारीख: 18-3-1976

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद
तारीख 5 मार्च, 1976

निर्देश सं० 288/ए० सी० क्य० 23-551/19-7/75-76—
अतः मुझे पी० एन० मित्तल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी न० नौँठ न० 1932 पैकी बाँड़ न० 2, है, तथा
जो संग्रामयुक्त, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन 17-7-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में करी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थी अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) प्रेमबद्दन गोपालदास कापडिया
- (2) सुरेन्द्र प्रेमबद्दन कापडिया
- (3) मुकुन्दकुमार प्रेमबद्दन कापडिया
- (4) भुपेन्द्र गोपालदास कापडिया
- (5) हरमुखभाई चन्द्रलाल,
- (6) शशीबेन बलबन्तराय

- (7) शादीबेन मानेकलाल,
- (8) पदमा बेन बाबुलाल
- (9) रंजनबेन कान्तीलाल
- (10) पुशपा बेन जयबद्दन, सूरत (अन्तरक)

- (2) मे० विश्वकर्मा लेन्ड कारपोरेशन
की ओर से उसकी सहित्तारी
- (1) नानुभाई खन्डुभाई देसाई
- (2) ताराबेन रतिलाल
- (3) चम्पक लाल चूनिलाल जरिवाला
- (4) यशवन्त चिमनलाल शाह
- (5) मुकुल नानुभाई देसाई
- (6) तुलसीभाई ठाकोरदास भानथावाला
- (7) अमृतलाल ठाकोरदास भानथावाला,
- (8) चम्पकलाल ठाकोरदास
मानवावाला, सूरत (अन्तरिती)

- (3) 1. मे० शिव शक्ति एन्टरप्राईज़,
मार्फत जितेन्द्र फूलचन्द गांधी;
महादेवनगर सौसायर्टी, सूरत
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्रमण—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अविक्षियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्षियों में से किसी अविक्षित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति जो नौँठ न० 1932 पैकी बाँड़ न० 2 में
कुल माप 1396.5 वर्ग गज है और जो रिंग रोड के पास
मजूरा गेट के सामने, सूरत में स्थान है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी, सूरत को जुलाई 1975 के रजिस्ट्रीकृत विलेख न०
339, 340, 1340 से 1343 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मिसल,
सक्षम प्रधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

तारीख : 5-3-1976

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

मोहरः

प्र० आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख 5 मार्च 1976

निवेश सं० 289/ए० सी० क्य० 23-592/19-8/75-76—

अतः मुझे पी० एन० मित्तल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० नोंठ नं० 1932 पैकी वार्ड नं० 2, है, तथा सगरामपुरा, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबूद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 18-7-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवृत्त उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मे० विश्वकर्मा लेन्ड कोरपोरेशन की ओर से उसके सहित्यारी :— (अन्तरक)

(1) नानुभाई खन्नुभाई देसाई,

(2) ताराबेन रत्नलाल

(3) चम्पकलाल चुनिलाल जीनकला

(4) यशवन्त अमृतलाल शाह

(5) मुकुल नानुभाई देसाई

(6) तुलसीभाई ठाकोरदास मानथावाला

(7) अमृतलाल ठाकोरदास मानथावाला

(8) चम्पकलाल ठाकोरदास मानथावाला, सूरत

(2) मे० शिव शक्ति एन्टरप्राइजीस की

ओर से उसके सहित्यारी :—

1. जितेन्द्र फूल चन्द गांधी, महादेव नगर सोसायटी, रिंग रोड, सूरत (अन्तरिती)

2. महेन्द्रकुमार तुलसीभाई मानथावाला, भडेरी वार्ड, नानपुरा, सूरत

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए धार्यावाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबूद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, ग्राहोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्याप्त का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका नौंछ नं० 1932 पैकी कुल माप 864 वर्ग गज है जो वार्ड नं० 2, संग्रामपुरा रिंग रोड के पास मजूरा गेट के सामने सूरत में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के जूलाई 1975 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1899 से 1902 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल,
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 5-3-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद
तारीख 5 मार्च, 1976

निर्देश सं० 290/ए० सं० क्य०-23-637/19-7/75-76--
यतः मुझे पी० एन० मित्तल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० नोंठनं० 1932 पैकी खुली जमीन है तथा जो वार्ड
नं० 2, संग्रामपुरा सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 17-7-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिक्षी (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

ग्रन्त: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

- (1) में० विश्वकर्मा लेन्ड कारपोरेशन की
ओर से उसके सहितारी :— (अन्तरक)

- (1) नानुभाई खंडुभाई देसाई
- (2) ताराबेन रतिलाल
- (3) चम्पकलाल चुनिलाल जरीबाला
- (4) यशवन्त चिमतलाल शाह
- (5) भुकुल नानुभाई देसाई
- (6) तुलसीभाई ठाकोरदास मानथावाला
- (7) अमृतलाल ठाकोरदास मानथावाला
- (8) चम्पकलाल ठाकोरदास मानथावाला
- (2) श्री माधवजी खजी घोटालिया (अन्तरिक्षी)
अडागारा मोहला, नानपुरा,
सूरत

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में
यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका नोंठ नं० 1932 पैकी कुल माप
258 वर्ग गज जो वार्ड नं० 2, रिंग रोड, मजूरा गेट के सामने
सूरत में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के
जुलाई 1975 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 341 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 5-3-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II अहमदाबाद

तारीख 5 मार्च 1976

निर्देश सं० 291/ए० सी० क्य० 23-638/19-7/75-76—

यतः मुझे पी० एन० मित्तल,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पास्तात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० नोंठ नं० 1932 पैकी खुली जमीन है, तथा जो वार्ड नं० 2 संग्रामपुरा, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-7-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षीय (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) देसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिक्षीय द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, शर्तातः—

1 में विश्वकर्मी लेड कारपोरेशन की ओर से उसके सहितारी :—

- (1) नानभाई खंडभाई देसाई
- (2) ताराबेन रत्नलाल
- (3) चम्पकलाल चुनिलाल जरीवाला
- (4) यशवन्त चिमन लाल शाह
- (5) मुकुल नानुभाई देसाई
- (6) तुलसीभाई ठाकोरदास मानथावाला
- (7) अमृतलाल ठाकोरदास मानथावाला
- (8) चम्पकलाल ठाकोरदास मानथावाला

सूरत।

(2) श्री कान्तीलाल राजा राम राठोड (अन्तरिक्षीय) विश्वकर्मी भवन, अंबाजीरोड, सूरत

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तर्सांबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और जो पदों का उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका नोंठ नं० 1932 पैकी वार्ड नं० 2 में 238.5 वर्ग गज जमीन जो रिंग रोड के पास, मजरा गेट के सामने सूरत में स्थित है तथा रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के जुलाई 1975 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 342 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल
सशम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 5-3-1976

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

तारीख 6 मार्च 1976

निर्देश सं० 292/ए० सी० क्य०-23-556/19-2/-
75-76—यतः मुझे, पी० एन० मित्तल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० सर्वे नं० 254 ज्लाक नं० 263 पैकी है, तथा
जो कारेली गांव, ता० पालसाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय कामरेज में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन 8-7-1976
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कहित
नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत 'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, घर्ता:—

(1) श्री मूलभन्द ललुभाई पटेल	(अन्तरक)
ग्रामोक्तभाई गोकुलभाई पटेल	
रमेशभाई गोकुलभाई पटेल,	
सोनगपुर, ता० पालसाना	
(2) श्री हरी ओम पेपर मिल्स प्रा० लि०	(अन्तरिती)
गंगाधरा की ओर से उसके मेनेजिंग	
डायरेक्टर;	
नगीनभाई मूलजीभाई पटेल,	
राना गांव	
रमणीभाई हरीभाई पटेल,	
राना गांव	

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिपूर्ण करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोषिताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका सर्वे नं० 254, ज्लाक नं० 263 पैकी
6 एकर और 35 गुंथा जमीन जो कारेली गांव, ता० पालसाना,
जिला: सूरत में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कामरेज
के जुलाई, 1975 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2357 में प्रदर्शित
है।

पी० एन० मित्तल,
सक्षम प्राधिकारी;
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

तारीख: 6-3-1976

मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्राम्यकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, तारीख 6 मार्च 1976

निदेश सं० 293/ए० सी० अय० 23-566/19-2/75-76
—यतः मुझे पी० एन० मित्तल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 228 पैकी 3 एकड़ 31 गुणा जमीन है, तथा जो कारेली गांव, ता० पालसाना मे स्थित है (और इससे उपावस्था अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 7-7-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति वा उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे असरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्ष द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रन्त: इब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ए की उपशासन (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

9—26 GI/76

(1) श्री जेरामभाई कुबेरभाई पटेल	(अन्तरक)
नाथाभाई कुबेरभाई पटेल,	
गांव सोयाजी, ता० पालसाना, जिला	
सूरत	
(2) मे० घबलगीरी वेपर मिल्स प्रा० लि०	(अन्तरिती)
गुंदाघरा, अपने डायरेक्टर तथा	
प्रेसीडेंट श्री ललभाई भीखाभाई	
पटेल, बांडली	

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवस्थ किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुक्ती

खुली जमीन जिसका सर्वे नं० 228 पैकी कुल माप 3 एकड़—31 गुणा है तथा जो कारेली गांव, ता० पालसाना मे स्थित है तथा जो रजिस्ट्रीकरण अधिकारी कामरोज के जुलाई 1975 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2352 मे प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्राम्यकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

तारीख : 6-3-1976

मोहर :

प्र० र० आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6 मार्च 1976

निवेश सं० 294/ए० सी० क्य० 23-639/19-8/75-76—
यतः, मुझे, पी० एन० मित्तल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० नोंद नं० 285 प्लाट नं० 3, एफ० फ्लोर नं० 233 पैकी है तथा जो अठवा वार्ड नं० 13, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 18-7-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृण्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भुजे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी बाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

प्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री माधो प्रसाद हरीषंकर तुलसीयन (अन्तरक)
कर्वा रोड, नानपुरा, सूरत
(2) श्री सुरेश चन्द्र, अमीचन्द शाह
रामपुरा, टुकीशोरी, सूरत
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आप्तेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में इक्षुबछ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृतसूची

खुली जमीन जिसका नोंद नं० 285 वार्ड नं० 13, प्लाट नं० 3, एफ० पी० नं० 233 और कुल माप 560 वर्ग गज है तथा जो अठवा, सूरत में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, सूरत के जुलाई 1975 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 6-3-1976

मोहर :

प्रलैप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6 मार्च 1976

निवेश सं० 295/ए० सी० क्य० 23-640/19-8/75-76—
यतः मुझे पी० एन० मित्तल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु
से अधिक है

और जिसकी सं० नोंबर नं० 285 प्लोट नं० 4, बाँड नं० 13,
पैकी जमीन है, तथा जो अठवा, सूरत में स्थित है (और इससे
उपावस्था अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 18-7-1975 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्याप्ति:—

(1) श्री रामचन्द्र जयनारायण तुलसीयन करवा रोड, नानपुरा, सूरत	(प्रन्तरक)
(2) श्री सुरेशचन्द्र अमीचन्द्र शाह रामपुरा, टुंकीशेरी, सूरत	(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्वेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका नोंबर नं० 285, प्लोट नं० 4 और
कुल माप 554 वर्ग गज है और जो बाँड नं० 13, फाईनल
प्लोट नं० 234, अठवा, सूरत में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी सूरत के जुलाई 1975 के रजिस्ट्रीकर्ता विलेख नं०
3217 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख: 6-3-1976

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

दिनांक 8 मार्च, 1976

निर्देश सं० 296/ए० सी० क्य० 23-641/1951/75-76—
अतः मुझे पी० एन० मित्तल.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० बांड नं० 1, नोंठ नं० 3272/ए०/1 पैकी 110 वर्ग गज है, तथा जो कार्जी मैदान, गोपीपुरा, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 10-7-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/ या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपग्राहा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्रीमती नजमुनिसा, गुलाम हैदर गुलाम हुसैन की पुत्री।
- (2) महेसुनिसा, गुलाम हैदर गुलाम हुसैन की पुत्री।
- (3) खेम निसा, गुलाम हैदर गुलाम हुसैन की पुत्री। गोपीपुरा, कार्जी मैदान, सूरत।

(अन्तरक)

2. मैं० विश्वकर्मा बिल्डर्स एण्ड आगना हजर्स की ओर से उसके सहियारी :

 - (1) गिरधरलाल नगीनदास मर्चेन्ट्स।
 - (2) दिनेश चन्द्र, ठोटालाल, चाहवाला।
 - (3) बाबू भाई नगीनदास घेटना,
710, हथाडिया चकला, अंबारी रोड, सूरत।

(अन्तरिती)

3. पांच रत्न लैन्ड डेवलपर्स,
710, हथाडिया चकला, अंबारी रोड, सूरत की ओर से उसके सहियारी : बाबूभाई मूलचन्द दास मोदी, शार्टीलाल, गिरधरलाल।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन व पुराने बांध काम सहित अचल सम्पत्ति जिसका नोंठ नं० 3272/ए०/1, पैकी कुल माप 110 वर्ग गज है और जो बांड नं० 1, कार्जी मैदान, गोपीपुरा, सूरत में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के जुलाई, 1975 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3126 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

तारीख: 8-3-76

मोहर :

प्रस्तुप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास- 600008

दिनांक 9 मार्च, 1976

निर्देश सं० 2595/75-76—यतः मुझे, जी० बी० झावक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की धारा 269-थ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० एस० सं० 16/1 और एस० सं० 16/2 (708 एकर), कोड्र गांव में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अनामलै (आकुमैन्ट 841/75) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-7-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों), और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, ‘उक्त अधिनियम’ के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या ‘उक्त अधिनियम’, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. ती० नान सच टी०, एस्टेट लिमिटेड

(अन्तरक)

2. महावीर अन्ड कंपनी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अकोप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो ‘उक्त अधिनियम’ के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

कोड्र गांव में “ती है फारेस्ट एस्टेट” 708 एकड़ जिसका एस० सं० 16/1, और एस० सं० 16/2 है, (ब्लाक सं० 44 का भाग और ब्लाक सं० 34 का भाग)।

जी० बी० झावक
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन-II रेज, मद्रास

तारीख: 9-3-76

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कायलिय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-II,
मद्रास, दिनांक 9 मार्च 1976

निवेश सं० एफ० 2610/75-76—यतः मुझे, जी० बी० बाबक

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० दुगलिला स्ट्रीट, कोयम्बतूर टी० एस० सं० 2/1151 (भूमि और मकान) में स्थित है (और इससे उपायद्वय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायलिय, जे० एस० आर० कोयम्बतूर, (डाकुमेंट 2847/75) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 19 जुलाई, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित न हो किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ष की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री एन० इरुदयनातन और सिसिलियानातन (अन्तरक)
2. श्री के० कुण्ठकुट्टि साहिब (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', वे अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोयम्बतूर, दुगलिला स्ट्रीट, में भूमि और मकान जिसका टी० एस० सं० 2/1151 (डोरसं० 22, वार्ड सं० 19).।

जी० बी० बाबक
सक्षम प्राधिकारी
सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख: 9-3-1976

मोहर:

प्र० श्री एन० ई० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II

मद्रास, दिनांक 9 मार्च 1976

निदेश सं० एफ० 2610/75-76—यतः मुझे, जी० बी०
ज्ञावक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० बुगलिला स्ट्रीट, कोयम्बतूर, है तथा जो वार्ड सं० 19, झोर सं० 25 में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वरिणि है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, जै० एस० कोयम्बतूर, (डाकुमेन्ट सं० 2933/75) में, रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-7-1975

को पूर्वोंत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धि में वास्तविक रूप से कषित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बित्त, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के क्षयित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) पा उक्त अधिनियम, पा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री एन० ई० इरुदयनानान और सिसिलियानानान
(अन्तरक)
2. श्री के० कुण्ठकुण्ठि साहिब
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोंत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्से वह किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षित व्यक्ति के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोयम्बतूर, बुगलिला स्ट्रीट, में झोर सं० 25 में भूमि और¹ सकाम जिसका ई० एस० सं० 2/1151 (वार्ड सं० 19)।

जी० बी० ज्ञावक
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख: 9-3-1976
मोहर:

प्रखण्ड प्राई० टी० एस० एस० —

1. श्रीमती एम० आर० अनन्तपूरनि

(अन्तरक)

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

2. श्री के० के० मण्डुषम।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-II, मद्रास-600008

दिनांक 9 मार्च, 1976

निर्देश सं० 2619/75-76—यतः मुझे, जी० वी० लालक
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया
है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी ओर सं० 90 और 91, तिरुनगर है, जो कालनि, ईरोड़
(1/4 भाग) में स्थित है और (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
जै० एस० आर० I, ईरोड़ (आकुमेन्ट सं० 3031/75) में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 14-7-75
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथोपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम',
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में,
सुविधा के लिए;

अनुसूची

ईरोड़, तिरुनगर कालनि, ओर सं० 90 और 91 (टी० एस०
सं० 21/1) में भूमि और मकान (1/4 भाग)।

जी० वी० लालक
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

यतः अब, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण में,
में, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ष की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थात् :—

तारीख: 9-3-1976
मोहर :

प्राण्य आई० टी० एन० एस०—————

1. श्री जी० एस० कृष्णकुमार (मैनर)

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

(2) श्री के० के० शण्मुखम् ।

(ग्रन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास-600008

दिनांक 9 मार्च, 1976

निदेश सं० 2619/75-76—यतः मुझे, जी० वी० शाबक, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी डोर सं० 90 और 91, तिरुनगर कालोनी ईरोड (1/4 भाग) में स्थित है (और इससे उपावन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जे० एस० आर०-I ईरोड (डाकुमेट 3032/75) में, रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14-7-75 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कर्त्तव्य नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कामी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य अस्तित्वों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
10—26GI/76

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितयदा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अघोषस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

ईरोड, तिरुनगर कालोनी, डोर सं० 90 और 91 (टी० एस० सं० 21/1) में, भूमि और मकान (1/4 भाग) ।

टी० वी० शाबक
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख 9-3-1976

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास-600008

दिनांक 9 मार्च, 1976

निर्देश सं० 2619/75-76—यतः मुझे, जी० वी० शावक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 20 डोर सं० 90 और 91, तिरुनगर कालोनी, ईरोड (1/4 भाग) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जे० एस० आर० I ईरोड (डाकुमेन्ट सं० 3033/75) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 14-7-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(व) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत ‘उक्त अधिनियम’ के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या ‘उक्त अधिनियम’ या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रन्तः ग्रन्त उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. जी० एस० नरेश कुमार (मैनर)

(अन्तरक)

2. श्री के० के० शश्मुखम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयित्वां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित भौमि किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो ‘उक्त अधिनियम’, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ईरोड, तिरुनगर कालोनी, डोर सं० 90 और 91 (टी० एस० सं० 21/1) में, भूमि और मकान (1/4 भाग)।

जी० वी० शावक
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 9-3-1976

मोहर :

प्राप्त आई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती राजमाल

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(2) श्री के० के० शामुद्धम

(अन्तरिती)

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, मद्रास-600008

दिनांक 9 मार्च 1976

निदेश सं० 2619/75-76—यतः मुझे, जी० वी० शाबक
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी डोर सं० 90 और 91, तिरुनगर कालोनी,
ईरोड़, (1/4 भाग) में स्थित है (और इस से उपावद्ध अनुसूची
में शौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
जे० एस० आर० I, ईरोड़, (डाकुमेण्ट सं० 3034/75) में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 14 जुलाई 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कृपित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

अनुसूची

ईरोड़, तिरुनगर कालोनी, डोर सं० 90 और 91 (टी० एस०
सं० 21/17 में भूमि और मकान (1/4 भाग)

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

जी० वी० शाबक
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, मद्रास

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के अनुसरण में,
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक: 9 मार्च 1976

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एस० एस०—

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक शायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास-600008

दिनांक 12 मार्च 1976

निदेश सं० 2591/75-76—यतः मुझे, जी० वी० झाबक, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० साईट सं० 2 ए, अलगेशन रोड, कोयम्बतूर में स्थित है (और इससे उपाबूद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० ओ०, गांधीपुरम (डाकुमेण्ट सं० 1926/75), में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 16-7-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय शायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या छन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती जी० सुशीला,

(अन्तरक)

2. श्रीमती आर० सान्ता,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आकोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मान्त्वी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोयम्बतूर, अलगेशन, रोड, साईट सं० 2 ए में 10 सेन्ट की भूमि (मकान के साथ) जिसका टी० एस० सं० 12/139 है।

जी० वी० झाबक
सक्षम प्राधिकारी
सहायक शायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख: 12-3-1976

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास- 600006

दिनांक 12 मार्च, 1976

निदेश सं० 2592/75-76—यतः मुझे, जी० वी० झाबक
आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम'
कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० टी० एस० सं० 9/7/2, संथिट सं० 12, आस कट
रोड, कोयम्बतूर में स्थित है (और इससे उपायद्वय अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जे० एस०
आर०-III, कोयम्बतूर, (डाकुमेण्ट 2870/75) में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई, 75
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तथ याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधि-
नियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',
या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

प्रतः श्रव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण, में, में, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री आर० लक्ष्मण

(अन्तरक)

2. श्री आर० रगुनातन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बहु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधि-
नियम', के अध्याय 20 के परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कोयम्बतूर, अनुप्पर पालयम गांव, आस कट रोड, में साईट
सं० 12 में 7 सेण्ट और 13 स्क्युयर फीट की भूमि (मकान के
साथ) (टी० एस० सं० 9/7/2) ।

जी० वी० झाबक
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख: 12-3-1976

मोहर

प्रारूप आई० टी० एस० एस० —————

1. श्री एस० एन० राजकोटि

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

2. श्रीमती लक्ष्मि अम्माल

269-व (1) के अधीन सूचना

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास-600006

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

दिनांक 12 मार्च, 1976

निदेश सं० 2594/75-76—यतः मुझे जी० वी० शावक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी नया डोर सं० 99, सरोजिनी स्ट्रीट, रामनगर, कोयम्बतूर, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जे० एस० आर०-III, कोयम्बतूर, (डाकुमेण्ट 2677/75) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 7-7-1975 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित रूप से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती-द्वारा प्रकट मर्ही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कोयम्बतूर, रामनगर, सरोजिनी स्ट्रीट, डोर सं० 99 (टी० एस० सं० 9/202) में, 25 सेप्ट की भूमि (एक मंजिला माल गोदाम के साथ)।

जी० वी० शावक
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, घर्ता :—

तारीख: 12-3-1976

मोहर :

प्रारूप आई०टी०एन०एस०

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास- 600006

दिनांक 18 मार्च, 1976

निदेश सं० 1865/75-76—यतः मुझे, जी० वी० बी० झाबक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व्य के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० एस० सं० 2/2 बी०, 7, 3/2 बी० 7; और 3/2 बी०-5, उत्पाणी गांव, (8 एकड़ और 97 सेण्ट) म स्थित है (और इससे उपादान अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जे० एस० आर०, मद्रास, (शाकुमेण्ट सं० 4949/75), में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 3-7-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सी० एल० वेनुगोपाल,

श्री कमलमल

(अन्तरक)

2. श्री मर्ती टी० एस० एम० सुन्निरा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एप्लीकेशन :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनूसूची

सेंदापेट, तालूका, उत्पाणी गांव सर्वे सं० 2/2 बी०, 7, 3/2 बी० 7, और 3/2 बी०-5 में 8 एकड़ और 97 सेण्ट की भूमि।

जी० वी० बी० झाबक
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख: 18-3-1976

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास- 600006

दिनांक 18 मार्च, 1976

निकेश सं० 1865/75-76—यतः मुझे, जी० वी० शाबक
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० सर्वे सं० 2/2 वी० 7, 3/2 वी० 7 और 3/2 वी० 5 उत्तरणी, गांव, (9 एकड़) में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जे० एस० आर० मद्रास, डाकुमेण्ट सं० 5019/75) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-7-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे असरण के लिये तथ याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त असरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) असरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या;
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिहें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रन्तः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्याप्तः—

1. श्री सी० एल० वेनुगोपाल और
कमलमाल

(अन्तरक)

2. श्रीमती टी० एस० एम० सुडुल्लिसा
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमध्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एष्ट्रीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सेवापेट तालुका, उत्तण डी गांव, सर्वे सं० 2/2 वी० 7, 3/2 वी० 7 और 3/2 वी० 5, में 9 एकड़ की भूमि।

जी० वी० शाबक
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख: 18-3-1976

मोहरः

प्रलूप आई० टी० एस० —————
 प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज-1, मद्रास
 दिनांक 12 मार्च, 1976

निरेश सं० IX/2/53-(जुलाई)/75-76—यतः मुझे, जी०
 रामनाथन,
 प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है),
 की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिक क
 यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
 उचित बाजार मूल्य 25,000/- ह० से
 और जिसकी सं० 395 ए, आर० एस० सं० 3660/7 है, जो
 तिश्वोटीयूर है रोड मद्रास-21 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
 अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
 कार्यालय, मद्रास (पत्र सं० 5193/75) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
 अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 14-7-1975
 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
 दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
 और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
 सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
 प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
 है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
 (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
 प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
 में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत ‘उक्त अधिनियम’ के अधीन कर देने के अन्तरक के
 दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या ‘उक्त अधिनियम’ या छन-कर
 अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
 अन्तरिती धारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
 जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब ‘उक्त अधिनियम’ की धारा 269-ग के अनुसरण
 में, मैं, ‘उक्त अधिनियम’ की धारा 269-घ की उपधारा (1)
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

11—26GI/76

1. श्री टी० एस० टी० राजा,
 11, राजगोपाल नायुडु स्ट्रीट, मद्रास-21
 (अन्तरक)
2. श्री ए० आरमुगसामि ,
 मद्रास-21
 (अन्तरिती)
3. श्री एम० वैरमनि और ब्रदर्स वी० शी० वेलुसामि और ब्रदर्स
 एम० एस० जेसुदास और को के० एम० कुट्टी और
 एम० मोहम्मद।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
 लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तस्वीं व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि; जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
 बद्ध किसी अभ्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रब्लीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो ‘उक्त अधिनियम’, के अध्याय 20-क में परिचालित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास-21, तिश्वोटीयूर है रोड डोर सं० 395-ए, (आर०
 एस० सं० 3660/7) में 2 ग्राउन्ड और 175 स्कावर फीट की
 भूमि (मकान के साथ)।

जी० रामानाथन
 स्थाम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज-, मद्रास

तारीख: 12-3-1976

मोहर:

प्रृष्ठ प्राइंटी० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-I, मद्रास

दिनांक 12 मार्च, 1976

निदेण सं० IX /2/59/जुलाई/75-76—पत्र: मुझे, जी०
रामनाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसके उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है और जिसकी सं० 55 है, जो हारिटन रोड, मद्रास-37 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय (पत्र सं० 5269/75) मद्रास में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 11-7-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त

सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत के अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रत: ग्रब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अर्थात्:—

1. श्री एम० जयराम, मद्रास-34।

(अन्तरक)

2. श्रीमती विजय लक्ष्मी,
मद्रास-1

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी अवधियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवधियों में से किसी अवधि द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबंदु किसी अन्य अवधि द्वारा, अधौहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभासित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास-31 हारिटन रोड डोर सं० 55 मैं 3 ग्राउन्ड और 182 स्क्वायर फीट की खाली भूमि।

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-I, मद्रास

तारीख: 12-3-1976

मोहर:

प्र० प्र० श्रीमती लक्ष्मी श्रावी अम्माल और श्रावी
टी० एन० एस०

प्राप्तकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनांक 15 मार्च 1976

निवेश सं. XVI/1/35/(जुलाई)/75-76—यतः मुझे, जी० रामनाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं. टी० एस० सं. 4/2, है, जो दादगापट्टी, आन्डीपट्टी सेलम में स्थित है (और इससे उपादान अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सेलम (पत्र सं. 2502/75) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषयास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी धार्य की बावत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धार्य या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा उक्त नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपस्थापना (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती लक्ष्मी श्रावी अम्माल और श्रावी
(अन्तरक)

2. श्री एम० कालीमुत्तु पिल्लै और श्राव० मुत्तु गजर्न्ड
सेलम-6
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अज्ञन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सेलम, जिला दादगापट्टी, आन्डीपट्टी, एच० बार्ड, ब्लाक 17, टी० एस० सं. 4/2 में 3.01 एकड़ की खाली भूमि।

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख: 15-3-1976

मोहर :

प्र० रुप आई० टी० एन० एस० ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मद्रास

दिनांक 15 मार्च 1976

निवेश सं० IX/2/49/(जुलाई)/75-76—यतः मुझे, जी० रामनाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० 159 है, जो वेस्ट मासी स्ट्रीट, मदुरै में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से घण्टित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मदुरै (पत्र सं० 5106/75) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूष्यमान प्रतिफल के पक्के प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या छन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यवित्यों, अर्थात्:-

1. श्री एम० कहनानदी,
मद्रास-86 ।
2. श्री एम० के० जयन्त राव,
159, वेस्ट मासी, स्ट्रीट, मदुरै ।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के तंत्रंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अषोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मदुरै, वेस्ट मदुरै, स्ट्रीट, डोर सं० 159, (टी० एस० सं० 609/ब्लाक 5) में 23795 स्क्वायर फीट की भूमि (मकान के साथ) ।

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-I, मद्रास

तारीख: 15-3-1976

मोहर :

प्रख्युप ग्राही० टी० एन० एस०———

1. श्री अगिलान्धम पिल्लै और श्रव्यासामि पिल्लै
(अन्तरक)

भारत सरकार
प्रधानमंत्री की घोषणा
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रीमती कुमारलताम्भाल,

श्रीमती कुमारलताम्भाल,

11/8, ईस्ट, स्ट्रोट, इलन्जी।

(अन्तरिती)

दिनांक 18 मार्च 1976

निदेश सं० XXII/1/68/(जुलाई)/75-76—यतः मुझे,
जी० रामनाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की घोषणा 269वें के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/-ए० से अधिक है

और जिसकी सं० 72/1 है, जो बहुलम गांव, तेनकासी में स्थित है
(और इससे उपाधिक अनुसूची में और पूर्ण रूप से अंगित है)
रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय तेनकासी (पत्र सं० 680/75)
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 30-7-1975 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से फ़र्दित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत, 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और /या

अनुसूची

तेनकासी, बहुलम गांव एस० सं० 72/1 में 10.6 एकड़
घेतों की भूमि।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
असरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

यतः अब 'उक्त अधिनियम', की घोषणा 269वें के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की घोषणा 269वें की उपशारा (1) के
अधीन निम्नलिखित अविक्तियों अर्थात्:—

तारीख: 18-3-76

मोहर:

प्रलूप आई०टी०एन०एस०----

1. श्री मोहम्मद मुमतास अली

(अन्तरक)

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनांक 18 मार्च 1976

निवेश सं. IX/1/117/(जुलाई)/75-76—यतः मुझे, जी०
रामनाथन

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और
जिसकी सं. 200 है, जो अर्गंप्प नायकन स्ट्रीट, मद्रास में
स्थित है (और इससे उपावद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मद्रास (पत्र सं. 5464/75)
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन 18-7-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-
फल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और प्रत्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थी अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2. श्री मोहम्मद गनी

(अन्तरिती)

3. श्री मुमतास अली

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
वी तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मद्रास-1, अर्गंप्प नायकन स्ट्रीट, डोर सं. 200 में 2160
स्क्वायर फीट की भूमि (मकान के साथ)।

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख: 18-3-1976

मोहर :

प्रलेप आई० ई० एन० एस०——

1. श्रीमती ए० सोरनम्,

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-, मद्रास

दिनांक 18 मार्च 1976

निदेश सं० XVII/4/21 (जुलाई)/75-76—यतः मुझे जी०
रामनाथन

आयकर अधिनियम
1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० एस० सं० 248/2 और 248/3 है, जो एसमपट्टी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय महूडन्चावडी (पत्र सं० 984/75) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 1-7-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बूश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आंस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2. श्री वेलप्प गङ्गन्दर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आदि में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सेलम जिला एसमपट्टी गांव, एस० सं० 248/2 और 248/3 में 4 एकड़ और 35½ सेन्ट खेती की भूमि।

जी० रामनाथन
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख: 18-3-1976

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एम० एस०————

1. श्रीमती ए० सोरनम

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

दिनांक 18 मार्च 1976

निदेश सं० XVII/4/20(जुलाई)/75-76—यतः मुझे जी० रामनाथन

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है और जिसकी सं० एस० सं० 248/2 और 248/3 है, जो एक्सप्लॉट में स्थित है और (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय महडनचाषड़ी (पत्र सं० 983/75) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 1-7-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य सास्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या छापकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था तिपाने में सुविधा के लिए।

यतः यदि 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभासित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सेलम जिला एक्सप्लॉट, गांव, एस० सं० 248/2 और 248/3 में 4 एकड़ और 35½ सेन्ट खेती की भूमि।

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज I, मद्रास

तारीख : 18-3-76

मोहर :

प्रकल्प आई० टी० एस० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

दिनांक 18 मार्च, 1976

निदेश सं० XVII/4/22 (जुलाई)/75-76—यतः मुझे, जी० रामनाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० एस० सं० 248/2 और 248/3 है, जो एसैपट्री में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय महुडन्वावडी (पत्र सं० 985/75), में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के दिनांक अधीन 1-7-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से विभिन्न नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिखित में सुविधा के लिए।

अतः ग्रन्थ 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथमतः :—

12—26GI/76

1. श्रीमती ए० सोरनप्प

(अन्तरक)

2. श्री पलनियप्प गड्ढर,
एसैपट्री ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मैन्दी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभ्राषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सेलम जिला एसैपट्री, गांधीगढ़ सं० 248/2 और 248/3 में 4 एकड़ 35 हेन्ट खत्ती की मूलि ।

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज- , मद्रास

तारीख: 18-3-1976

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-V, कलकत्ता-16

कलकत्ता, दिनांक 11 मार्च, 1976

निदेश सं० ए० सी०-५०/अर्जन रेज—V/कौल/75-76—यतः
मुझे एस० एस० इनामदार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 164 है तथा जो प्रिन्स अन्वरशाह रोड, पी० एस०
टौलीगंज, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बैहला (एस०
आर० अलीपुर) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन 31-7-76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तथ याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधि-
नियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं 'उक्त अधिनियम', की धारा 269 घ की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. सर्व श्री बेनुगोपाल बानाड एवं बलभद्र दास बानाड
(अन्तरक)
2. मै० बानाड लैण्ड डेवलपमेन्ट कार्पोरेशन, लि०
कलकत्ता।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

4 कट्टा 82 स्क्वायर फीट जमीन 164 प्रिन्स अन्वर शाह रोड,
पी० एस० टौलीगंज, कलकत्ता में स्थित एंव डी० सं० 3709
दिनांक 31-7-75 द्वारा रजिस्ट्रीकृत।

एस० एस० इनामदार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-V, कलकत्ता-16

तारीख: 11-3-1976

मोहर:

प्रूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, एरणाकुलम, कोचीन-11

एरणाकुलम, दिनांक 9 मार्च 1976

निवेश सं० एल० सी० 56/75-76—अतः मुझे, एस० एन० सी० नायर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसके उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो कोट्यम जिला में राजकाट विलेख में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय देविकूलम, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 25-7-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. शेलवराज, तेनकासी,
तिरुनलबेलि, पिल्ला।

(अन्तरक)

2. मैसर्सं सहाद्रि प्लांटेशनर्स प्राइवेट लिमिटेड,
एरनाकुलम।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राधेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रमाण नं० 641/75 की अनुसूची के अनुसार।

एस० एन० सी० नायर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, एरणाकुलम

तारीख : 9-3-76

मोहर :

प्रूप माई०टी०एन०एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, ज्योति बिल्डिंग्स

गोपाल प्रभु रोड, एरणाकुलम, कोचिन-11
कोचिन-11, दिनांक: 9 मार्च 1976

निर्देश सं० एल० सी० 57/75-76—यतः मुझे, एस०
एन० सी० नायर,
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो कोट्टयम
जिल्ला में राजकाट विलेज में, रिश्त है (और इससे
उपावन्न अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय देविकुलम में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 25-7-1975 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधि-
नियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती मनो रंगस्वामी और 4 अन्य (शेलवराज
के द्वारा) (अन्तरक)
2. मैसर्स सहाद्रि प्लाटेशन्स और एन्टर प्राइसेज प्राइवेट
लिमिटेड बनर्जी रोड, एरणाकुलम, कोच्चन-68 2018
(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षारी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रमाण नं० 642/75 को अनुसूची के अनुसार।

एन० एन० सी० नायर,
संत्रन प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 9-3-1976

मोहर :

प्रृष्ठ पाई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, ज्योती बिलिंडगम्

गोपाल प्रभु रोड, एरणाकुलम, कोचिचन-11

कोचिचन-11, दिनांक 9 मार्च 1976

निर्देश सं० एल० सी० 58/75-76—यतः मुझे, एस०
एन० सी० नायर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43),
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो कोट्यम्
जिला में राजकाट विलैज में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण
अधिकारी के कार्यालय देविकुलम में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-7-75
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकूत विशेष के अनुसार
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में धार्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधि-
नियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में
सुविधा के लिए;

प्रतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती कमला तंगस्वामी तिरुनलबेलि जिल्ला
(अन्तरक)
2. मेसर्स सहाद्रि प्लानटेशन्स प्राइवेट लिमिटेड एरना-
कुलम (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
पथापरिभाषित हैं, वहों प्रथे होंगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रमाण नं० 643/75 की अनुसूची के अनुसार।

एस० एन० सी० नायर,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, एरणाकुलम

तारीख : 9-3-1976

मोहर :

प्रृष्ठा मार्फ़० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, ज्योती बिंदुलग्न

गोपाल प्रभु रोड एरणाकुलम, कोचिन-11

कोचिन-11, विनांक 9 मार्च 1976

निर्देश सं० एल० सी० 59/75-76—यतः मुझे, एस० एन० सी० नायर,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो कोट्यम जिला में राजकाट विलैज में स्थित है (और इसे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 25-7-1975 को पूर्खोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझ यह विष्वास करने का कारण है कि यथा पूर्खोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती कमला तंगस्वामी तिरुनलवेली जिला (अन्तरक)

2. मेसर्स सहायी प्लानटेशन्स प्राइवेट लिमिटेड एरना-कुलम

को यह सूचना जारी करके पूर्खोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्खोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची
प्रमाण नं० 644/75 की अनुसूची के अनुसार।

एस० एन० सी० नायर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 9-3-1976
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन०एस०——
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, ज्योती बिलिङ्गम्

कोच्चिन-11, दिनांक 9 मार्च 1976

निर्देश सं० एल० सी० 60/75-76-यतः मुझे, एस०
एन० सी० नायर, आयकर अधिनियम
1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की
धारा 269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो कोट्यम्
जिला में राजकाट्ट विलेज में स्थित है (और इससे उपावद
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट
अधिकारी के कार्यालय देविकुलम में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-7-1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनु-
सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री शेलवराज और 4 अन्य, तिरुनलबेलि जिला
(अन्तरक)

2. मेसर्स सच्चाद्रि प्लानटेशन्स प्राइवेट लिमिटेड, एरना-
कुलम (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

प्रमाण 645/75 की अनुसूची के अनुसार।

एस० एन० सी० नायर,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, एरनाकुलम

तारीख: 9-3-1976

मोहर:

प्रश्न प्राइंटी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, उत्तोती बिल्डिंग्स
गोपाल प्रभु रोड, एरणाकुलम, कोच्चि-11
कोच्चि-11, दिनांक 9 मार्च 1975

निवेश सं० एल० सी० 61/75-76—यतः मुझे, एस०
एन० सी० नायर
आयकर अधिनियम,

1961 (1961 का 43) (जिमे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो कोटुयम जिला में राजकाट बिल्लैंच में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय देविकुलम में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-9-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; और

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए।

यतः यत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रार्थना

1. श्रीमती कमला तंगस्वामी, तिरुनलवेलि जिला (अन्तरक)
2. मेसर्स भृष्णु एवं प्लानटेशन्स प्राइवेट लिमिटेड, एरनाकुलम (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कांपेवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर शुरूना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सेबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

ट्यूटीकरण :—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में व्यापकरणीय हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रमाण 758/75 की अनुसूची के अनुसार।

एस० एन० सी० नायर,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 9-3-1976

मोहर :

प्रस्प आई०टी०एन०एस०————

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, ज्योती बिल्डिंग्स, एरनाकुलम्

कोचिन-11, दिनांक 10 मार्च 1976

निर्देश सं० एल० सी० 62/75-76—यतः मुझे, एस०
एन० सी० नायर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो पालगढ़
जिला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
कुषलमन्नम में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1968
का 16) के प्रधीन, तारीख 10-3-1975 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत 'उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

प्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, घर्थात्:—

13—26GI/76

1. (i) पी० आर० बेनकटेश्वरन
(ii) पी० आर० बालसुन्नमनियन
(iii) पी० के० लक्ष्मि अम्माल, पालगढ़ जिला
(अन्तरक)

2. (i) ताणतेवीट्टील प्रभाकरन,
(ii) कुनचिलकश्मी,
(iii) शिवरामकृष्णन,
(iv) ताष्ट्टेवीट्टील अम्मू,
(v) तेक्कुमपुरम वीट्टील अम्मूकूट्टी,
(vi) रामचन्द्रन, पालगढ़ जिला
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताखरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रमान नं० 1155/75 की अनुसूची के अनुसार।

एस० एन० सी० नायर
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, एरनाकुलम्

तारीख : 10-3-1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

ग्राम्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्राम्यकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 मार्च 1976

मिदश सं० आर० ए० सी० 288/75-76—यतः
मुझे के० ए० वेंकट रामन

ग्राम्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और
और जिसकी सं० 4-1-938/आर०-17 तिलक रोड है, जो
हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाख्य ग्रनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय,
हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन, 4-7-1967

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से कुई किसी ग्राम की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे अच्छने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय ग्राम्यकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती जानकी बाई पत्नी हंसराज 3-2-350
चपल बाजार, हैदराबाद (अन्तरक)
2. श्री सो० मधू भूपाल अवस्यक पिता पालक सी० आर०
भूपाल द्वारा, 12, पंद्रमाराघ नगर, सिकन्दराबाद (अन्तरित)
3. मेसर्स पल्लवी, 86, एस० डी० रोड, सिकन्दराबाद
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षित व्यक्ति
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नं० 4-1-938/आर०-17 तिलक रोड, हैदराबाद।

के० एस० वेंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्राम्यकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 8-3-1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०----

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्राम्यक (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 मार्च, 1976

निर्देश सं० ग्रार० ए० सी० 289/75-76---यतः मुझे,
के० एस० वेंकट रामन

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ए के अधीन सकाम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है
और जिसकी सं० 4-1-938/ग्रार०-16 तिलक रोड है, जो
हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, 4-7-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिक्षी (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में आस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अस्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या घन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रन 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ए के अनुसरण
में, मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ए की उप-
धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अवृत्ति:-

1. श्रीमती गीता बाई पत्नी शिव शंकर, 3-2-350
चप्पल बाजार, हैदराबाद
(अन्तरक)
2. श्री सी० भारत भूपाल 12, पंद्रमाराव नगर सिकन्द्र-
राबाद
(अन्तरिक्षी)
3. मेसर्स पल्लबी 86, एस० डी० रोड, सिकन्द्रराबाद
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाल
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षारी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

उपलब्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में पर्दि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

नं० 4-1-938/ग्रार०-16 तिलक रोड, हैदराबाद।

के० एस० वेंकट रामन
सकाम प्राधिकारी
सहायक ग्रायकर ग्राम्यक (निरीक्षण)
अर्जन रेंज हैदराबाद

तारीख : 8-3-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 मार्च 1976

निवश सं० आर० ए० सी० 290/75-76—यतः मुझे,
के० ए० स० वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु से अधिक है
और जिसकी सं० 4-1-938/आर०-12 तिलक रोड है,
जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन, 9-7-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत 'उक्त अधि-
नियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

अनुसूची

नं० 4-1-938/आर०-16, तिलक रोड, हैदराबाद।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या 'उक्त अधिनियम', या घन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

के० ए० स० वेंकट रामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

ग्रन्त: अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में,
में, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) :
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-

1. श्रीमती पुष्पलता पत्नी शिव अरन 21-2-457
चारकमान, हैदराबाद (अन्तरक)

2. श्री ए० एम० देवराज मार्फत रीमा एलेक्ट्रोनिक्स,
व्यांक स्ट्रीट, हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिवृहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो 'उक्त
अधिनियम', के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

तारीख : 8-3-1976

मोहर :

प्रह्लाद श्रीमती शोभा वाई 3-2-350 चप्पल बाजार हैदराबाद
(अन्तरक)

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 मार्च 1976

निर्देश सं० आर० ए० सी० 293/75-76—यतः मृत्यु, के० ए० वैकट रामन आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), वी धारा 269-घ के अधीन मध्यम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 4-1-938/आर०-7 तिलक रोड है, जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, 21-7-1975 को सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में मुविधा के लिए; और

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए।

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमति में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथमत

1. श्रीमती शोभा वाई 3-2-350 चप्पल बाजार हैदराबाद
(अन्तरक)

2. श्री चुम्लाल संदाई बानू कालनी गगन महल
रोड, हैदराबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रंथित के लिए कार्यवाहियाँ करना है।

उक्त सम्पत्ति के ग्रंथित के मवध में कोई भी ग्राहकोपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानीय सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षिताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तलमज्जु की भाग नं० 4-1-938/आर०-7 तिलक रोड हैदराबाद।

के० एस० वैकट रामन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 8-3-1976

मोहर:

प्रश्न आई०टी०एन०एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 मार्च 1976

निवेश सं० आर० ए० सी० 295/75-76—यतः मुझे, के० ए० वेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 4-1-938/आर०-8 तिलक रोड है, जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीफर्टा अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, 21-7-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्भह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भवति :—

1. श्रीमती बसन्ती बाई 3-2-350 चप्पल बाजार (अन्तरिक)
2. श्री चूषीलाल संघाई, बानू कालनी गगन महल रोड, हैदराबाद (अन्तरिक)
3. टार्टेक्स बनीयान्स

(यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तल मजदू की भाग न० 4-1-938/आर०-8 तिलक रोड, हैदराबाद।

के० एस० वेंकट रामन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 8-3-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 26०-घ (1) के अन्वेषन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

हैदराबाद, दिनांक 12 मार्च 1976

सं० श्वार० ए० सी० 328/75-76—यतः, मुम्पे, के० एस०
ब्रकट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उचित अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी को यह विषयास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 40/790-11 कर्नूल पेटा है, जो कर्नूल में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कर्नल में रजिस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 17) के मध्येन 15-7-1975

को पूर्वोंत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकूल विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उत्थ अन्तरण लिखित में वारतविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधिने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाष्य या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिनमें भारतीय भाष्य-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्ष द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने म सुविधा के सिए;

असः अब 'उपत अधिनियम' की धारा 269-ग के प्रत्युत्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षातः—

1. श्री कें० वेंकट स्वामी पुत्र वेंकट शेशप्पा कर्नूल कोटा
(अन्तरक)
2. श्री पी० वंगल रेडी, पी० ओबूल रेडी, पुम चेन्ना रेडी
यल्लाला मोजा, केन्द्रीय उत्पादक अधीक्षक, कर्नूल ।
(अन्तरिति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के व्रजन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयत्न शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिवर्णित है, वही प्रथ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

भातसाथी

अर नं० 40/790-11 (दक्षिणी भाग) कर्नल पेटा, कर्नल।

के० एस० वेंकट रामन,
सक्षम प्राधिकारी,
कर आयुक्त (निरीक्षण),
भर्जन रेंज, हिंदुराबाद।

तारीख : 12 मार्च, 1976।

मौलिक :

प्र० श्री प्रधानमंत्री को एस०—

ग्राम्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-य (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्राम्यकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 मार्च 1976

सं० आर० ए० सी०-331/75-76:—यतः, मुझे, के० एस० वैकट रामन,

ग्राम्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-य के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एफ०-1, प्लाट नं० 17 सर्वे नं० 39, है, जो अमीरपेट में स्थित है (और इससे उपांचाल अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खैरताबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 9-7-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राम्यकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रहण: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-य के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सागरलाल गुप्ता, मुशीराबाद, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. मैसर्स अमर कन्ट्रॉक्शन कम्पनी, 4-1-1968 आबीद रोड, हैदराबाद। (अन्तरिती)

3. श्री ए० एस० रामपूर्णि, पोलीस उपआधिकर, पुलीस सी० श्राई० डो०, 7/1/771-सी०, बेन विल्ला, धरम करम रोड, अमीर पेट, हैदराबाद।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. श्री सुशाकर राव, प्रोजेक्ट आफीसर, ए० पी० आय, डी० सी० फते मेदान, हैदराबाद।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वह भूमि जिसका चौहाई दिवार से घिरा हुआ है और जिसका प्लाट नं० 17, क्षेत्रफल 1020 वर्ग गज है और सर्वे नं० 39, अमीर पेट, हैदराबाद में स्थित है।

के० एस० वैकट रामन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्राम्यकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज हैदराबाद

तारीख : 15-3-1976

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०---

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 मार्च 1976

सं० ग्रार० ए० सी० 332/75-76—यतः, मुझे, के० एस० वैकट रामन,

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 18-3-719 से 722 है जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्राजम पुरा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 10-7-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ब को उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
14—26GT/76

- (1) पुरुषोत्तम दास पुत्र गोवर्धन दास
- (2) जोदा बाई पत्नी गोवर्धन दास
- (3) कु० कमला बाई पुत्री गोवर्धन दास
- (4) कु० अनिता बाई पुत्री गोवर्धन दास
- (5) कान्ता बाई पत्नी मदन लाल
- (6) ललिता बाई पत्नी राजेन्द्र, 20-6-409, रूपलाल बाजार हैदराबाद। (अन्तरक)

- (1) नरोत्तम लाल पुत्र मंगीलाल
- (2) अंगूरी बाई पत्नी मंगीलाल
- (3) कमला बाई पत्नी शंकर लाल
- (4) मुकुन्द लाल पुत्र गोविन्द राम, मार्फत कृष्ण सिल्क हाऊस, पर्थर गट्टी, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अंजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिकृताधारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नं० 18-3-719 से 722, बेस्त लाल दरवाजा, थेकफल 6059, वर्ग गज, हैदराबाद।

के० एस० वैकटरामन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 15-3-1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 मार्च 1976

सं० आर० ए० सी० 333/75-76:—यतः, मुझे, के० एस० वेंकटरामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 18-3-719 से 723 है, जो बेरुन लाल दरवाजा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय [आजम] पूरा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 10-7-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजून, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरके वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री पुरुषोल्लास दास पुत्र स्वर्गीय गोवर्धन दास ।

(2) श्रीमती जोदाबाई पत्नी स्वर्गीय गोवर्धनदास ।

(3) कु० कमला बाई पुत्री स्वर्गीय गोवर्धनदास ।

(4) कु० अनीता बाई पुत्री स्वर्गीय गोवर्धन दास ।

20-6-409, रूप लाल बाजार हैदराबाद, अब्दस्यक पालक, माता जोदाबाई । (अन्तरक)

2. (1) श्री शंकर लाल पुत्र गोवर्धन

(2) श्री विजय कुमार पुत्र गोवर्धन ,

(3) श्रीमती मेवा बाई पत्नी धीसाराम ,

(4) श्री नरेश पुत्र मंगीलाल ।

मार्फत कुण्डा सिल्क सेटर, पत्थर गट्टी, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रथं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

न० 18-3-719 से 723 का भाग, बेरुन लाल दरवाजा में स्थित है, क्षेत्रफल 8885.90 बर्ग गज ।

के० एस० वेंकट रामन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 15-3-1976

मोहर :

प्र० श्री ई० टी० एन० एस० —

ग्रामकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद,

हैदराबाद, दिनांक 17 मार्च 1976

सं० आर० ए० सी० 334/75-76—यतः, मुझे, के० एस० वेंकटरामन,

ग्रामकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 235-236 है, जो अमीरपेट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय खैरताबाद में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, 18-7-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रामकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए।

1. श्री मोहम्मद मसियतुल्ला तथा मोहम्मद मसरतुल्ला,
7-1-616, अमीर पेट, हैदराबाद। (अन्तरक)

2. श्रीमती एम० विजया लक्ष्मी, 36-45-4 राज महैन्द्री। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए, कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुसी जमीन जिसका धेनफल 612 वर्ग गज जो सर्वे नं० 235 और 236 अमीर पेट हैदराबाद में स्थित है।

के० एस० वेंकट रामन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 17-3-1976

मोहर :

अतः अब उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

प्रख्यात आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 मार्च 1976

सं० आर० ए० सी० 335/75-76:—यतः, मुझे, के० एस०
बैंकट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सर्वेनं० 235 और 236 है, जो अमीरपेट में स्थित है (और इससे उपाबूद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय खेरता बाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 18-7-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदय किसी आय की बावजूद उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धन: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्णतः:—

1. श्री मुहम्मद करमतुल्ला खान, मुस्लिम नामादार, मोहम्मद मसरसुल्ला, 7-1-616, अमीर पेट, हैदराबाद। (अन्तरक)

2. श्री सत्यवती, 6-1-507 (ए०), खेरताबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका क्षेत्रफल 606 वर्ग गज जो सर्वे नं० 235, और 236, अमीर पेट, हैदराबाद में स्थित है।

के० एस० बैंकटरामन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 17 मार्च, 1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 मार्च 1976

सं० आर० ए० सी० 336/75-76—यतः, मुझे, के० एस०
वेंकट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सर्वं नं० 235 और 3236 है जो अमीर पेट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय खैरताबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 18-7-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर्यातः:—

1. मोहम्मद मसीयतुल्ला, 7-1-616, अमीरपेट, हैदराबाद ।
(अन्तरक)

2. श्रीमती के० वेंकटा पद्मावती पत्नी के० जे० चौधरी,
6-3-596/39, खैरताबाद ।
(अन्तरिती)

कौं यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका क्षेत्रफल 612 वर्ग गज जो सर्वं नं० 235 और 236 अमीर पेट हैदराबाद में स्थित है ।

के० एस० वेंकट रामन,
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 17 मार्च, 1976

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की द्वारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जन रेंज, पूना

पूना-411004, दिनांक 18 मार्च 1976

निर्देश सं० सी० अ०/५/जुलै० 1975 हवेली-II/पूना-276—
यतः, मुझे, एच० एस० औलख,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे क्रमांक 1105/5 फायनल प्लाट क्र० 479/5 है तथा जो मॉडेल कालीनी पूना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से अणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हवेली-II (पूना) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14-7-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः यदि उक्त अधिनियम की द्वारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की द्वारा 269-व की उपस्थारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री के० जी० आंबेगावकर, 8 जयपुर इस्टेट, निजामुद्दीन रास्ता, (पूर्व) नई दिल्ली-13। (अन्तरक)

2. श्री अरुण मल्हार पारखे 1183 शिवाजी नगर, पूना-5। (अन्तरिती)

3. श्री के० जी० आंबेगावकर 8 जयपुर इस्टेट, निजामुद्दीन रास्ता (पूर्व), नई दिल्ली-13।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बावध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्तानकी के पाल लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फीबहोल्डमकान सि० सर्वे क्र० 1105/5 फायनल प्लाट क्र० 489/5, माडेल कॉलनी, पूना-5।

प्लाट का क्षेत्रफल—981.66 वर्ग फीट मकान का क्षेत्रफल—2644 वर्ग फीट मकान 1960-61 में बांधा हुआ।

[जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र० 1777 जुलाई 75 में सब-रजिस्ट्रार हवेली-II के दफतर में लिखा है।]

एच० एस० औलख,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 18 मार्च, 1976

मोहर :

प्ररूप आईटी०एन०एस०-----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 19 मार्च 1976

सं० :—प्रतः, मुझे, एगबर्ट सिंग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से
अधिक है

और जिसकी सं० टि नं० 147-76/90 महमद अब्जल है तथा
जो वार्ड नं० 25, पुराना स्टेशन सड़क किशन गंज जिला कछार
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय करिमगन्ज में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
1-10-75 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का
27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

प्रतः यदि 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) मुस्त बलाटुन नेसा खातुन।

(2) बाईफ आफ लेट मुन्सी फुरकन अलि।

(3) महमद नजरुल हासन।

(4) महमद नजरुल हासन।

(5) मुस्त रहिसुर नेसा।

(6) मुस्त गहरुन नेसा खातुन, लामाबाजार, सिलहेत,
बंगलादेश चुरु पावर आफ एटोरनी टु श्री फजलुर रहमान, सन आफ
लेट हविबुर रहमाना, चारधात बदरपुर, जिला कछार।

(अन्तरक)

2. विश्वनाथ राय, रामपाती करीम गंज।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिये कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन भी अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन के माप :—एक केदार, एक पाया, 3 जस्ती, 2 रेक्स
(प्रायः 25 कालास होगा) जोकि प्रगता के० कुल के मित्र मौजा
बानामाली, वार्ड नं० 25, होलडिना नं० 67, 68-टि० नं० 14779/
90 महमद अब्जल इत्यादि, पुराना स्टेशन सड़क, करीम गंज, जिला
कछार, आसाम प्रदेश में स्थित है।

एगबर्ट सिंग
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, शिलांग

तारीख : 19-3-1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 15 मार्च 1976

निदेश सं० ए० सी० क्य० 23-I-705 (300)/1-1/75-76—
यतः, मुझे, जे० कथूरिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 406/2/ए० तथा 406/2/सी० का भाग, टी० पी० एस० 12 है, जो असारवा (नरोड़ा रोड़) अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1961 (1908 का 16) के अधीन 2-7-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में, बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और / या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, शर्तात् :—

1. स्वर्गीय श्री सुरोत्तम भाई पुरुषोत्तम भाई हाथी सिंह, की सम्पदा के निष्पादक:—

- (1) श्री गुनोत्तमभाई पुरुषोत्तम भाई हाथीसिंह,
- (2) श्री श्रीनिकभाई कस्तुरभाई,
- (3) श्री ग्ररविदभाई नरोत्तमभाई,
- (4) श्री सरोजबेन पुरुषोत्तमभाई हाथीसिंह,
- (5) श्रीमती बेन सौमेन्द्रभाई टैगोर:—

(अन्तरक)

2. अनंत को० आफ इन्डस्ट्रीयल एस्टेट लि० की ओर से :—
श्री मनुभाई हरीभाई शाह (प्रमुख) अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

3. अपनी कंस्ट्रक्शन को० फर्म की ओर से भागीदार :—
श्री हिमत लाल कालीदास, अहमदाबाद।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयीय करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविकल्पों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 2698 वर्ग गज है तथा जिसका सर्वे नं० 406/2/ए० तथा 406/2/सी० (भाग) फायनल प्लाट नं० 55, टी० पी० एस० नं० 12 है तथा जो विजय मिल के पास, असारवा, अहमदाबाद में स्थित है।

जे० कथूरिया,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 15-3-1976

मोहर :

प्रस्तुत ग्राही टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 15 मार्च 1976

निदेश सं० ए० सी० क्य०-23-1-706 (301)/1-1/75-
76—यतः, मुझे, जे० कथूरिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 409 (भाग) तथा 411 (भाग) एफ० पी० नं० 48, टी० पी० एस० नं० 12 है, जो असारवा (नरोड़ा रोड़), अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 2-7-75 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापस उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करते या उससे बचते में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन्नकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

15—26GI/76

1. स्वर्गीय श्री सुरोत्तमभाई पुरखोत्तमभाई हाथीसिंह, की सम्पदा के निष्पादक :—

- (1) श्री गुनोत्तमभाई पुरखोत्तमभाई हाथीसिंह,
- (2) श्री श्रीनिकभाई कस्तूरभाई,
- (3) श्री अरविदभाई नरोत्तमभाई,
- (4) सरोजबेन पुरखोत्तमभाई, हाथीसिंह,
- (5) श्रीमती बेन सौमेन्द्रनाथ टैगोर, (अन्तरक)

2. अनंत को० आप० इन्डस्ट्रीयल एस्टेट लि० की ओर से :—

श्री मनुभाई हरीभाई शाह (प्रमुख), अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

4. (1) अपनी कंस्ट्रक्शन को० की ओर से भागीदार:— श्री हिम्मत लाल कालीदास, अहमदाबाद ।

(2) अमी प्रा० लि० की ओर से:—

श्री रसीकलाल मोहनलाल शाह, (निवेशक), अहमदाबाद ।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधीहस्तकरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्बन के लिए कार्यान्वयन करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरें व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों वे हो किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्तकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 7821 वर्ग गज है तथा जिसका सर्वे नं० 409 (भाग) तथा 411 (भाग) एफ० पी० नं० 48, (भाग), टी० पी० एस० नं० 12 है तथा यो विजय मिल के पास, असार वा, अहमदाबाद में स्थित है।

जे० कथूरिया,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 15-3-76

मोहूर :

प्र० आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 15 मार्च 1976

निवेश सं० ए० सी० क्य० / 23-I-707(302)/1-1/

75-76—यतः, मुझे, जै० कथूरिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- स्पये से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 411, 406/1/1 (भाग) तथा 407 का भाग है, जो असारवा (नरोड़ा रोड़े) अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1961 (1968 का 16) के अधीन, 2-7-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की

गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के द्विषष्ठ ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में व्यास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भगवन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिकृत :—

(1) 1. श्री हर्ष नरोत्तम भाई हाथीसिंह, अहमदाबाद ।

2. श्री अर्जीत गुनोत्तमभाई हाथीसिंह, अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) अनंत को० आप० इन्डस्ट्रीयल एस्टेट लि० की ओर से :—

श्री मनुभाई हरीभाई शाह (प्रमुख) अहमदाबाद ।
(अन्तरिती)

4. (1) अण्णी कंस्ट्रक्शन को० फर्म की ओर से भारतीदार :—

श्री हिम्मतलाल कालीदास, अहमदाबाद ।

(2) श्री चिनुभाई बालाभाई शाह, 10, सारस सोसायटी, शांती नगर सोसायटी के पीछे, वात्तु रोड़, अहमदाबाद-13 ।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक खुली जमीन बाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 13352 वर्ग गज है तथा जिसका सर्वे नं० 411 तथा 406/1/1 (भाग) तथा 407 (थाग), फायनल प्लाट नं० 48 तथा 50 है तथा टी० पी० एस० नं० 12 है तथा जो विजय मिल के पास, असारवा, अहमदाबाद में स्थित है ।

जै० कथूरिया,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तारीख : 15-3-76

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269(घ) (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 15 मार्च 1976

निदेश सं० ए० सी० क्य०-23-I-708 (303)/1-1/75-76—यतः, मुझे, जे० कथूरिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ह० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे न० 383 (भाग) तथा 407 (भाग), टी० पी० एस० न० 12, एफ० पी० न० 65 (भाग) है, जो असारवा (नरोड़ा रोड़), अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1961 (1908 का 16) के अधीन 2-7-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) स्वर्गीय श्री सुरोत्तमभाई पुरुषोत्तमभाई हाथीसिंह की सम्पदा के निष्पादक :

(1) श्री गुनोत्तमदास पुरुषोत्तमदास हाथीसिंह,

(2) श्रीनिकभाई कस्तूरभाई,

(3) श्रीरविदभाई नरोत्तमभाई,

(4) श्री सरोजबेन पुरुषोत्तमभाई हाथीसिंह,

(5) श्रीमती बेन सौमेन्द्रनाथ टैगोर। (अन्तरक)

(2) अनार को० आप० हस्तद्वीयल एस्टेट लि० की ओर से :— श्री एच० एल० परीख, (प्रमुख), अहमदाबाद।

(3) अरणी कस्तूरकश्म को० फर्म की ओर से भागीदार:— श्री हिमत लाल का। (अन्तरिती)

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित हैं, वही अर्थ होगा, जो "उस" अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 5330 वर्ग गज है तथा जिसका सर्वे सं० 383 (भाग) तथा 407 (भाग), टी० पी० एस० न० 12, फायनल प्लाट न० 65 (भाग) है तथा जो विजय मिल के पास, असारवा, अहमदाबाद में स्थित है।

ज० कथूरिया,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तारीख : 15 मार्च, 1976।

मोहर :

प्रधान प्राईटी टी० एन० एस०-----

**आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग(1) के प्रधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, विनांक 1 मार्च 1976

निदेश सं० 1519:—यतः, मुहो, रवीन्द्र कुमार,

आवकर अधिनियम

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग(1) के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
35,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो जालन्धर में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख जुलाई,
1975 को
पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृम्मे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पार्या गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में
मुश्किल के लिए।

प्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग की उपधारा

(1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्तीत

1. श्री कान्ति कुमार, सन्तोष कुमार, महेष कुमार, एण्ड राम
कुमार सुपुत्र श्री अमर नाथ निवासी 176 बाबा बिल्डिंग जी० टी०
रोड, जालन्धर। (अन्तरक)

2. श्री जैसल सिंह सुपुत्र श्री हाकम सिंह निवासी गान्धी नगर
मगा। (अन्तरिती)

3. श्री गुरनाम सिंह प्रो० अमर टायरज सैशन कोर्ट रोड,
जालन्धर।

(यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(यह व्यक्ति, जिनके बारे में
अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध में कोई भी आधेप --

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण ——इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रथा-
परिभ्रामित है, वही अर्थ होंगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3787 जुलाई, 1975
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सकाम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख: 1 मार्च, 1976

मोहर:

प्रलेप आई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 1 मार्च, 1976

निदेश सं० 1520:—यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो जालन्धर में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई,
1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
प्रगतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दुई किसी प्राय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

प्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्याप्त :—

1. श्री आन्ति कुमार, सन्तोष कुमार, महेष कुमार सुपुत्र
श्री अमर नाथ 176 बाबा बिल्डिंग, जी० टी० रोड़, जालन्धर।
(अन्तरक)

(2) श्री जैमल सिंह सपुत्र श्री हाकम सिंह, निवासी बंगा।
(अन्तरिती)

3. मैसर्स गाखल सेलज कारपोरेशन सैशन कोर्ट रोड़ जालन्धर
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में हृच रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में
अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3757 जुलाई, 1975
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, जालन्धर।

तारीख : 1 मार्च 1976।

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 1 मार्च 1976

निदेश सं० ए० पी०-1521:—यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायलिय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री सन्तोष कुमार, महेश कुमार, कान्ति कुमार और राम कुमार सपुत्र श्री अमर नाथ 176 बाबा बिल्डिंग जी० टी० रोड, जालन्धर।
(अन्तरक)

2. श्री जैमल सिंह सपुत्र हाकम सिंह निवासी, बंगां।
(अन्तरिती)

3. श्री दर्शन सिंह प्रो० दर्शन आटोमोबाईलज सेंशन कोर्ट रोड, जालन्धर।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में हचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताधरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताधरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वल्पीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची-3

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता विलेख नं० 3674 जुलाई, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 1 मार्च, 1976।

मोहर :

प्रस्तुप प्राईंट टो०एन०एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 1 मार्च 1976

निवेश सं० 1522—प्रतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो चूपरवाली में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई
1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत,
उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जगदीश सिंह एण्ड हरमेश सिंह सपुत्र श्री पाल सिंह
निकट लक्ष्मी सिनेमा, रेलवे रोड, जालन्धर। (अन्तरक)
2. श्री उजागर सिंह सपुत्र सरदार आत्मा सिंह निवासी भडार
तहसील जालन्धर। (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है।)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में हचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में
अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी अकित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची -1

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4151 जुलाई, 1975
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, जालन्धर।

तारीख : 1 मार्च 1976

मोहर :

प्रूप आई० टी० एम० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 2 मार्च 1976

निदेश सं० 1523:—यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार,
आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम'
कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो माहिलपुर में स्थित
है (और इसे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गढ़शंकर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई,
1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति
के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कार्यत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के प्रनुसारण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री प्रीतम सिंह सपुत्र श्री दया सिंह, 2. महिन्द्र सपुत्र श्री
प्रीतम सिंह, कलाय मर्चेन्ट, माहिलपुर तहसील गढ़शंकर।

(अन्तरक)

2. मसर्स भाटिया गनेशपुर कोआपरेटिव कोल्ड स्टोर लिमिटेड
गनेशपुर भरता मार्फत श्री अमर सिंह भरता प्रधान।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि सं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में हचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में
अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि था तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बावर में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1545, 1546 और
1547 जुलाई, 1975 की रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी गढ़शंकर में
लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, जालन्धर।

तारीख : 2 मार्च, 1976।

मोहर :

प्र० प० आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 मार्च, 1976

निदेश सं० ए० पी० नं० 1525:—यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार,
आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है गांव सलवारा है तथा जो होशियार पुर में स्थित (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में भी पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, होशियारपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

16—26GI/76

1. श्री मनोहर लाल विश्वनाथ तथा हरदयाल सुपुत्र श्री सेठ विहारी लाल सुपुत्र श्री भानी राम निवासी पाहारी-गेट, होशियारपुर। (अन्तरक)

2. श्री सतिन्द्र कुमार सेठ सुपुत्र श्री अमर नाथ सुपुत्र श्री अमी चन्द निवासी 124-प्रार० माडल टाउन होशियारपुर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अभिभोग में सम्पत्ति है।)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में हचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्रमण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता विलेख नं० 2295/अगस्त, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी होशियारपुर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 6 मार्च, 1976

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर
जालन्धर, दिनांक 6 भार्च, 1976

निदेश नं० ए०पी० 1526—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो गांव दकोहा
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई
1975 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिष्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री गुरदयाल सिंह बकील सुपुत्र श्री बरयाम रिह,
निवासी दकोहा। (अन्तरक)
2. श्रीमती जसवंत कौर विधवा पति श्री गुरदयाल सिंह,
निवासी दकोहा। (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में इच्छा रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है
कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये
एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकूल विलेख नं० 4280/जुलाई, 1975
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 6-3-1976

मोहर :

प्रसूप आई० टी० एन० एस०—

ग्राम्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्राम्यकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 मार्च 1976

निवेश सं० ए० पी० 1527—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार,
ग्राम्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया
है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो गांव डल्ला में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दस्ता में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई
1975 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझ यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
महीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के विवित में कमी करने या उससे बचने
में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए

यतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री ज्ञान चन्द भला सुपुत्र श्री दस्तीप सिंह, गांव डल्ला
तहसील दस्ता (अन्तरक)
2. श्रीमती जोगिन्द्र कोर पत्नी श्री हरचरन सिंह, कमीशन
एजेंट, नजदीक पुलिस स्टेशन उरमुर (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में सुचि रखता है।
(वह व्यक्ति जिनके बारे में अघोहस्ताक्षरी जानता है
कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाट
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किय जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2211/अगस्त,
1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी दस्ता में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार

सक्षम अधिकारी

सहायक ग्राम्यकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 12-3-1976

मोहर :

प्रख्यात आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, विनांक 6 मार्च, 1976

निदेश नं० ए० पी० नं० 1528—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो गांव डल्ला में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दसूहा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1975 को को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या छन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः यह 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्यों, प्रवतः—

1. श्री ज्ञान चन्द्र सुपुत्र श्री दलीप सिंह गांव डल्ला तहसील-दसूहा (अन्तरक)
2. श्री हरचरन सिंह सुपुत्र श्री करतार सिंह, कमीशन एजेंट नजदीक पुलिस स्टेशन, उरमर (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2188/अगस्त 1975 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 6-3-1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 2 मार्च, 1976

निदेश नं० ए० पी० नं० 1524—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार, ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सकम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण व्यक्तियों में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत, ‘उक्त अधिनियम’ के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या,

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रामकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या ‘उक्त अधिनियम’, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगसार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब ‘उक्त अधिनियम’ की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, ‘उक्त अधिनियम’ की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधितः—

1. श्रीमती पुष्पा देवी पत्नी श्री एस० के० बेल मार्फत दी मनेजर जीवन बीमा नियम जालन्धर (अन्तरक)
2. श्रीमती हरबंस कौर सुपुत्री श्री रेशम सिंह मकान नं० 37 आरबी ब्लाक माइल हाउस जालन्धर (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० दो में है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्ति ने पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो ‘उक्त अधिनियम’ के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4320/जुलाई 1975 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सकम प्राधिकारी
सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 2-3-1976

मोहर:

प्रख्यात श्री दी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 मार्च, 1976

निवेश नं० 1530—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो दयोवाल हुशियारपुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हुशियारपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अस्तरिती (अस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से कुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अच्छे में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी द्वान या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः, अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-व के अनुसरण में, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-व की उपद्वारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. गुलजारा सिंह सुपुत्र श्री कावूल सिंह सुपुत्र श्री ठाकुर सिंह गांव डियोवाल तहसील हुशियारपुर (अन्तरक)
2. श्री राज कुमार सुपुत्र चमन लाल सुपुत्र मोहरी राम माडल हौस मार्फत सुप्रीम इन्डस्ट्रीज माडल हौस जालंधर (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशम की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशम की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

उपलब्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1639 जुलाई, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता हुशियारपुर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 12-3-1976

मोहर :

प्रृष्ठा आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 मार्च, 1976

निशेश नं० 1529—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, पहुंच विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो करतारपुर में स्थित है (और इससे उपाध्यक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री दौलत राम सुपुत्र श्री महताब सुपुत्र श्री लेगड़ मुहल्ला चरखी व्याल पुर गेट करतार पुर (अन्तरक)
2. श्री रखविन्द्र सिंह, बलजिन्द्र सिंह, तजेन्द्र सिंह सुपुत्र श्री जगजीत सिंह सुपुत्र श्री इन्द्रसिंह निवासी सबोवाल तहसील जालन्धर (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयन करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकूल विलेख नं० 4512 जुलाई 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 12-3-1976

मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एम० एस०——
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, विनांक 12 मार्च, 1976

निदेश नं० 1534—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा
गया है) की धारा 269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है गांव वरनाला कलां है
तथा जो वरनाला कलां में स्थित है (और इससे उपाखद अनुसूची
में और पूर्ण रूप से उल्लिङ्गत है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख जुलाई 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्ट्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृष्ट्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्ट्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँड़ि किसी आय की आवत, 'उक्त अधि-
नियम', के अधीन कर देने के
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण
में, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्राह्यतः :—

1. श्रीमती मनजीत कौर पत्नी/मर्जन सिंह वरनाला कलां
(अन्तरक)
2. दी विशाल कोपरेटिव होस बिल्डिंग सुसाइटी लिमिटेड
नवां शहर (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है
कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन तक अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में प्रया-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति—रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2545 जुलाई 1975
रजिस्ट्रीकृत अधिकारी नवां शहर।

रवीन्द्र कुमार,
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 12-3-1976

भोहर :

प्रस्तुत आई०टी०एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 मार्च 1976

निदेश सं० एक्स० बी० आई०/१/१२७(जुलाई)/७५-७६—
यतः मुझे, जी० रामनाथन,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है

और जिसकी सं० 22 है, जो फेटलान्डस कालोनी अलगापुरम,
सेलम में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सेलम (पत्र
सं० 3136/75) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन जुलाई 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृथमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषयास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृथमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को जिस्मे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

17—26GI/76

1. सेलम मुरसु (पी.) लिमिटेड मद्रास-2

(अन्तरक)

2. श्री डी० जी० चक्रपाणी, 386, बसार मेन रोड सेलम
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करसा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सेलम, अलगापुरम गांव, फेटलान्डस कालोनी और सं० 22
(एस० सं० 85/2 एफ) में 6925 स्क्युयर फैट की भूमि (मकान
के साथ)।

जी० रामनाथन,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख 18-3-76।
मोहर :

प्रस्तुप आई०टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 मार्च 1976

निवेश सं० आई० एक्स०/6/22/75-76—प्रतः मुझे,
जी० रामनाथन, आयकर अधिनियम

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा

269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 558 है, जो पूनमल्ली है जो रोड मद्रास 3 में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास (पत्र सं० 713/75) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन जुलाई 1975 को पर्योक्ति

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चाह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तप पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

प्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्राप्ति

1. श्रीमती आर० अनुसुया देवी और आर० गोपीनाथ,
मद्रास-7 (अन्तरक)

2. श्री पी० ईसमेल सेट मद्रास-3 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यावाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास-3, पूनमल्ली है रोड, डोर सं० 558 में 1761 फू
स्क्युयर फीट की भूमि और मकान (आर० एस० सं० 83)।

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 18-3-76

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 9 मार्च 1976

निदेश सं० के० एन० एल०/724/75-76—अतः मुझे, विवेक प्रकाश मिनोचा, गहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चण्डीगढ़,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट नं० 8 है तथा जो सैशन हाउस मार्ग में स्थित है (और इसके उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, करनाल में, रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में घास्तविक रूप से अंकित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवक्षियों, प्रर्ति :—

1. श्रीमती शान्ति देवी विधवा श्री गोपाल दास, विजय कुमार पुत्र श्री गोपाल दास द्वारा मुख्यार्थ आम श्री कैलाश बेरी पुत्र श्री गोपाल दास निवासी 8/27, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. (i) श्री हरीश चन्द्र मेहता पुत्र श्री जीवन मल्ल (ii) श्रीमती निर्मल मेहता पत्नी श्री हरीश चन्द्र मेहता 508, माडल टाउन, करनाल। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में फिर जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 8 सैशन हाउस मार्ग करनाल (क्षेत्रफल 8683 वर्ग फुट)।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 2639 जुलाई, 1975 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी करनाल के कार्यालय में लिखा है।)

विवेक प्रकाश मिनोचा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 9 मार्च, 1976

मोहर:

INSTITUTE OF SECRETARIAT TRAINING &

MANAGEMENT

(EXAMINATION WING)

GRADE III STENOGRAPHERS' LIMITED DEPARTMENTAL COMPETITIVE EXAMINATION, OCTOBER, 1976

New Delhi, the 17th April 1976

No. 13/10/75-ARRNG.—Examination Wing of Institute of Secretariat Training and Management, New Delhi will hold at Bombay, Calcutta, Delhi, Madras, Nagpur and at selected Indian Missions abroad a limited departmental competitive examination commencing on 28th October, 1976 for recruitment to temporary vacancies in Grade III of Central Secretariat Stenographers' Service, Grade III of Armed Forces Headquarters Stenographers' Service, and Grade III of Stenographers' Sub-Cadre of Indian Foreign Service (B).

2. *Conditions of eligibility.*—Must be regularly appointed officer of C.S.C.S./A.F.H.Q. Clerical Service/Grade VI or V of IFS(B) satisfying following conditions :—

(a) *Length of Service.*—Must have, on 1st January, 1976, rendered not less than three years' approved

and continuous service in Lower/Upper Division Grade or equivalent Grade of the service concerned.

(b) *Age.*—Not more than 45 years on 1st January, 1976. Upper age limit relaxable for SCs/STs and certain other specified categories.

3. *Fee.*—Rs. 8/- (Rs. 2/- for SCs/STs).

4. Full particulars and application forms obtainable from Institute of Secretariat Training & Management (Examination Wing), West Block 1, R. K. Puram, New Delhi-110022 by remitting Re. 1/- (Rs. 2/- if despatch of application form desired by Registered Post), by means of crossed (A/c Payee) Indian Postal Orders payable to Institute of Secretariat Training & Management (Examination Wing) at R. K. Puram (Delivery) Post Office, New Delhi or on cash payment at sale counter in Institute's Office.

5. Completed application forms must reach the Institute by 2nd June, 1976 (16th June, 1976 for candidates residing abroad or in Andaman and Nicobar Islands or in Lakshadweep).

MADAN LAL,
Director (Examinations)

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi, the 17th March 1976

No. 40011(2)/75-AN-A.—(1) The undermentioned Accounts Officers will be transferred to the pension establishment with effect from the afternoon of the date shown against each on their attaining the age of superannuation.

Sl. No.	Name with Roster Number	Grade	Date from which transferred to pension establishment	Organisation
Sarvashri				
1.	S. Sundaram (P/13)	Permanent Accounts Officer	30-4-76	Controller of Defence Accounts, Southern Command, Poona.
2.	Ram Lal Anand (P/244)	Permanent Accounts Officer	30-6-76	Controller of Defence Accounts (Air Force), Dehra Dun.
3.	T. A Samuel (P/354)	Permanent Accounts Officer	30-6-76	Controller of Defence Accounts (Officers), Poona.
4.	K. Nagaraja Rao (P/471)	Permanent Accounts Officer	31-5-76	Controller of Defence Accounts, Southern Command, Poona.
5.	T. R. Rajagopalan (P/488)	Permanent Accounts Officer	31-7-76	Controller of Defence Accounts (Air Force), Dehra Dun.
6.	M. K. Sen (P/502)	Permanent Accounts Officer	30-4-76	Controller of Defence Accounts (Factories), Calcutta.
7.	N. S. Chandrasekharan (P/578)	Permanent Accounts Officer	30-6-76	Controller of Defence Accounts (Air Force), Dehra Dun.
8.	Niranjan Singh (P/622)	Permanent Accounts Officer	30-6-76	Controller of Defence Accounts (Air Force), Dehra Dun.

Shri T. A. Samuel, Permanent Accounts Officer has been granted leave pending retirement from 3-3-76 to 30-6-76.

(2) Having given notice for voluntary retirement from service under the provisions of Central Civil Service (Pensions) Rules, 1972, Shri N. M. Sundaram, Permanent Accounts Officer (Roster No. P/570) serving in the organisation of Controller of Defence Accounts (Factories) Calcutta has been transferred to the pension establishment with effect from the forenoon of 3rd March 1976.

He has been granted earned leave for 11 days from 8-10-75 to 18-10-75 and half pay leave for 136 days from 19-10-75 to 2-3-76 preparatory to retirement.

(3) Sub-para (2) of para 4 to this department notification bearing No. 40011(2)/75-AN-A dated 11-11-1975 relating to Shri K. K. Malhotra, Officiating Accounts Officer is substituted as under :—

"Half Pay leave for 44 days from 1-10-1975 to 13-11-1975 under Rule 39(6) of CCS (Leave) Rules 1972."

(4) The following is added below para (1) to this department notification No. 40011(2)/75-AN-A dated 16-2-1976.

"Shri V. P. Sardana, Permanent Accounts Officer has been sanctioned leave pending retirement for 120 days from 3-3-1976 to 30-6-1976."

S. K. SUNDARAM
Addl. Controller General of Defence Accounts (AN)

MINISTRY OF DEFENCE
Directorate General, Ordnance Factories
Indian Ordnance Factories Services
Calcutta, the 5th January 1976

No. 1/76/G.—The President is pleased to appoint the under-mentioned officers as Officiating General Manager (Selection Grade)/DDGOF with effect from the date shown against them, until further orders :—

1. Shri Shiva Prasad, Permt. G.M., Gr. I 8th Oct., 1975.
2. Shri P. K. Hazari, Permt. G.M., Gr. I 8th Oct., 1975.
3. Shri R. R. Wanchoo, Offg. G.M., Gr. I 8th Oct., 1975.
4. Shri R. Swaminathan, Offg. G.M., Gr. I 8th Oct., 1975.

No. 2/76/G.—The President is pleased to appoint the under-mentioned officers as Offg. General Manager, Gr. II/Dy. G.M./ADGOF Gr. II with effect from the date shown against them, until further orders :—

1. Shri K. C. Paul, Permt. Sr. DADGOF 1st Oct., 1975
2. Shri R. A. Krishnan, Permt Manager 1st Oct., 1975.
3. Shri Jagjit Singh, Permt. Manager 1st Oct., 1975.
4. Shri B. B. Dhawan, Permt. Manager 1st Oct., 1975
5. Shri G. Chatterjee, Permt. Manager 1st Oct., 1975.
6. Shri R. Eswaran, Permt. Manager 1st Oct., 1975.
7. Shri J. M. Kawlra, Permt. Manager 1st Oct., 1975.
8. Shri T. V. Ramakrishnan, Permt. Manager 1st Oct., 1975
9. Shri V. N. Pattabiraman, Permt. Manager 1st Oct., 1975.
10. Shri M. H. Jayachandran, Permt. Manager 1st Oct., 1975.
11. Shri V. Palanipandi, Permt. Sr. DADGOF 1st Oct., 1975.

No. 3/76/G.—The President is pleased to appoint the under-mentioned officers as Offg. Manager/Sr. DADGOF with effect from the date shown against them until further orders :—

1. Shri T. Venkateswarlu Permt. D.M. 1st Oct., 1975
2. Shri M. M. Ahmed, Permt. D.M. 1st Oct., 1975.
3. Shri S. P. Misra, Permt. D.M. 1st Oct., 1975.
4. Shri B. C. Neogi, Offg. DADGOF 1st Oct., 1975.
5. Shri L. I. S. Henry, Offg. D.M. 1st Oct., 1975.
6. Shri B. N. Thacker, Offg. DADGOF 1st Oct., 1975.
7. Shri K. M. Mohile, Offg. DADGOF 1st Oct., 1975.
8. Shri S. P. Kulkarni, Offg. D.M. 1st Oct., 1975.
9. Shri J. Sain, Permt. D.M. 1st Oct., 1975.
10. Shri A. K. Chaubal, Permt. D.M. 1st Oct., 1975.
11. Shri K. Nandakumar, Permt. D.M. 1st Oct., 1975.
12. Shri L. N. Sriram, Offg. D.M. 1st Oct., 1975.
13. Shri Munno Lal, Offg. D.M. 1st Oct., 1975.

No. 4/76/G.—The President is pleased to appoint the under-mentioned officers as Offg. Dy. Manager/DADGOF with effect from the date shown against them, until further orders :—

1. Shri M. A. Alahan, AM (OP) 24th Nov., 1975
2. Shri S. Ghosh, AM (OP) 24th Nov., 1975
3. Shri N. Monohar Prasad, A.M. (OP) 24th Nov., 1975
4. Shri N. D. Joshi, AM (OP) 24th Nov., 1975
5. Shri K. V. S. Murthy, AM (OP) 24th Nov., 1975
6. Shri P. M. Athavale, Offg. A.M. 24th Nov., 1975
7. Shri J. A. Desai, Offg. A.M. 24th Nov., 1975
8. Shri A. K. Dey, Offg. A.M. 24th Nov., 1975
9. Dr. A. K. Boral, AM (OP) 24th Nov., 1975
10. Dr. K. G. Kaimal AM (OP) 24th Nov., 1975
11. Shri S. N. Roy Choudhury, Offg. A.M. 24th Nov., 1975
12. Shri M. Venugopalan, Offg. A.M. 24th Nov., 1975

13. Shri R. T. Jaokar, Offg. A.M. 24th Nov., 1975
14. Shri C. A. Vaz, Offg. A.M. 24th Nov., 1975
15. Shri R. S. Sarmah, Offg. A.M. 24th Nov., 1975
16. Shri S. D. Dwivedi, Permt. A.M. 24th Nov., 1975
17. Shri E. N. Radhakrishnan, Offg. A.M. 24th Nov., 1975

M. P. R. PILLAI,
Assistant Director General,
Ordnance Factories.

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 8th March 1976

No. 2176(1)/75-CGHS.I.—Consequent on acceptance of his resignation Dr. D. R. Rai, Junior Medical Officer (ad hoc) relinquished charge of the post of Junior Medical Officer (ad hoc) under C.G.H.S. Bombay on 30-8-75 (afternoon).

The 11th March 1976

No. 26/6/(2)/75-CGHS.I.—Consequent on acceptance of his resignation Dr. K. C. Rangari G.D.O. Grade II, (ad hoc) relinquished charge of his post on 1-7-1975. (forenoon).

K. VENUGOPAL
Deputy Director Admn. (CGHS)

New Delhi, the 9th March 1976

No. A.19019/4/76-(HQ)Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri C. V. Shyama Sundara to the post of Statistician in the Central Bureau of Health Intelligence of the Directorate General of Health Services with effect from the forenoon of the 28th Feb., 1976, on an *ad hoc* basis until further orders.

The 11th March 1976

No. F.29-5/75-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri P. A. C. Rao, Section Officer of the C.S.S. belonging to the cadre of the Ministry of Agriculture & Irrigation to the post of Administrative Officer, National Tuberculosis Institute, Bangalore, on deputation basis, with effect from the forenoon of the 28th January, 1976, and until further orders.

Consequent on the appointment of Shri P. A. C. Rao, to the post of Administrative Officer, Shri V. Govindarajan, relinquished charge of the post of Administrative Officer at the same Institute with effect from the forenoon of the 28th January, 1976.

The 17th March 1976

No. 20-19/75-CHS.II.—Consequent upon the acceptance of his resignation Dr. M. Premnath relinquished charge of the post of Junior Medical Officer, (ad hoc) Central Leprosy Teaching Research Institute, Chingelput on the afternoon of the 9th January, 1976.

No. 41-97/75-D.—The President is pleased to appoint Shri R. Bajaj Subramanyan and Dr. L. V. Kannan in a substantive capacity to the posts of Deputy Drugs Controller (India) in the Central Drugs Standard Control Organisation, with effect from the 7th January, 1974 and 6th June, 1975 respectively.

S. P. JINDAL
Dy. Director Admn. (O&M)

New Delhi, the 18th March 1976

No. 38-12/74-CHS.I.—Consequent on his transfer from the C.G.H.S., Delhi, Dr. N. C. Barman, an officer of G.D.O. Grade I of the C.H.S. assumed charge of the post of Medical Officer, Airport Dispensary Dum Dum in the Airport Health Organisation, Calcutta, on the forenoon of the 12th February, 1976.

No. A.12026/5/76-CHS.I.—Consequent on her transfer from the C.G.H.S., Delhi, Dr. (Smt.) N. A. Nath, an Officer of G.D.O. Grade II of the C.H.S. assumed charge of the post of Deputy Assistant Director (Training) in the Central Health Education Bureau, Directorate General of Health Services, New Delhi on the forenoon of the 17th February, 1976.

R. N. TEWARI
Deputy Director Administration (CHS)

NORTH EASTERN COUNCIL

Shillong, the 19th January 1976

No. NEC.125/75.—On his services having been placed at the disposal of the North Eastern Council, Shillong on deputation by the Govt. of India, Agricultural Prices Commission, Department of Agriculture, New Delhi, Shri Gopi Mohan Kanth, permanent Research Investigator Grade 1 (economics), Agricultural Prices Commission, Department of Agriculture, New Delhi is appointed as Research Officer (Statistics) in the North Eastern Council Secretariat in the scale of pay of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300/- P.M. plus other allowances as may be admissible from time to time with effect from 7-1-76 (FN). The officer will be entitled to transit pay and allowances from 4-1-76 to 6-1-76 both days inclusive.

2. The officer may elect to draw either the pay of the post in the parent Department plus a deputation (duty) allowance @ 20% of the basic pay of that post subject to a maximum of Rs. 250/- p.m. or pay of the deputation post whichever is favourable to him in terms of Govt. of India, Ministry of Finance (Department of Expenditure) letter No. F.1(II)-E-II(B)/75 dt. 7-11-75. In case he opts for grade pay plus deputation allowance the pay plus deputation duty allowance will not exceed the maximum of the scale of pay of the deputation post. The option once exercised shall be final and cannot be altered unless a fresh option is exercised in terms of para 8.2. of Govt. of India Ministry of Finance letter mentioned above.

3. The period of deputation will be for two years for the present with effect from 4-1-76 (FN).

D. K. BHATTACHARYA
Secretary

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500016, the 11th March 1976

No. AMD-1/5/76-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri R. C. Sud, permanent Assistant/officiating Superintendent in the Atomic Minerals Division as Assistant Personnel Officer in a purely temporary capacity with effect from the forenoon of October 13, 1975 to the afternoon of December 5, 1975.

The 15th March 1976

No. AMD-1/5/76-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy, hereby appoints Sri Som Nath Sachdeva, permanent Assistant/officiating Superintendent of the Atomic Minerals Division, as Assistant Personnel Officer in the same Division in a purely temporary capacity w.e.f. the forenoon of 2nd March, 1976 and upto and including 17th May, 1976 vice S/Shri A. D. Bhatia and D. R. Tuli, Assistant Administrative Officers granted leave.

S. RANGANATHAN
Sr. Administrative & Accounts Officer

REACTOR RESEARCH CENTRE

Kalpakkam, the 26th February 1976

No. RRC/PF/100/71-2218.—Consequent on the shifting of his headquarters from Kalpakkam to Trombay, Bombay, Shri Suresh Yeshwant Joshi, a temporary SO(SB) of this Centre, relinquished charge of his post on the afternoon of August 1, 1975 at Kalpakkam and assumed charge of the post at Bombay on the forenoon of August 11, 1975.

K. SANKARANARAYANAN
Senior Administrative Officer

DEPARTMENT OF SPACE
INDIAN SPACE RESEARCH ORGANISATION
SHAR CENTRE

SRIHARIKOTA COMMON FACILITIES
(PERSONNEL MANAGEMENT DIVISION)

Sriharikota-524124, the 1st March 1976

No. SCF/PMD/E/1.72.—Sbri Hari Venkateswara Rao, Technical Assistant 'C', Sriharikota Launch Complex, SHAR

CENTRE, Sriharikota of the Department of Space is appointed as Engineer SB in the Scale of pay of Rs. 650—30—740—35—880—EB—40—960 in an officiating capacity in the same centre with effect from the forenoon of 13-1-1976 and until further orders.

Y. JANARDANA RAO
Project Officer

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION

INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 11th March 1976

No. E(1)04091.—On attaining the age of superannuation, Shri A. K. Basu, Officiating Assistant Meteorologist, Office of the Director, Regional Meteorological Centre, Bombay retired from Govt. service with effect from the afternoon of 31st January, 1976.

No. E(1)04193.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri K. K. Bhowmik, Prof. Assistant, Office of the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of eighty nine days with effect from the forenoon of 20-2-1976 to 18-5-1976.

Shri Bhowmik, Officiating Assistant Meteorologist remains posted to the office of the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta.

No. E(1)04296.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri R. N. Sen, Professional Assistant, Office of the Director, Regional Meteorological Centre, New Delhi, as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of fiftyone days with effect from the forenoon of 10-2-76 to 31-3-76.

Shri R. N. Sen, Offg. Assistant Meteorologist remains posted to the office of the Director, Regional Meteorological Centre, New Delhi.

No. E(1)05132.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri M. L. Ghose, Professional Assistant, Office of the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta, as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of Eightynine days with effect from the forenoon of 20-2-1976 to 18-5-1976.

Shri Ghose, Offg. Assistant Meteorologist remains posted to the office of the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta.

No. E(1)05438.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri R. K. Madan, Prof. Assistant, Office of the Director, Regional Meteorological Centre, New Delhi as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of eighty nine days with effect from the forenoon of 16-2-1976 to 14-5-1976.

Shri Madan, Officiating Assistant Meteorologist remains posted to the office of the Director, Regional Meteorological Centre, New Delhi.

No. E(1)07161.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri Onkari Prasad, Professional Assistant, Headquarters office of the Director General of Observatories, New Delhi as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of fiftyone days with effect from the forenoon of 10-2-1976 to 31-3-1976.

Shri Onkari Prasad, Offg. Assistant Meteorologist, remains posted to Headquarters Office of the Director General of Observatories, New Delhi.

M. R. N. MANIAN
Meteorologist
for Director General of Observatories

OFFICE OF THE COLLECTOR OF CENTRAL EXCISE
CENTRAL EXCISE DEPARTMENT

Guntur, the 13th February 1976

No. 15.—The following permanent Senior Grade Inspectors of Central Excise, have been appointed to officiate until further orders as Superintendents of Central Excise, Class-II in the Central Excise Collectorate, Guntur. They have assumed charge as Superintendents of Central Excise, Class-II with effect from the dates noted against each.

Sl. No.	Name of the Officer	Station	Date of assumption of charge as Superintendent of Central Excise Class-II
S/Shri			
1.	V. Subbarayudu . . .	I.D.O. II, Visakha-patnam.	28-11-1975 (F.N.)
2.	A. Sesagiri Rao . . .	P. & I. I.D.O., Eluru	20-11-1975 (F.N.)
3.	M. Ramamohana Rao . .	I.D.O. II, Guntur	9-12-1975 (F.N.)
4.	K. Anjaneyulu . . .	MOR III, Guntur of I.D.O. I, Guntur	27-12-1975 (F.N.)

No. 16.—The following Superintendents of Central Excise, Class-II have been retired from service with effect from the dates noted against each, under the provisions of F.R. 56 (J).

Sl. No.	Name of the Officer	Station	Date of retirement from the service
S/Shri			
1.	V. M. Luther, . . .	I.D.O. Ongole	30-9-1975
	Permanent Superintendent of Central Excise, Class-II.		(A.N.)
2.	N. Krishna Rao . . .	M.O.R. Nandigama	20-12-1975
	Permanent Superintendent of Central Excise, Class-II.		
3.	M. Munawar Hussain . .	M.O.R., Kakinada	24-12-1975
	Permanent Superintendent of Central Excise, Class-II.		
4.	V. Venkateswarlu . . .	I.D.O., Eluru	22-12-1975
	Officiating Superintendent of Central Excise, Class-II.		

No. 17.—Shri P. Seshachalam, Permanent Superintendent of Central Excise, Class II, Integrated Division I of Guntur Central Excise Collectorate has retired from service with effect from 3rd October, 1975.

No. 18.—The following Officiating Superintendents of Central Excise, Class-II of Guntur Central Excise Collectorate expired on the dates noted against each.

Sl. No.	Name of the Officer	Station	Date of Death
1.	Sri N. Mallikharjuna Rao	I.D.O.-II Visakha-patnam	9-10-1975
2.	Sri Y. Sree Rama Rao	Hqrs. Office, Guntur	27-10-1975
3.	Sri G. Anandaiah	M.O.R. Inkollu of I.D.O., Ongole.	21-11-1975

S. K. SRIVASTAVA
Collector

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-22, the 10th March 1976

No. A-190112/509/74-Adm.V.—The Chairman, Central Water Commission is pleased to appoint Shri Hari Shankar Singh, Supervisor, Central Water Commission to officiate as Extra Assistant Director/Assistant Engineer/Assistant Research Officer (Engg.) in the Central Water Commission on a purely temporary and *ad-hoc* basis with effect from 6-11-74 (forenoon) until further Orders. Shri Hari Shankar Singh will be entitled to draw his pay in the scale of pay Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 as Extra Assistant Director/Assistant Engineer/Assistant Research Officer (Engg.) with effect from 6-11-74 (F.N.).

Shri H. S. Singh took over charge of the office of Assistant Engineer in Central Flood Forecasting Control Room, Central Water Commission, Nalbari, Assam under the Central Flood Forecasting Circle of Central Water Commission, with effect from the above date and time.

The 12th March 1976

No. A-19012/46/70-Adm.V.—Consequent upon his appointment to the grade of Research Officer (Chemistry) on *ad-hoc* basis, Shri B. K. Saigal, relinquished the charge of the post of Assistant Research Officer (Chemistry) in the Central Water Commission with effect from the forenoon of 9th February, 1976.

No. A-32012/9/75-Adm.V.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Class-II), the Chairman, Central Water Commission is pleased to appoint Shri B. Someswar Rao, Overseer, to the grade of Assistant Research Officer (Engineering) in the Central Water and Power Research Station, Poona, in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on regular basis in an officiating capacity, with effect from the date and time he takes over charge of the above post.

2. The above officer will be on probation in the cadre of Assistant Research Officer (Engineering), Central Water and Power Research Station, Poona, for a period of two years, from the date of taking over charge of the above post.

The 18th March 1976

No. A-12017/3/76-Adm.V.—In continuation of this Commission's Notification No. A-32014/7/74-Adm.V, dated 16-10-75, the Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri Ch. Bhujanga Rao to the post of Assistant Research Officer (Engineering) in the Central Water and Power Research Station, Poona, in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, on purely temporary and *ad-hoc* basis for a further period upto 30-6-76 or till the post is filled on a regular basis whichever is earlier.

JASWANT SINGH
Under Secretary
for Chairman, C.W. Commission

MINISTRY OF SUPPLY & REHABILITATION
(DEPARTMENT OF SUPPLY)

New Delhi, the 12th March 1976

No. 1/37/72-V.—Shri Bhagwan Harisinghani, Steno Gr. III in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi was charge-sheeted for a major penalty under Rule 14 of the Central Civil Services (Classification, Control & Appeal) Rules, 1965 *vide* Memo No. VIG/47(22)/71 dated 10-11-1972. The inquiry report submitted by the Officer appointed to inquire into the charges against him, had been considered by the Disciplinary Authority who had held that the articles of charge against him had been proved. The Disciplinary authority had, therefore, provisionally come to the conclusion that Shri Harisinghani was not a fit person to be retained in service and so he had proposed to impose the penalty of removal from service on Shri Harisinghani. He was, therefore, given an opportunity of making representation on the penalty proposed *vide* Memo No. 1/37/72-V dated 21-8-1975 which was sent to him at the last known address of Shri Harisinghani i.e. BD-920, Sarojini Nagar, New Delhi.

Shri Harisinghani is directed to file his reply to the aforesaid Memo by 31st March 1976 failing which the matter will be finalised on merits without further reference to him.

R. DAYAL
Director, Deptt. of Supply

(DEPARTMENT OF REHABILITATION)

OFFICE OF THE CHIEF MECHANICAL ENGINEER
REHABILITATION RECLAMATION ORGANISATION

Jeypore-764003, the 16th March 1976

No. PF/G/38.—The resignation dated 16-10-1975 tendered by Shri Ajaib Singh from the post of Assistant Engineer, RRO is hereby accepted with effect from the Afternoon of 3-2-1976.

N. SATHYAMURTHY
Operational Engineer

DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS
COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
The South Arcot Veeranarayani Produce and Commerce
Limited*

Madras-6, the 11th March 1976

No. 2541/Liqn/S.247(5)/75.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 247 of the Indian Companies Act 1913 that the name of The South Arcot Veeranarayani Produce and Commerce Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
The Rasipuram Mills Limited*

Madras-6, the 11th March 1976

No. 2309/Liqn/S.560/75.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act 1956 that the name of The Rasipuram Mills Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
The Shanmuga Vilas Theatres Limited*

Madras-6, the 11th March 1976

No. 2681/Liqn/S.560(5)/75.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of The Shanmuga Vilas Theatres Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

(Sd./-) ILLEGIBLE
Additional Registrar of Companies
Madras

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. Pure Milk Supply Company Limited (In Liquidation)*

Jullundur, the 11th March 1976

No. Stat/Liqn/1786/2362.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Pure Milk Supply Company Limited (In Liquidation) has this day been struck off and the said company is dissolved.

P. S. MATHUR
Registrar of Companies, Punjab
Himachal Pradesh & Chandigarh

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
Luminescent Lamps of India Limited*

Calcutta, the 12th March 1976

No. 27149/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Luminescent Lamps of India Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. J. C. Company Private Limited*

Calcutta, the 12th March 1976

No. 21396/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the J. C. Company Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
Bharat Iron & Steel Co. Limited*

Calcutta, the 12th March 1976

No. 8869/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Bharat Iron & Steel Co. Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

S. C. NATH
Asstt. Registrar of Companies
West Bengal

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
Studio K. S. Kohli Private Limited (In Liq.)*

Delhi, the 18th March 1976

No. Liqn/3586/4829.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Studio K. S. Kohli Private Limited (In Liq.) has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
Trade Extension Syndicate Private Limited (In Liq.)*

Delhi, the 19th March 1976

No. Liqn/3605/4860.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Trade Extension Syndicate Private Limited (In Liq.) has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

H. S. SHARMA
Asstt. Registrar of Companies
Delhi

INCOME TAX ESTABLISHMENT GAZETTED

Bombay, the 10th March 1976

No. 1470.—In exercise of the powers conferred by the sub-section (2) of the Section 117 of I.T. Act, 1961 (Act 43 of 1961), I Shri O.V. Kuruvilla, Commissioner of Income-tax, Bombay City-I, Bombay have appointed the undermentioned Inspectors of Income-tax to Officiate as Income-tax Officers Class-II with effect from the date shown against their name and until further orders.

S/Shri

1. M. P. Mehwala, Inspector, Central, Bombay	29-9-75 (A.N.)
2. M. M. Srivastava, Inspector, C.I.T.'s Office, Bombay	4-2-76 (F.N.)
3. G. V. Samant (Mrs.) Insp. C.I.T.'s Office, Bombay	9-2-76 (F.N.)
4. J. H. Mulky (Mrs.) Insp. C.I.T.'s Office, Bombay	4-2-76 (A.N.)

5. C. Fernandez, Insp. C.I.T.'s Office, Bombay	4-2-76 (A.N.)
6. V. G. Naik, Inspector, C-V Ward, Bombay	5-2-76 (F.N.)
7. M. I. Patel, Inspector, C-V Ward, Bombay	5-2-76 (F.N.)
8. A. R. Awale (Mrs.), Insp., B-III Ward, Bombay	4-2-76 (F.N.)
9. V. Chellapan, Insp., Audit Office, Bombay	4-2-76 (F.N.)
10. P. H. Ajwani, Insp., Audit Office, Bombay	4-2-76 (F.N.)
11. S. V. Sawant, Inspt., Audit Office, Bombay	4-2-76 (F.N.)
12. R. A. Parikh, Insp., A-I Ward, Bombay	4-2-76 (F.N.)
13. P. K. Godbole, Insp., Film Circle, Bombay	4-2-76 (F.N.)
14. J. C. Phillips, Insp. GA Ward, Bombay	7-2-76 (F.N.)
15. I. B. Shaikh, Inspector, Com. Cir. III, Bombay	4-2-76 (F.N.)
16. M. S. Deshpande, Insp., A. R. Office, Bombay	4-2-76 (F.N.)
17. C. Anandan, Inspector, A-IV, Ward, Bombay	4-2-76 (F.N.)
18. S. R. Pillai, Inspector, Central, Bombay	5-2-76 (F.N.)
19. P. C. Pawar, Inspector, A-III Ward, Bombay	5-2-76 (F.N.)
20. S. T. More, Inspector, Aq. Office, Bombay	5-2-76 (F.N.)
21. W. A. Sequeira, Inspector, S. B. II, Bombay	5-2-76 (F.N.)

2. They will be on probation for a period of two years in terms of letter F. No. 22/3/64-Ad. V dated 25-4-1975 from the Government of India, Ministry of Finance (Dept. of Revenue), New Delhi. The period of probation may, if necessary be extended beyond the above period. Their confirmation and or retention in the post will depend upon successful completion of the probationary period.

3. Their appointments are made on a purely temporary and provisional basis and liable to terminate at any time without notice.

O. V. KURUVILLA,
Commissioner of Income-tax
Bombay City-I, Bombay.

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

Amendment to the Notice for the Indian Administrative Service etc. Examination, 1976.

New Delhi-110011, the 17th April 1976

No. F.1/17/75-E.I(B).—In the Union Public Service Commission Notice No. F.1/17/75-E.I(B), dated 27th March, 1976, relating to the Indian Administrative Service etc. Examination, 1976, published in the Gazette of India, dated 27th March, 1976 the following shall be substituted for item (iii) of para 5 of Annexure II, (Instructions to Candidates) :—

(iii) A candidate who has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania or who is an Indian repatriate from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia, claiming age concession under Rule 7(b)(vi) should produce an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may, for the time being, be resident to show that he is a bona fide migrant from the countries mentioned above.

B. R. TALWAR,
Under Secy.
Union Public Service Commission.

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH
156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 9th March 1976

Ref. No. KNL/725/75-76.—Whereas, I, V. P. MINOCHA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 9, at Session House Marg, situated at Karnal, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal in July, 1975.

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. (i) Shri Kailash Beri, s/o Shri Gopal Dass Beri,
(ii) Smt. Shanti Devi, w/o Shri Gopal Dass Beri,
(iii) Shri Vijay Kumar s/o Shri Gopal Dass,
R/o 8/27, East Patel Nagar,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Jai Singh, s/o Ch. Mohan Lal Namberdar,
R/o Plot No. 9, Session House Marg,
Karnal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 9, Session House Marg, Karnal (6986 sq. ft.).
(Property as mentioned in the Registered Deed No. 2640 of July, 1975 of the Registering Officer, Karnal.)

V. P. MINOCHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 9-3-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Amrik Singh Mehta,
s/o Dr. Lehna Singh,
c/o Room No. 304, Ambassador Hotel,
Sujan Singh Park,
New Delhi.

(Transferer)

(2) Shri Manmohan Krishan,
s/o Shri Raghubar Dayal,
s/o Shri Ram Datt,
R/o Mandi Bali Ram, Ambala City.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share of landed property out of Khata No. 134/231, Khasra No. 215, measuring 47 kanals 15 marlas situated in Village Patti, Mehar No. 58, within municipal limits of Ambala City.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 753 of July, 1975 of the Registering Officer, Delhi.)

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

V. P. MINOCHA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 11-3-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Amrik Singh Mehta,
s/o Dr. Lehna Singh,
c/o Room No. 304, Ambassador Hotel,
Sujan Singh Park,
New Delhi.

(Transferer)

(2) Shri Jagan Nath,
s/o Shri Ram Sarup Aggarwal,
Sadar Bazar,
Ambala Cantt. (Ahata R. B. Banarsi Dass).

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH
156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 11th March 1976

Ref. No. UMB(DLI)/1345/75-76.—Whereas, I,

V. P. MINOCHA,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/3rd landed property within Municipal limits of Ambala City, situated at Village Patti Mehar No. 58, Tehsil Ambala,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in July, 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share of landed property out of Khata No. 134/231, Khasra No. 215, measuring 47 kanals 15 marlas situated in Village Patti Mehar No. 58, within municipal limits of Ambala City.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 755 of July 1975 of the Registering Officer, Delhi.)

V. P. MINOCHA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 11-3-1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH
156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 11th March 1976

Ref. No. UMB/(DLI)/1344/75-76.—Whereas, I, V. P. MINOCHA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/6th landed property within municipal limits of Ambala City, situated at Village Patti Mehar No. 58, Tehsil Ambala, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in July, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

1. Shri Amrik Singh Mehta,
s/o Dr. Lehna Singh,
c/o Room No. 304, Ambassador Hotel,
Sujan Singh Park,
New Delhi.

(Transferor)

2. (i) Smt. Bishan Kaur, wd/o Shri Pritam Singh,
(ii) Smt. Kamlesh Devi, w/o Shri Didar Singh,
(iii) Smt. Anand Rani w/o Shri Waryam Singh,
Residents of 4273/2, Chowk Darzian,
Ambala City.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/6th share of landed property out of Khata No. 134/231, Khasra No. 215, measuring 47 kanals 15 marlas situated in Village Patti, Menar No. 58, within municipal limits of Ambala City.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 754 of July, 1975 of the Registering Officer, Delhi.)

V. P. MINOCHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 11-3-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
 ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH
 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 11th March 1976

Ref. No. UMB/(DLI)/1346/75-76.—Whereas, I,
V. P. MINOCHA,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Chandigarh,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/6th landed property within municipal limits of Ambala City, situated at Village Patti Mehar No. 58, Tehsil Ambala,
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi in July, 1975,
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

1. Shri Amrik Mehta,
 s/o Dr. Lehna Singh,
 c/o Room No. 304, Ambassador Hotel,
 Sujan Singh Park,
 New Delhi.

(Transferor)

2. Sarvshri
 (i) Didar Singh, s/o Pritam Singh
 (ii) Waryam Singh, s/o Pritam Singh,
 (iii) Sukhdev Singh, s/o Pritam Singh,
 Residents of 4273/2, Chowk Darzian,
 Ambala City.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/6th share of landed property out of Khata No. 134/231, Khasra No. 215, measuring 47 kanals 15 marlas situated in Village Patti Mehar No. 58, within municipal limits of Ambala City.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 756 of July, 1975 of the Registering Officer, Delhi.)

V. P. MINOCHA,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 11-3-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Sant Ram, s/o Shri Kanshi Ram,
Resident of Sakligar Mohalla,
S.B., Ambala Cantt.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

1)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH
156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 11th March 1976

Ref. No. UMB/236/75-76.—Whereas, I,
V. P. MINOCHA,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh,
being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act') have reason to believe that
the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
Shop four storeyed No. 5560, situated at D. C. Road, S.B.
Ambala Cantt,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the
Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
Ambala in July, 1975,
for an apparent consideration which
is less than the fair market value of the aforesaid property and
I have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent considera-
tion and that the consideration for such transfer as agreed
to between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which bought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(2) i. Shri Shiv Kumar, s/o Shri Dharam Pal,
ii. Shri Parvin Kumar, s/o Shri Dharam Pal,
iii. Shri Harish Kumar, s/o Shri Dharam Pal,
iv. Shri Sandip Kumar, s/o Shri Naresh Kumar,
Rs/o 126-B, Staff Road,
Ambala Cantt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said pro-
perty may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said im-
movable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop four storeyed No. 5560, D.C. Road, S. B. Ambala
Cantt.
(Property as mentioned in the Registered Deed No. 1851
of July, 1975 of the Registering Officer, Ambala.)

V. P. MINOCHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 11-3-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Gian Chand Khanna,
s/o Shri Bishan Dass,
S-17, Panchahila Park,
New Delhi-17.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH
156, SECTOR 8-B

Chandigarh, the 9th March 1976

Ref. No. CHD/976/75-76.—Whereas, I,
V. P. MINOCHA,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Chandigarh,
being the Competent Authority under Section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have reason to
believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Plot No. 765-P, Sector 8-B, situated at Chandigarh,
(and more fully described
in the Schedule annexed hereto), has been transferred under
the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
Chandigarh in September, 1975,
for an apparent consideration which is less than
the fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

(2) Shri Ashok Khanna,
s/o Shri M. L. Khanna,
House No. 759, Sector 8-B,
Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the Said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Vacant Plot No. 765-P, Sector 8-B, Chandigarh.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

V. P. MINOCHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons,
namely :—

Date : 9-3-1976

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH
156, SECTOR 9-B**

Chandigarh, the 12th March 1976

Ref. No. PTA/640/75-76.—Whereas, I,
V. P. MINOCHA,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh,
being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that
the immovable property, having a fair market value exceeding
Re. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 8 kanal situated at Village Tripri, Tehsil &
District Patiala,
(and more fully described
in the Schedule annexed hereto), has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office
of the Registering Officer at

Patiala in July, 1975,
for an apparent consideration which is
less than the fair market value of the aforesaid property and
I have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent considera-
tion and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has
not been truly stated in the said instrument of transfer with
the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the 'Said Act',
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or Said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, In pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following
persons, namely :—
19—26G1/76

(1) Shri Harinder Singh Grewal,
s/o Shri Harcharan Singh Grewal,
R/o Bibrian Street, Lahauri Gate,
Patiala.

(Transferor)

(2) i. Smt. Satwant Kaur, w/o Shri Kapur Singh,
Tilla Mansoori Mohalla, Sirhind.
ii. Shri Satinderpal Singh Gill, s/o Shri Arjan Singh,
R/o Village Dangarh, District Sangrur.
iii. Smt. Anita Dhamija, w/o Shri Subhash Dhamija,
iv. Shri Subhash Dhamija, s/o Shri Sham Lal,
c/o P.S.E.B. Patiala.
v. Smt. Gurcharanjit Kaur, w/o Shri Surinder Singh,
R/o Gurbax Colony, Patiala.
vi. Smt. Sukhbir Kaur, w/o Shri Amarjit Singh,
vii. Shri Amarjit Singh, s/o Shri Waryam Singh
c/o Excise & Taxation Office, Ropar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the date
of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 8 kanal situated at Village Tripri Saldam,
Tehsil and District Patiala.
(Property as mentioned in the Registered Deed No. 1853
of July, 1975 of the Registering Officer, Patiala.)

V. P. MINOCHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 12-3-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Harinder Singh Grewal, s/o Shri Harcharan Singh Grewal, Resident of Bibrian Street, Lahauri Gate, Patiala,
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH, 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 12th March 1976

Ref. No. PTA/642/75-76.—Whereas, I, V. P. Minocha, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, measuring 9 kanal and 11 marla, situated at Village Tripri Saidan, Tehsil and District Patiala, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in July, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

(2) (i) Smt. Parveshmohinder Kaur, w/o Shri Nirpinder Singh Chahal, R/o Chahal Kothi, Patiala; (ii) Shri Inderjit Singh Gill, s/o Shri Manu Singh, Gill Street, Nabha.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 9 kanal and 11 marlas situated at Village Tripri Saidan, Tehsil and District Patiala.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 1899 of July, 1975 of the Registering Officer, Patiala).

V. P. MINOCHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Chandigarh

Date : 12-3-1976.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
CHANDIGARH, 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 12th March 1976

Ref. No. JGR/1041/75-76.—Whereas, I, V. P. Minocha, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land, measuring 63 kanal and 7 marla out of land 126 kanal and 14 marlas, situated at Village Rasulpur, Tehsil Jagraon,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagroon in July, 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent to such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, In pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri Kartar Singh alias Kartar Singh, s/o Shri Arjan Singh, R/o Village Rasulpur through Shrimati Gurdial Kaur, Mukhtiar-um, Lohagarh, Tehsil Zira.
(Transferor)

(2) Sarvashri (i) Darshan Singh, (ii) Manjit Singh, sons of Gurdial Singh, (iii), Naib Singh, (iv) Major Singh, sons of Sohan Singh, R/o Village Rasulpur, Tehsil Jagraon.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land, measuring 63 kanal and 7 marla out of land 126 kanal and 14 marlas, situated in Village Rasulpur, Tehsil Jagraon, District Ludhiana.

Jama :	850 1200'	685 1002'	686 1003'	1080 1499'	1114 1535'	1379 1825'
1454		Kila No. 48		49		
1915			6-15-16-25		11-10-12-21-22-20-19	
					1	
70				71	Jamabandi 1972s73.	
10-12-19-1-2-11-20-9				4-5		
	1					

V. P. MINOCHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Chandigarh

Date: T2-3-1976.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH, 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 12th March 1976

Ref. No. CHD/222/75-76.—Whereas, I, V. P. Minocha, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop-cum-flat site No. 11-12, Sector, 22-C, situated at Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in July, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

(1) (i) Shri Krishan Kumar, s/o Shri Nitya Nand, (ii) Smt. Vidya Wati, widow of Late Shri Nitya Nand, (iii) Shri Shiv Raj, s/o Shri Nitya Nand, (iv) Smt. Shoba Rani, d/o Shri Nitya Nand, (v) Smt. Shanta Rani, d/o Shri Nitya Nand, (vi) Smt. Swaran Lata, w/o Shri Virender Kumar, Residents of 12-A, Sunder Nagar Market, New Delhi.

(Transferor)

(2) (i) Shri Gurcharan Singh, s/o Shri Harnam Singh, (ii) Smt. Gurdial Kaur, w/o Shri Gurcharan Singh, Residents of Village & P.O. Behrampur Zamindari, Tehsil and District Ropar, (iii) Smt. Kirpal Kaur, w/o Shri Harcharan Singh, (iv) Smt. Jaswant Kaur, w/o Shri Gurdip Singh, Residents of Village & P.O. Moranwali, Tehsil Garhshanker, District Hoshiarpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop-cum-flat No. 11-12, Sector 22-C, Chandigarh.

V. P. MINOCHA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Chandigarh

Date : 12-3-1976.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27**

Bangalore-27, the 2nd March 1976

C. R. No. 62/4526/76-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House bearing Municipal Door No. 294/15, VII Cross, Gokul Ist Stage, IV Phase, situated at Kamala Nehru Extension, Yeshwanthpur, Bangalore-22, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajajinagar Bangalore. Document No. 1503/75-76 on 2-7-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

1. (1) Shri K. R. Dharma Bhushan s/o Late K. Rajasimba Rao (2) Smt. Lakshmi Bai, w/o K.R.D. Bhushan. (3) Sri D. Keshava Murthy. (4) Sri D. Prahalada Rao S/o K. R. D. Bhushan. All residing at :—No. 242, Sampige Road, Malleswaram, Bangalore-3.

(Transferor)

2. Sri Abdul Subhan S/o Sri Abdul Rehman, Electrical Contractor, 294/15, VII Cross, Kamala Nehru Extension, Yeshwanthpur, Bangalore-22.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered document No. 1503/75-76, Dated 2-7-1975]

House bearing Municipal Door No. 294/15, VII Cross, Gokul I Stage, IV Phase, Kamala Nehru Extension, Yeshwanthpur, Bangalore-22.

Site Area :

East to West : 33 ft.	}	2772 sq. ft.
North to South : 84 ft.		

Plinth :

10 Squares.

Boundaries :

East : Site No. 295, together with vacant space, compound, building structure etc.

West : Road.

North : 4 ft Drain Margin land and site No. 419.

South : Road, (VII Cross Road).

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Date : 2-3-1976

Seal :

FORM ITNS

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27**

Bangalore-27, the 24th February 1976

C. R. No. 62/4548/75-76/ACQ./B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. A portion of premises old No. 56, and New No. 53, Richmond Road, (Division No. 60), situated at Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer.

at Shivajinagar Bangalore. Document No. 1255/75-76 on 9-7-1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of

the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 192 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

- (1) (1) Sri Ziaulla Sheriff, s/o Abdul Gaffar Sahib.
- (2) Sri ZaHoor Ahmed Shariff, s/o Sri Abdul Gaffar Sahib.
Both residing at : 15/2 Primrose Road, Bangalore-25,
No. 2 Sri ZaHoor Ahmed Shariff, represented by his
duly constituted attorney Sri Ziaulla Sheriff under
the General Power of attorney dated 11-7-1974.
(Transferor)
- (2) Mr. Darshan Singh Sethi, s/o Mr. S. S. Sethi,
No. 15/5, Primrose Road, Bangalore-25.
(Transferee)
- (3) Military Estates Officer,
(Person(s) in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

[Registered document No. 1255/75-76, dated 9-7-1975]
A portion of premises old No. 56 and New No. 53, Richmond Road, (Division No. 60), Bangalore.

Site Area :
East to West : 98 ft. }
North to South : 103 ft 9 inches. } 10.094 sq. ft.
Plinth :
3,250 sq. ft.
Boundaries :
North : Private property No. 3, Midford Garden.
South : Portion of this property.
East : Portion of the property No. 53, Richmond Road and.
West : No. 52, Richmond Road.

R. KRISHNAMOORTHY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 24-2-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 2nd March 1976

C. R. No. 62/4567/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. South Eastern portion of site with an old tile roofed building bearing Door No. 3-1-11, situated at Kodial Bail, Mangalore City,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Mangalore Document No. 465/75-76 on 9-7-1975,

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

- (1) (1) Shri William Martis s/o Shri J. Martis, No. 109-H Emerald Mansion, Emerald Hill, Singapore-9.
- (2) Sri Louis Clement Pais, s/o C. Pais, Bejey, Mangalore.
- (3) Smt. Merlyn Saldanha W/o H. R. J. Saldanha, Santa Cruz, Bombay.
No. 1 and 3 by power Agent C. Pais, Advocate, Mangalore.

(Transferee)

- (2) M/s. Nandi Breweries and Distilleries Pvt. Ltd. by its Managing Director, Ashok Shinde S/o Krishnappa, 9th Mile Stone, Tumkur Road, Dasarahalli, Bangalore Distt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered document No. 465/75-76, dated 9-7-1975]
South Eastern portion of site with an old tile roofed building bearing Door No. 3-1-11, Kodial-bail, Mangalore City.

Plinth :

800 sq. ft.

Site Area :

0-24½ cents.

R. KRISHNAMOORTHY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 2-3-1976

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27**

- (1) (1) Shri William Martis, s/o Shri J. Martis, 109-H, Emerald Mansion, Emalad Hill, Singapore-9.
- (2) Shri Louis Clement Pais, s/o C. Pais, Believ, Mangalore.
- (3) Smt. Merlyn Saldanha W/o H. R. J. Saldanha, Santa Cruz, Bombay. No. 1 and 3 by power Agen, C. Pais, Advocate, Mangalore.

(Transferor)

- (2) M/s. Nandi Breweries and Distilleries Pvt. Ltd. by its Managing Director, Ashok Shinde S/o Krishnappa, 9th Mile Stone, Tumkur Road, Dasarahalli, Bangalore Distt.

(Transferee)

Bangalore-27, the 2nd March 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

C. R. No. 62/4568/75-76/ACQ./B.—Whereas, I. R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. North Middle portion of site with an old tile roofed building bearing Door No. 3-1-10, situated at Kodial Bail, Mangalore City (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Manalor, Document No. 466/75.76 on 9-7-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered document No. 466/75-76, Dated 9-7-1975]

North Middle portion of site with an old tile roofed building bearing Door No. 3-1-10, Kodial Ball, Mangalore City.

Site Area :
0-24½ cents.

Plinth :
2.760 sq. ft.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 2-3-1976
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 2nd March 1976

C. R. No. 62/4599/75-76/ACQ./B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

the property being a dry agricultural land measuring 19 Acres, 10 $\frac{1}{2}$ Gunas, out of survey No. 42-H and 42(8) of Kanmanike village, Kengeri Hobli, situated at Bangalore South Taluk,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore. South Taluk—Document No. 2216/75-76 on 31-7-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid property exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

20—26GI/76

(1) Shri N. J. Joseph, S/o N. John, Agriculturist, Neroth House, Power House Ward, Alleppey.

Represented by his power of Attorney Holder Shri T. P. Jos Francis, S/o Pothen Thekkakare, No. 16, North Road, Bangalore-5.

(Transferor)

(2) Shri George T. Verghesse, (Thekkethala House), S/o T. Vargheese Vareed, Mannanike Village, Kengeri Hobli, Bangalore South Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered document No. 2216/75-76, dated 31-7-1975]
The property being a dry agricultural land measuring 19 Acres—10 $\frac{1}{2}$ Gunas out of Survey No. 42-H and 42(8) of Kanmanike Village, Kengeri Hobli, Bangalore South Taluk.

Boundries :

East : Torainala (Sewage Channel).

West : Kadu of remaining portion of S. No. 42.

North : Land owned by Mrs. Rosamma Varcheese and

South : Boundary of Seshagiri Village.

R. KRISHNAMOORTHY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 2-3-1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 19th February 1976

C. R. No. 62/4608/75-76/ACQ./B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Half share in the house bearing old No. 11, and present No. 9, Veerabhadra Naik Lane, situated at Beli Mutt Road, Cottonpet, Bangalore City.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore, Document No. 1640/75-76 17-7-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed, the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

<ul style="list-style-type: none"> (1) (1) Shri B. H. Muni Ram s/o Sri N. Hanumanthappa. (2) Sri B. M. Harsha s/o Sri B. H. Muni Ram (3) Sri B. M. Anantha s/o Sri B. H. Muniram. (4) Smt. B. M. Susheela D/o Sri B. H. Muni Ram, All residing at :—No. 316/C, 9th Main Road, V Block, Jayanagar, Bangalore-11. 	(Transferor)
<ul style="list-style-type: none"> (2) (1) Shri N. Srinivasa. } Ss/o Sri <li style="margin-left: 20px;">(2) Sri B. N. Krishnamurthy } B. H. Narayanaswamy 	Both residing at :—No. 9, Veerabhadra Naik Lane, Beli Mutt Road, Cottonpet, Bangalore city. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDEULE

[Registered document No. 1640/75-76, dated 17-7-1975]
Half share in the house bearing old No. 11 and present No. 9, Veerabhadra Naik Lane, Belimutt Road, Cottonpet, Bangalore city.

R. KRISHNAMOORTHY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 19-2-1976

Seal :

FORM ITNS —————

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 28th February 1976

C. R. No. 62/4649/75-76/ACQ./B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House and its vacant place bearing D. No. 2649, II Main Road, I Block situated at V. V. MOHALLA, Mysore, (and more fully described in the schedule annexed hereto has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Head Quarters, Sub-Registrar, Mysore Document No. 1302/75-76 on 16-7-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) (1) Sri A. Renuk S/o Late Sri B. N. Aradhya.
(2) Sri A. R. Jagadesh.
(3) Sri A. R. Mahadesh.
(4) Sri A. R. Mallikarjun.
(Minors) Represented by their father and Natural Guardian Sri A. Renuk.
All residing at :—897, Kantharaj Urs Road, Mysore-4. (Transferor)
- (2) Dr. G. S. Purushotham Das s/o Late Sri G. Subramanyam represented by his P. A. holder Smt. Gangabayamma, No. 1727, Akbar Road, Mandi Mohalla Mysore-1. (Transferee)
- (3) Lt. CDR. J. D. Panakal (Retd.)
Prop, Ren Agencies (Indane Gas)
No. 1727, Akbar Road, Mandi Mohalla, Mysore-1.
[Person(s) in occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later :
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered document No. 1302/75-76, dated 16-7-1975]
House and its vacant place bearing D. No. 2649, II Main Road, I Block, V. V. Mohalla, Mysore.

Site Area :
East to West : 60 ft. }
North to South : 150 ft. } 9000 sq. ft.
Plinth :
Mangalore Tiled House=5 squares.
Asbestos roofed house=9.60 Squares.
with 'L' shaped house
Total 14.60 square or 15 squares approximately.

Boundries :
East : Bangalow belonging to Sri V. V. Karve.
West : Bangalow belonging to Sri A. R. Viswanatha Setty, bearing No. 2649/1.
North : Conservancy and
South : Road.

R. KRISHNAMOORTHY
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 28-2-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 2nd March 1976

C. R. No. 62/4668/75-76/ACQ./B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Property bearing old No. 566 and New No. 17, situated at Buragala Mutt Road, Now Sajjan Rao Road, V. V. Puram, Bangalore-4 (Division No. 28).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Basavanagudi, Bangalore. Document No. 1500/75-76 on 21-7-1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shrimati V. Padmavathamma, W/o Sri V. Ramaiah Setty,

Old No. 566 and New No. 17, Buragala Mutt Road, Now Sajjan Rao Road, V. V. Puram, Bangalore-4.
(Transferor)

(2) Shri Balakrishna s/o S. Doddananjappa,
No. 5/1, Narayana Setty Pet, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered document No. 1500/75-76, dated 21-7-1975]

Property bearing old No. 556 and New No. 17, Buragala Mutt Road, Now Sajjan Rao Road, V. V. Puram, Bangalore-4, (Division No. 28).

Site Area :

344 ft. × 60 ft. = 2,100 sq. ft.

Boundries :

- East : Government Road.
- West : Venkatananjaiah Setty's house.
- North : Girijamma's house and
- South : Chandraiah Setty's house.

R. KRISHNAMOORTHY

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 2-3-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 25th February 1976

C. R. No. 62/4620/75-76/ACQ./B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/3rd share of the Vendor in the (Northern Half portion of site with a dilapidated building known as B. Arasoji Rao Timber Yard and City Saw Mills' bearing Municipal (old Nos. 111 and 141) and new No. 144, Bhashyam Road, Cottonpet, Bangalore.

situated at Bangalore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore Document No. 1738/75-76 on 25-7-1975,

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

(1) Shri S. Raghuanda Kumar s/o Shri S. N. Subba Rao,
No. 42, K. H. Road, Bangalore-27.
(Junior Officer, United Breweries Ltd.),
Bangalore-1.
(Transferor)

(2) (1) M/s. Deccan Glass Emporium and
(2) M/s. Deccan Boards Emporium.
Registered partnership firms.
No. 241, Chickpet, Bangalore-53 and
No. 37 Bamboo Bazaar, Bangalore-2, respectively.

Represented by :—

(1) Sri Abdul Hussain Dawood Bhai.
(2) Sri Esoof Ally Dawood Bhai.
(3) Sri Saleh Bhai Dawood Bhai.
(4) Sri Mohamed Hussain Abdul Hussain and
(5) Sri Taher Abdul Hussain.
All partners of the said firms.

(Transferee)

(4) (1) Smt. Anasuya Bai.
(2) Smt. Kamala Bai.
(3) Sri K. Sudhakar.
(4) Sri S. Mahendra.
(5) Sri Mohan.
(6) Sri Sadananda.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered document No. 1738/75-76, dated 25-7-1975]
1/3rd share of the Vendor in the (Northern) Half portion of site with a dilapidated building known as 'B. Arasoji Rao Timber Yard and City Saw Mills' bearing Municipal (old Nos. 111 and 141) and New No. 144, Bhashyam Road, Cottonpet, Bangalore.

Entire Site Area :

North to South : On the Eastern side 35 ft. 3 Inches.
North to South : On the Western side 54 ft. 3 inches.
East to West : On the Northern and Southern side 292'.
21,900 sq. ft.
Half of 21,900 sq. ft. = 10,950 sq. ft.
and 1/3rd of 10,950 sq. ft. = 3,650 sq. ft.

Boundaries :

East : Bhashyam Road, (Cottonpet Main Road).
West : Bakshi Garden (Conservancy Lane).
North : Chinn-asandra Muniappa's Land (Bhavani Saw Mills).
South : Block 'B' in plan schedule II allotted to the share of Smt. Kamala Bai.

R. KRISHNAMOORTHY
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 25-2-1976

Seal :

FORM ITNS

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 25th February 1976

C. R. No. 62/4799/75-76/ACQ./B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/3rd share of the Vendor in the (Northern) Half portion of site with a dilapidated building known as 'B. Arasoji Rao Timber Yard and City Saw Mills' bearing Municipal (Old No. 111 and 141) and new No. 144, Bhashyam Road, Cottonpet, Bangalore, situated at Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore. Document No. 2180/75-76 on 30-8-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri S. Mahendra s/o Sri S. N. Subba Rao, No. 294-A, I Floor, 4th Block, Jayanagar, Bangalore-11.
(Transferee)
- (2) (1) M/s. Deccan Glass Emporium and
(2) M/s. Deccan Boards Emporium, Registered partnership firms.
No. 241, Chicket, Bangalore-53 and No. 37, Bamboo Bazar, Bangalore-2, respectively.

Represented by :

- (1) Sri Abdul Hussain Dawood Bhai.
- (2) Sri Essoof Ally Dawood Bhai.
- (3) Sri Saleh Bhai Dawood Bhai.
- (4) Sri Mohamed Hussain Abdul Hussain and
- (5) Sri Taher Abdul Hussain.
All partners of the said firms.

(Transferee)

- (4) (1) Smt. Anasuya Bai.
- (2) Smt. Kamala Bai.
- (3) Sri R. Sudhakar.
- (4) Shri Mohan.
- (5) Shri Sadananda.

Shri S. Raghunanda Kumar.
(Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered document No. 2180/75-76, dated 30-8-75]

1/3rd share of the Vendo in the (Northern) half portion of site with dilapidated building known as 'B. Arasoji Rao Timber Yard and City Saw Mills' bearing Municipal Old Nos. 111 and 141) and New No. 144, Bhashyam Road, Cottonpet, Bangalore.

Entire Site Area :—

North to South : On the Eastern side 35 ft. 3 inches.
North to South : On the Western side 54 ft. 3 inches.
East to West : On the Northern and Southern side 292', 21,900 sq. ft.
Half of 21,900 sq. ft. = 10,950 sq. ft.
and 1/3rd of 10,950 sq. ft. = 3,650 sq. ft.

Boundries :

East : Bhashyam Road, (Cottonpet Main Road).
West : Bakshi Garden (Conservancy Lane).
North : Chinnabandra Muniappa's Land (Bhavani Saw Mills).
South : Block 'B' in plan schedule II allotted to the share of Smt. Kamala Bai.

R. KRISHNAMOORTHY
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 25-2-1976

Seal :

FORM ITNS.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 24th February, 1976

C. R. No. 62/4622/75-76/ACQ./B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Vacant house site bearing No. 93-H, situated at Nandidurga Road, Jayamahal, Bangalore-6 (Division No. 46) (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore. Document No. 1753/75-76 on 26-7-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri M. M. T. Muniswamappa, (Minor), Represented by his father and natural guardian Shri M. M. Thimmaiah, No. 10/11, Thoppal Mudaliar Street, Civil Station, Bangalore-1.

(Transferor)

(2) Miss. R. Alamelu D/o Sri S. Rangaswamy Iyengar, (Group Leader, REMCO Ltd., Mysore Road, Bangalore) No. 52, Victoria Lay out, Bangalore-1.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered document No. 1753/75-76, dated 26-7-1975] Vacant House site bearing No. 93-H, Nandidurga Road, Bangalore-6.
(Division No. 46).

Site Area :

East to West : 66 ft.
North to South : 39 ft 9 inches.
2,624 sq. ft.

Boundaries :

North : Site No. 93-G.
South : Site No. 93-I.
West : Layout road of 30 ft width and
East : Private property.

R. KRISHNAMOORTHY

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date 24-2-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 28th February 1976

C. R. No. 62/4709/75-76/ACQ./B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Northern portion of the property bearing old Nos. 14 and 27, and New Nos. 27-D and 27-C, situated at Sankey Road, High Grounds, Bangalore. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore. Document No. 1491/75-76 on 5-7-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

(1) Shrimati C. Soundaram W/o Sri A. Govindaraj, No. 4/1, Montieth Road, Egmore, Madras-8.
(Transferor)

(2) M/s. Arathi Hotels Private Ltd.
No. 100, Residency Road,
Bangalore-25, represented by its Managing Director
Sri K. L. Ramesh.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered document No. 1491/75-76, dated 5-7-1975]
Northern portion of the property bearing old Nos. 14 and 27, and New Nos. 27-D and 27-C, Sankey Road, High Grounds, Bangalore.

(Site measuring 10555 sq. ft.)

Boundaries :

East : Reserve Bank of India quarters.

West : Sankey Road.

North : Private property and

South : Southern portion of the property bearing Nos. 27-D and 27-C.

R. KRISHNAMOORTHY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 28-2-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 24th February 1976

C. R. No. 62/4793/75-76/ACQ./B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. All that piece and parcel of vacant land bearing No. 44/7, Race Course Road, situated at Bangalore-560 001. (Division No. 44). (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore-560009. Document No. 2122/75-76 on 26-7-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

21—26 GI/76

(1) (1) Capt. Neville Gordon Gill s/o E. R. C. I. Gill and
 (2) Mrs. Barbara Gill W/o Neville Gordon Gill.
 Both residing at :—No. 199, Defence Colony, Indiranagar, Bangalore-560038.

(Transferor)

(2) Mrs. Bhagawati Arya, w/o Prakash Anand Arya C/o Economic Transport Organisation, No. 1/2, I Cross, Kalasipalyam New Extension, Bangalore-560002.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered document No. 2122/75-76, dated 26-7-1975]
 All that piece and parcel of vacant land bearing No. 44/7, Race Course Road, Bangalore-560 001.

Site Area :

East : 55 ft	}	9890 sq. ft.
West : 108 ft.		
North : 80 ft.		
South : 106 ft.		

Boundaries :

North : West End Hotel premises and Plot 44/8, Race Course Road.
 South : Premises No. 44/6, Race Course Road.
 East : Internal Road.
 West : West End Hotel premises.

R. KRISHNAMOORTHY
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range, Bangalore.

Date : 24-2-1976

Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-27, the 28th February 1976

C. R. No. 62/5147/75-76/ACQ./B.—Whereas, I, R.

KRISHNAMOORTHY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Middle portion of premises No. 35, II Cross, III Main Road, New Tharagupet, situated at Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Basavanagudi, Bangalore. Document No. 2318/75-76 on 9-10-1975,

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri M. Krishna Rao Shinde s/o Late Shri Muthoji Rao Shinde,
Prop. Shivaji Soapnut and Oil Mills, New Tharagupet, Bangalore.

(Transferor)

(2) Shri P. Venkatachalampathy, S/o P. Venkatasubbalah Setty,
No. 61/62, East Park Road, Malleswaram,
Bangalore-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered document No. 2318/75-76, dated 9-10-1975]

Middle portion of premises No. 35, II Cross, III Main Road, New Tharagupet, Bangalore.

Site Area :

East to West : On the Northern side = 37
East to West : On the Southern side = 45 } 3895 ft.
North to South : 95'.

Boundaries :

East : The other portion of premises No. 35, in possession of the Vendor.

West : Western portion sold to Sri P. Venkatesh Babu and Sri Balaji Babu.

North : II Cross, III main Road, New Tharagupet, Bangalore and

South : Common passage of 5 ft and beyond that private property belonging to Sri Papanna etc.,

R. KRISHNAMOORTHY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 28-2-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri M. Krishna Rao Shindhe s/o Late Shri Muthoji Rao Shindhe,
Prop. Shivaji Soapnut and Oil Mills, New Tharagupet, Bangalore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-27, the 28th February 1976

C. R. No. 62/5148/75-76/ACQ./B.—Whereas I R. KRISHNAMOORTHY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Eastern portion of premises No. 35, II, Cross, III Main Road, New Tharagupet, situated at Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Basavanagudi, Bangalore. Document No. 2319/75-76, on 9-10-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) Shri K. V. Rajagopala Setty,
No. 296, Shardhananda Bhavan Road, V. V. Puram Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered document No. 2319/75-76, dated 9-10-1975]
Eastern portion of premises No. 35, II Cross, III Main Road, New Tharagupet, Bangalore.

Site Area :

East to West : On the Northern side 22'.	}	2290 sq. ft.
East to West : On the Southern side 26'		
North to South : 95 ft.		

Boundaries :

East : The other portion of premises No. 35, in possession of the Vendor.
West : The portion of the same premises No. 35, purchased by Sri P. Venkatachalapathy.
North : II Cross Road and
South : Common passage of 5 ft area and beyond that Sri Papanna's property.

R. KRISHNAMOORTHY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 28-2-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-27, the 28th February 1976

C. R. No. 62/5154/75-76/ACQ./B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Eastern portion of premises No. 35, II Cross, III Main Road, New Tharagupet, Bangalore situated at Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Basavanagar, Bangalore, Document No. 2357/75-76, on 15-10-1975,

for apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely :—

(1) Shri M. Krishna Rao Shinde s/o Late Shri Mutholi Rao Shinde, Prop. Shivaji Soapnut and Oil Mills, New Tharagupet, Bangalore.

(Transferor)

(2) M/s. P. Venkatachalam Regd. Partnership firm represented by its partner Sri P. Venkatachalam, No. 61/62, East Park Road, Malleswaram, Bangalore-3.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered document No. 2357/75-76, dated 15-10-1975]
Eastern portion of premises No. 35, II Cross, III Main Road, New Tharagupet, Bangalore.

Site Area :

East to West : 15'.] 690 sq. ft.
North to South : 46' 6".	

Boundaries :

East : Vendor's property.
West : K. V. Rajagopal Setty's property.
North : II Cross Road and
South : K. V. Rajagopal Setty's property.

R. KRISHNAMOORTHY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 28-2-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shrimati K. S. Uma,
51/1, Surveyor Street,
Basavanagudi, Bangalore-4.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-27, the 4th March 1976

C. R. No. 62/4533/75-76/ACQ./B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 311/2, 5th Main Road, 1st Block, situated at Jayanagar, Bangalore-11 (Division No. 36) (originally bearing House No. 311 and Division No. 23), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jayanagar, Bangalore Document No. 1274/75-76, on 10-7-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) Shri Vitthal S. Candade (Junior Engineer in B.E.L.)
No. 315, 1st Floor, N.R. Colony, Bangalore-19.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered document No. 1274/75-76, dated 10-7-1975]
House property bearing No. 311/2, 5th Main Road, 1st Block, Jayanagar, Bangalore-11 (Originally bearing House No. 311 and Division No. 23) Now Division No. 36.

Site area :

East to West : 90' on the Northern side and
North to South : 66' on the Southern side
North to South : 40'.
 $90' + 66' \times 40' = 3120 \text{ sq. ft.}$

2

Plinth :
7 Squares.

Boundaries

East : Garden land.
West : Road.
North : Site No. 255 and
South : Site No. 312.

R. KRISHNAMOORTHY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 4-3-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTION ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE.

Bangalore-27, the 4th March 1976

C. R. No. 62/4535/75-76/ACQ./B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Vacant site bearing No. 678, 11th Main Road, IVth Block, situated at Jayanagar, Bangalore-11, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jayanagar, Bangalore, Document No. 1312/75-76, on 14-7-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shrimati T. Lakshmidevamma, W/o T. L. Padmanabhaiah, Door No. 466/A, 3rd Block, Jayanagar Extension, Bangalore-11.

(Transferor)

(2) Shri V. K. Mohammed Yusuf (Minor), represented by father and natural guardian Sri V. K. Mohammed Habibulla, IV Block, Jayasagar, Bangalore-11.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered document No. 1312/75-76, dated 14-7-1975]
Vacant site bearing No. 678, 11th Main Road, 4th Block Jayanagar, Bangalore-11.

Site Area :

East to West : 66'.] 2970 sq. ft.
North to South : 45'.	

Boundaries :

East : 11th Main Road.
West : Site No. 681.
North : Site No. 677.
South : Site No. 679.

R. KRISHNAMOORTHY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 4-3-1976

Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-27, the 4th March 1976

C. R. No. 62/4536/75-76/ACQ./B.—Whereas I, R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Semi corner site No. 430 and a house built thereon IV Block East, 30th Main Road, Hutting Colony, situated at Jayanagar Extension Bangalore-11 (as in schedule), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jayanagar, Bangalore, Document No. 1273/75-76, on 10-7-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shrimati Rokhiyabi w/o Sheik Peer,
Residing at No. 431, IV East Block, Hutting Colony,
Jayanagar, Bangalore-11
(Transferor)
- (2) Shrimati Habibunnisa, w/o Sri M. Abdullah Basha,
Residing at No. 2, Allah Baksh Street, Trirupattur-2,
(North Arcot District), Tamilnadu.
(Transferee)

- (3) (1) Shri Rahmatulla,
Prop. Roshan Stores.
(2) Latest Hair Dressers.
[Persons] in occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

[Registered document No. 1273/75-76, dated 10-7-1975]

Semi corner site No. 430, with R.C.C. construction consisting of a house and two shops, but excluding the wall between house No. 430 and 431 (The two shops have three shutters) at Block No. IV East, Hutting colony, Jayanagar Extension, Bangalore-11

Site Area :

East to West : 29']	870 sq. ft.
North to South 30'.		

Plinth :

Ground floor=9 Squares R.C.C.
Ist Floor=1½ squares Asbestos sheets.

Boundaries :

North : Site No. 377.
South : Road.
East : Road.
West : Site No. 431.

R. KRISHNAMOORTHY

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 4-3-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-27, the 4th March 1976

C. R. No. 62/4538/75-76/ACQ./B.—Whereas I, R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and being No. Premises built on plot Nos. 130, 131 and 132 situated at Lingarajapuram (49th Division) Kempanna Road-Bharathi Sevanagar), Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at ShivaJinagar, Bangalore. Document No. 1150/75-76, on 2-7-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shrimati Kulasambee, 20, Nethaji Road, Civil Station, Bangalore-1.

(Transferor)

(2) Shri Mohiuddin Khan, No. 18, Devaraka Pilliar Street, Tirunathur, (North Arcot District).

(Transferee)

- (3) (1) Shri A. Joseph
- (2) Shri Jagadeesh
- (3) Shri Govindaswamy
- (4) Shri M. Munyswamy
- (5) Shri Swamynathan
- (6) Shri A. Pathinadan
- (7) Shri Krishnan
- (8) Shri Sekhar
- (9) Shri Subramanya,

[person(s) in occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered document No. 1150/75-76, dated 2-7-1975]

Premises built on plot Nos. 130, 131 and 132, Lingarajapuram, 49th Division, (Kempanna Road), (Bharathisevanaganar), Bangalore.

Site Area :

East to West : 50'.
North to South : 45'.4".] 2250 sq. ft.

Plot No. :

16 Squares.

Boundaries :

East : Kullappa's house.
West : Kempanna's Road.
North : Kullappa's house.
South : Subbaiah's house.

R. KRISHNAMOORTHY

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax

Acquisition Range, Bangalore

Date : 4-31976

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE**

Bangalore-27, the 4th March 1976

C. R. No. 62/4684/75-76/ACQ./B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing No. The property being a portion of premises No. New 38, Old Nos. 7 and 8, Kanakapura Road with all that piece and parcel of land together with super structures, fittings etc. formerly known as Kanakanahalli Road (Division No. 33), Basavanagudi, situated at Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Basavanagudi, Bangalore. Document No. 1256/75-76, on 2-7-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

2—26GI/76

(1) Shri P Mohammed Iqbal s/o Late P. Abdul Khader Saheb by his duly constituted General power of Attorney holder Shri M. M. A. Haffz, New No. 38, Kanakapura Road, Basavanagudi, Bangalore-4.
(Transferor)

(2) Shrimati Ameena Khatoon w/o Sri S. A. Ayub, Bangalore Motors, 36, East End Road, Basavanagudi, Bangalore-4.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered document No. 1256/75-76, dated 2-7-1975]

Description of the property :—All that piece and parcel of land together with the old super structure, fittings and fixtures (Garages), now standing thereon being a portion of premises New No. 38, old Nos. 7 and 8, Kanakapura Road, formerly known as Kanakanahalli Road, Division No. 33, Basavanagudi, Bangalore-4.

Site Area :

North to South : =58'.] 2668 sq. ft.
East to West : =46'.

Plinth :

Area of the garages =712 sq. ft.

Boundaries :

North : Neighbour's property.

South : Private property belonging to the purchaser.

East : Neighbour's property and

West : Neighbour's property.

R. KRISHNAMOORTHY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 4-3-1976.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-27, the 2nd March 1976

C. R. No. 62/4670/75-76/ACQ./B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. portion of a residential house bearing No. 63, III Cross, Gavipuram Extension, situated at Bangalore-19, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Basavanagudi, Bangalore. Document No. 1443/75-76 on 16-7-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

1. (1) Shri A. Rangaswamy s/o Sri A. Madhava Iyengar.
(2) Shri A. Sreenath s/o Sri A. Rangaswamy.
Both Residing at : No. 63, 3rd Cross,
Gavipuram Extension, Bangalore-19.
(Transferor)
2. M. C. Ganesh (Minor).
Represented by mother and natural guardian,
Smt. Dhanalakshmi and (2) Smt. Dhanalakshmi
Both Residing at :—No. 63, II Main Cross Road,
Bangalore-19.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered document No. 1443/75-76, dated 16-7-1975]
Portion of a residential house bearing No. 63, II Cross Gavipuram Extension, Bangalore-19.

Site Area :

East West 45'×N.S. 65'=2,925 sq. ft.

Plinth :

124'

Boundaries :

East : Vendor's Property.
South : Vendor's Property.
West : Manjunath's Property.
North : Private Property.

R. KRISHNAMOORTHI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 2-3-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-27, the 2nd March 1976

C. R. No. 62/4674/75-76/ACQ./B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. A portion of the property bearing No. 63, III Cross, Gavipuram Extension, situated at Bangalore-19, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Basvanagudi, Bangalore, Document No. 1383/75-76, on 10-7-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

1. (1) Shri A. Rangaswamy s/o Sri A. Madhava Iyengar.
 (2) Shri A. Sreenath s/o Sri A. Rangaswamy.
 Both Residing at : No. 63, 3rd Cross,
 Gavipuram Extension, Bangalore-19.
 (Transferor)
2. Shri M. C. Chandrasekhar S/o Sri M. C. Naidu.
 (2) Smt. Dhanalakshmi.
 Both Residing at :—No. 63, II Main Cross Road,
 Bangalore-19.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered document No. 1383/75.76 Dated 10-7-1975
 A portion of a residential house bearing No. 63, II cross Gavipuram Extension, Bangalore-19.

Site Area :

East to West 43½'.	} 3003 sq. ft.
North to South : 66'.	

Plinth :

2 squares.

Boundaries :

East : Vendor's Property.
 East : Vendor's Property.
 North : Private Property.
 West : Private property.

R. KRISHNAMOORTHY
 Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Bangalore

Date : 2-3-1976
 Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE**

Bangalore-27, the 10th March 1976

C. R. No. 62/5752/75-76/ACQ./B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

A portion of property bearing No. 63 situated at III Cross, Gavipuram Extension, Bangalore-19. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Basavanagudi, Bangalore. Document No. 1415/75-76 on 14-7-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

- (1) Shri A. Rangaswamy s/o Sri A. Madhava Iyengar.
- (2) Shri A. Sreenath s/o Sri A. Rangaswamy, Both Residing at : No. 63, 3rd Cross, Gavipuram Extension, Bangalore-19, (Transferor)
- (1) Shri M. C. Manjunath s/o Sri M. C. Naidu, (2) Smt. Dhanalakshmi, Residing at :—No. 99, 2nd Main Road, IV Cross, Hanumanthanagar, Bangalore-19. (Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered document No. 1415/75-76, dated 14-7-1975]

A portion of a property bearing No. 63, III cross Gavipuram Extension, Bangalore-19.

Site Area :—

North to South : 60', } 2700 sq. ft.
East to West : 45'. }

Plot/Inch :

4½ squares of old R.C.C. building.

Boundaries :

East : Vendor's Property.

South : Vendor's Property.

North : Private Property.

West : Property belonging to Sri M. C. Chandrasekhara.

R. KRISHNAMOORTHY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 10-3-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Madanlal S/o Shri Sukhlalji Kimtee, 21,
Residency Area and Ratlam Kothi, Indore.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Savitridevi W/o Dr. Gurbux Sahni, 7/3, New
Plasia, Indore.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 4th March 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref No. IAC/ACQ/BPL/76-77.—Whereas, I V. K. SINHA being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 6 Municipal No. 21, Victory Estate Colony, Residency Area, Indore (B. A. Road) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 16-7-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitate the reduction or evasion of liability the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Plot No. 6, Municipal No. 21, Victory Estate Colony, Residency Area, Indore Bombay Agra Road, Indore.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

V. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-3-76.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Sukulal Kishanlal Patel, Orainganj, Jabalpur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 4th March 1976

Ref No. IAC/ACQ/BPL/76-77.—Whereas, I V. K. SINHA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One house situated on the built up area of 2522 sq. ft. Uprain Ganj, Jabalpur situated at Jabalpur

(and more fully described in

the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
at Jabalpur on 25-8-75

for an apparent consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :—

(2) Shri Govindprasad Agrawal, S/o Kishanlalji Agrawal, C/o M/s Swastik Traders, Kotwali Road, Tamabai Chouk, 2, Shri Surajprasad Khandelwal S/o Shri Roopchandji Khandelwal, Miloniganj, Jabalpur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

One house situated on the built up area of 2522 sq. ft. Uprain Ganj, Jabalpur.

V. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 4-3-76.
Seal :

FORM ITNS

(1) 1. Shri Ghanshyamdas, 2. Shri Babulal, sons of Sh. Jagannathprasad, 3. Shri Ramesh Kumar, 4. St. Rajkumar sons of Babulal, 5. Shri Rakeshkumar, 6. Shri Raju Minor, 7. Shri Ratnesh Minor sons of Shri Ramesh Kumar Gurdian Smt. Sahodabai W/o Ghanshyamdas Gadia, Sagar, Sarafa Market, Kotwali Ward, Sagar.

(Transferor)

(2) Sh. Bundelkhandi Kshatriya Swarnakar Samaj Sagar through Shri Gopaldas S/o Sitaram Palya & Others, Sarafa Market, Kotwali Road, Sagar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 4th March 1976

Ref No. IAC/ACQ/BPL/76-77.—Whereas, I V. K. SINHA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Four shops together with a plot measuring 653.2 sq. ft., Gandhi Chouk Ward, Sagar

situated at Sagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sagar on 22-8-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Four shops together with a plot measuring 653.2 sq. ft., Gandhi Chouk Ward, Sagar.

V. K. SINHA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 4-3-76.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Mathuradas S/o Madhodas, Gole Bazar, Jabalpur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Asha Ram S/o Jumedamali Kartara Ward Gujarati Market C/o Pawan Stores, Sagar
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL.

Bhopal, the 4th March 1976

Ref No. IAC/ACQ/BPL/76-77.—Whereas, I V. K. SINHA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

One shop in the area of 61ft.×69ft. in the Gujarati Market situated at Sagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sagar on 18-8-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One shop in the area of 61ft.×69ft. in the Gujarati Market Sagar.

V. K. SINHA,
Competent Authority,
(Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-3-76.

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Sitara Begum W/o Shri Abdul Kalik Musalman,
R/o Satna
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 4th March 1976

Ref No. IAC/ACQ/BPL/76-77.—Whereas, I V. K. SINHA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One house—double storeyed, No. Old 1249/1 and New No. 198/115, Ward No. 13, Ward No. New 66, Satna situated at Satna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Satna on 2-9-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under the Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

23—26G1/76

(2) Shri Ramchand S/o Nothandas Sindhi, 2. Shrimati Bhagwanibai W/o Shri Ramchand Sindhi, R/o Stana
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house—double storeyed, No. Old 1249/1 and New No. 198/115, Ward No. 13, Ward No. New 66, Satna.

V. K. SINHA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 4-3-76.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Abdul Ghani S/o Shri Mohmdhussain, R/o 23/5,
St. No. 2, Daulatganj, Indore.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 15th March 1976

Ref No. IAC/ACQ/BPL/76-77.—Whereas, I V. K. SINHA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 23/5, Street No. 2, Daulatganj, Indore situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 4-7-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) Shri Ahmadali Haji Mulla Akbarali and Shri Haider-ali, Dewaswala

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

House No. 23/5, Street No. 2, Daulatganj, Indore.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

V. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

Date : 15-3-76
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL**

Bhopal, the 15th March 1976

Ref No. IAC/ACQ/BPL/76-77.—Whereas, I V. K. SINHA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Open land 50.83 Acres on Sukh Nivas Road, Indore, West of Vishram Garh, Indore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 18-7-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) 1. Princess Usha Trust, 2. Devi Ahilyabai Holkar Educational Trust, Manik Bagh Palace, Indore.
(Transferor)

(2) Indore Cloth Market Madhyam Vargiya Grah Nirman Sahkari Sanstha Maryadit, 68, M. T. Cloth Market, Indore.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

Open land 50.83 Acres on Sukh Nivas Road, Indore, West of Vishram Grah, Indore.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

V. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 15-3-76

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-V,
AYURVEDIK COLLEGE BUILDING, NETAJI SUBHASH
ROAD, BOMBAY-400002

Bombay-400002, the 12th March 1976

Ref. No. V/376/33/75-76.—Whereas, I, J. M. Mehra, the Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-V, Bombay, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 2, S. No. 85 (Part), H. No. 3 (Pt.) situated at Wadhwali, Chembur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bombay on 30-7-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

In the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

(1) Smt. Laxmibai Mirchand Meghnani.

(Transferor)

- (2) Shri Swaranlal Harsai Obhan & Others
- 1. Shri Swaranlal Harsai Obhan.
- 2. Shri Manmohanlal Harsai Obhan.
- 3. Shri Rameshkumar Harsai Obhan, minor through his father and guardian Shri Harsai Hardas Obhan.
- 4. Shri Devekumar Morchand Obhan.
- 5. Shri Ashok Kumar Morchand Obhan.
- 6. Shri Vijay Kumar Morchand Obhan.
- 7. Shri Nand Kumar Doduram Obhan.
- 8. Shri Narendra Kumar Doduram Obhan.
- 9. Smt. Nayadevi wd./o Doduram Obhan.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land (Agricultural) or grounds situated of Wadhwali in Greater Bombay bearing Plot No. 2 on the plan hereto annexed and admeasuring 924 sq. yards or about 752 sq. metres or thereabout together with the area of 116 sq. yards or 97 sq. metres forming part of S. No. 85, Hissa No. 3 (Part) Survey No. 85, Hissa No. 6 (Part) & Survey No. 94, Hissa No. 2 in the Sub-District Bombay City and Bombay Suburban bearing no City Survey Number and bounded as follows :—

North : Property bearing S. No. 94, Hissa No. 2 and part of Survey No. 85, Hissa No. 6.
 South : Property bearing Part of Survey No. 94, Hissa No. 1 and part of Survey No. 85, Hisas No. 3.
 East : Proposed road and beyond that property bearing part of Survey No. 94, Hissa No. 1.
 West : Property bearing S. No. 85.

J. M. MEHRA,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
 Acquisition Range-V,
 Bombay

Date : 12-3-1976.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Keshav Raoji Bhide.

(Transferor)

(2) Shri Narottam D Shah & Ors.

(Transferee)

(3) Tenants.

(Person in occupation of the Property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE I,
AYURVED COLLEGE BUILDING, 5TH FLOOR, NEAR
CHARNI ROAD STATION, BOMBAY-400002.

Bombay-400002, the 12th March 1976

Ref. No. AR-I/1219-8/July/75.—Whereas, I, V. R. AMIN the Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Bombay being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C. S. No. 21 Tardeo Division situated at 299 Tardeo Rd. (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 8-7-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1972 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Leasehold land & Bldg. standing thereon known as "Shantashram" 299 Tardeo Rd. now known as Jayji Dadaji Road, Bombay-7 admeasuring 648 sq. yards i.e. 531.72 sq. metres, C.S. No. 21 of Tardeo Division, Municipal D-Ward No. 3688 (13) street Nos. 24 and 299.

V. R. AMIN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Bombay

Date : 12-3-1976.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE I, AYURVED COLLEGE BUILDING, 5TH FLOOR, NEAR CHARNI ROAD STATION, BOMBAY-400002.

Bombay-400002, the 12th March 1976

Ref. No. AR-1/1227-16/July/75.—Whereas, I, V. R. AMIN, the Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Bombay being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said' Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C.S. No. 809 of Malabar & Cumballa Hill Div. situated at Mahalaxmi Temple Compound (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 7-7-75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

- (1) Shri Mangaldas Ramchoddas Bhansali. (Transferor)
- (2) Smt. Kirandevi Hari Prasad Garg. (Transferee)
- * (3) Shri Hariprasad L. Garg, Shyamsundar H. Garg. (Person in occupation of the Property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing Cadastral Survey No. 809 of Malabar and Cumballa Hill Division and bearing New Survey No. 1/7099 (part) of D Ward No. 3611 St. No. 25, admeasuring 110 sq. yds. (i.e. 92 sq. mets.) or thereabouts.

V. R. AMIN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-3-1976.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE I,
SMT. K.G.M.P. AYURVED HOSPITAL BUILDING, 5TH
FLOOR, NEAR CHARNI ROAD STATION, BOMBAY-
400002

Bombay-400002, the 12th March 1976

Ref. No. ARI/1239-6/July-75.—Whereas, I, V. R. Amin, the Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Bombay being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 11, C.S. No. 1418 of Fort Division situated at 43, New Marine Lines (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 18-7-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

- (1) (1) Mrs. Goel Kaikobad Shawaksha; (2) Pirojbad Farrok Mulla.
(Transferor)
- (2) Shri Rewachand Ladharam Ramchandani.
(Transferee)
- (3) Transferor.
(Person in occupation of the Property)
- (4) Shri B. J. Lulla (Tenant).
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece of land of the leasehold tenure being plot No. 11 of the Marine Lines Estate formerly belonging to the Trustees of the Improvement of the City of Bombay and now belonging to the Municipal Corporation for Greater Bombay as the Lessors thereof situate on the East side of the Marine Lines, and Esplanade now known as Marine Lines in the Registration Dist. and Sub-Dist. of Bombay City and Bombay Suburban containing by admeasurement 1600 sq. yards or thereabouts equivalent to 1337.76 sq. Metres and registered in the Books of the Collector of the Land Revenue under New Survey No. 8453 (part) and Cadastral Survey No. 1418 of the Fort Division together with the dwelling house and all buildings standing or lying thereof and assessed by the Municipality of Bombay under A Ward No. 3517 and Street No. 43 New Marine Lines and bounded as follows : that is to say, on or towards the North by Plot No. 12 of the Marine Lines Estate of the Municipal Corporation for Greater Bombay, on or towards the East by vacant land vested in the Municipal Corporation for Greater Bombay, on or towards the South by Plot No. 10 of the said Marine Lines Estate, on or towards the West by Marine Lines Road now known as Marine Lines.

V. R. AMIN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Bombay

Date : 12-3-1976.
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Charandas Mekhji & Others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE I, AYURVED COLLEGE BUILDING, 5TH FLOOR, NEAR CHARNI ROAD STATION, BOMBAY-400002.

Bombay-400002, the 12th March 1976

Ref. No. ARI/1249-16/July/75.—Whereas, I, V. R. AMIN, the Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Bombay being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. C. S. No. 1880 Mahim Division situated at Plot No. 171 of Shivaji Park D'dar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 23-7-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

(2) Smt. Kantadevi K. Gupta & Others.

(Transferee)

*(3) Tenants.

(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece of parcel of leasehold land situate at Shivaji Park Dadar, bearing plot No. 171 of the Shivaji Park scheme at Mahim of the Corporation in the city and the Registration District and Sub-district of Bombay City and Bombay suburban and containing by admeasurement 661 sq. yards i.e. 552.66 sq. meters or thereabouts and registered in the books of the collector of Land Revenue under New Survey No. 1547 (part) and Cadastral Survey No. 1880 of the Mahim Division together with all buildings and structure standing thereon and assessed by the Assessor and collector of the Municipality of Bombay under G Ward No. 4696(1) and street No. 11 and bounded on the east, by Plot No. 169 of the said Estate, on the West, by land of the Corporation reserved for the construction of the Marine Drive, on the North by a road 60 feet in width and of the south by plot No. 70 of the Estate.

V. R. AMIN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Bombay

Date : 12-3-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Tehming Bustomji Mistry. (Transferor)
 (2) The United Parsees Co-op. Hsg. Society Ltd. (Transferee)
 (3) Tenants. (Person in occupation of the Property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE I, AYURVED COLLEGE BUILDING, 5TH FLOOR, NEAR CHARNI ROAD STATION, BOMBAY-400002.

Bombay-400002, the 18th March 1976

Ref. No. AR-I/1236-3/July/75.—Whereas, I, V. R. AMIN, the Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Bombay being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act' have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C.S. No. 570/10 Matunga Division Matunga Estate situated at Plot No. 762 of Dadar (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 17-7-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'Said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :

24—26GI/76

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land with the measurages tenements and dwelling houses standing thereon situate on and being Plot No. 762 of Dadar, Matunga Estate of the Board by admeasuring 928.80 sq. Mtrs. C.S. No. 570/10 Matunga Division, Municipal Rates and Taxes under F-Ward No. 6501(4) Street No. 680.

V. R. AMIN,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range,
 Bombay

Date : 12-3-1976.

Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 5th March 1976

Ref. No. P.R. No. 288/Acq.23-552/19-7/75-76.—Whereas,
I, P. N. MITTAL,
being the Competent Authority under Section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have reason
to believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Nondh No. 1932 paiki in Ward No. 2 situated at Sag-
rampura area of Surat
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under
the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of
the Registering Officer
at Surat on 17-7-1975
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated
in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under the
said Act, in respect of any income arising from the
transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been of which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian Income-
tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the
Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
Aforesaid property by the issue of this notice under sub-
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Premvadan Gopaldas Kapadia;
- (2) Surendra Premvadan Kapadia;
- (3) Mukundkumar Premvadan Kapadia;
- (4) Bhupendra Gopaldas Kapadia;
- (5) Hasmukhbhai Chandulal;
- (6) Shashiben Balvantrai;
- (7) Shardaben Maneklal;
- (8) Padma been Kantilal;
- (9) Ranjanben Kantilal;
- (10) Puspaben Jayvadan, Surat.

(Transferor)

(2) M/s. Viswakarma Land Corporation, through its
partners :—

1. Nanubhai Khandubhai Desai;
2. Taraben Ratilal;
3. Champaklal Chunilal Jariwala;
4. Yashwant Chimanlal Shah;
5. Mukul Nanubhai Desai;
6. Tulsibhai Thakordas Manavala;
7. Amritlal Thakordas Manavala;
8. Champaklal Thakordas Manavala.

(Transferee)

(3) 1. Shiv Shakti Enterprises through Jitendra Fulchand Gandhi, Mahadeonagar, Society, Surat,
2. Shri Madhvaji Ravji Chotalia, 3. Shri Kantilal Rajaram Rathod.

(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, whichever
period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XXA of the
Said Act, shall have the same meaning as
given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An immovable property comprising of land bearing Nondh
No. 1932 paiki in Ward No. 2, admeasuring in all 1396.5 Sq.
yds. situated near Ring Road, Opp. Majura Gate, Surat as
fully described in the registered deeds No. 339,340,1340 to
1343 of July, 1975 of the Registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Date : 5-3-1976,

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD.

Ahmedabad-380009, the 5th March 1976

Ref. No. P.R. No. 289/Acq.23-592/19-8/75-76.—Whereas, I, P. N. MITTAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Nondh No. 1932 paiki Ward No. 2, situated at Sagrampura area of Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 18th July 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) of the Said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act'. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Viswakarma Land Corporation through its partners :
- 1. Nanubhai Khaodubhai Desai;
- 2. Taraben Ratilal;

- 3. Champaklal Chunilal Jinvala;
- 4. Yashwant Amritlal Shah;
- 5. Mukul Nanubhai Desai;
- 6. Tulsibhai Thakordas Manvavala;
- 7. Amritlal Thakordas Manvavala;
- 8. Champaklal Thakordas Manvavala, Surat.

(Transferor)

- (2) M/s. Shiv Shakti Enterprises through its partners :
- 1. Jitendra Fulchand Gandhi, Mahadeonagar Society, Ring Road, Surat.
- 2. Mahendrakumar Tulsibhai Manvavala, Bhanderi Vad, Nanpura, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the Said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open land bearing Nondh No. 1932 paiki, admeasuring in all 864 Sq. yds. situated in Ward No. 2, Sagrampura, Near Ring Road, Opp. Majura Gate, Surat as fully described in the registered deeds No. 1899 to 1902 of July, 1975 of the Registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Date : 5-3-1976.

Seal :

FORM ITNS —————

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 5th March 1976

Ref. No. P.R. No. 290/Acq.23-637/19-7/75-76.—Whereas, I, P. N. MITTAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Nondh No. 1932 paiki open land in Ward No. 2 situated at Sagrampura area of Surat (and more fully described in the Schedule annexed here to), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 17-7-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Viswakarma Land Corporation through its partners:
1. Nanubhai Khandubhai Desai;
2. Taraben Ratilal;
3. Champaklal Chunilal Jarivala;
4. Yashwant Chimanlal Shah;
5. Mukul Nanubhai Desai;
6. Tulsibhai Thakordas Manvavala;
7. Amritlal Thakordas Manvavala;
8. Champaklal Thakordas Manvavala; Surat.

(Transferor)

- (2) Shri Madhavji Ravji Chotalia,
Adayara Mohalla, Nagpura, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE**THE SCHEDULE**

An open plot of land bearing Nondh No. 1932 paiki in Ward No. 2, admeasuring 258 Sq. yds, situated near Ring Road and Opp. Majura Gate, Surat as fully described in the registered deed No. 341 of July, 1975 of the Registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Date : 5-3-1976.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 5th March 1976

Ref. No. P.R. No. 291/Acq.23-638/19-7/75-76.—Whereas, I, P. N. Mittal, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Nondh No. 1932 paiki open land in Ward No. 2 situated at Sagrampura area of Surat, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 17-7-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said aforesaid property by the issue of this notice under sub-aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) M/s. Viswakarma Land Corporation, through its partners :

1. Nanubhai Khandubhai Desai;
2. Taraben Patilal;
3. Champaklal Chunilal Jarivala;
4. Yashwant Chimanlal Shah;
5. Mukul Nanubhai Desai;
6. Tulsibhai Thakordas Manvavala;
7. Amritlal Thakordas Manvavala;
8. Champaklal Thakordas Manvavala; Surat.

(Transferor)

(2) Kantilal Rajaram Rathod, Viswakarma Bhuvan, Ambaji Road, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land bearing Nondh No. 1932 paiki in Ward No. 2, admeasuring 238.5 sq. yds. situated near Ring Road and Opp. Rajura Gate, Surat as fully described in the registered deed No. 342 of July, 1975 of the Registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Date : 5-3-1976.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 6th March 1976

Ref. No. P.R. No. 272/Acq.23-556/19-2/75-76.—Whereas, I, P. N. Mittal, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 254, Block No. 263 paiki situated at Village Karel, Tal. Palsana (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ramrej on 8-7-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) 1. Shri Mulchand Lallubhai Patel; 2. Shri Ashokbhai Gokulbhai Patel; 3. Shri Rameshbhai Gokulbhai Patel; Gongpur, Tal. Palsana.
(Transferor)
- (2) Shri Hari Om Paper Mills Pvt. Ltd. Gangadhra through Managing Director : Naginbhai Muljibhai Patel at Ana village; Rambhai Haribhai Patel at Ena, Tal. Palsana, Dist. Surat
(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open land bearing S. No. 254 Block No. 263 paiki admeasuring 6 acres and 35 gunthas situated at village Karel Taluka Palsana Dist. Surat as fully described in the registered sale deed No. 2357 of July, 1975 of the Registering Officer, Kamrej.

P. N. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-3-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Jerambhai Kuberbhai Patel & Shri Nathabhai Kuberbhai Patel, Village Soyan Tal, Palsana, Dist. Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 6th March 1976

Ref. No. P.R. No. 293/Acq.23-566/19-2/75-76.—Whereas, I, P. N. Mittal, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 228 paiki 3 acres & 31 gunthas land situated at village Kareli, Taluka, Palsana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kamrej on 7-7-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) M/s. Dhavalgiri Paper Mills Pvt. Ltd. Gungadhra through Director & President, Shri Lallubhai Bhikhbhai Patel, Bardoli.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open land bearing S. No. 228 paiki admeasuring 3 acres and 31 gunthas situated at village Kareli, Tal. Palsana as fully described in the registered sale deed No. 2352 of July, 1975 of the Registering Officer, Kamrej.

P. N. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date . 6-3-1976.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Madhoprasad Harishanker Tulsiyan Karve Road,
Nanpura, Surat.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 6th March 1976

Ref. No. P.R. No. 294/Acq.23-639/19-8/75-76.—Whereas, I, P. N. Mittal, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Nondh No. 285 Plot No. 3, F. Plot No. 233 paiki situated at Athwa in Ward No. 13, Surat, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 18-7-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land bearing Nondh No. 285 in Ward No. 13 Plot No. 3, final Plot No. 233 admeasuring 560 sq. yds. situated at Athwa, Surat as fully described in the registered deed No. 3218 of July, 1975 of the registering Officer, Surat.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

P. N. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-3-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Ramchandra Jainarain Tulsiyan
Karva Road, Nanpura, Surat.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Sureshchandra Amichand Shah,
Rampura, Tunki Sheri, Surat.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons which-
ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

Ahmedabad-380009, the 6th March 1976

Ref. No. P.R. No. 295 Acq. 23-640/19-8/75-76.—Whereas,
I, P. N. MITTAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

Nondh No. 285, Plot No. 4, ward No. 13 paiki land
situated at Athwa, Surat
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Surat on 18-7-1975

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957).

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein, as
are defined in Chapter XXA of the 'said
Act', shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land bearing Nondh No. 285 Plot No. 4,
in ward No. 13 final Plot No. 234 admeasuring 554 sq yds.
situated at Athwa Surat as fully described in the registered
deed No. 3217 of July, 1975 of the Registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I,
AHMEDABAD

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of section 269D of the said Act to the following persons,
namely :—

25—26GI/76

Date : 6th March 1976
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009**

Ahmedabad-380009, the 8th March 1976

Ref. No. P.R. No. 296 Acq. 23-641/19-7/75-76.—Whereas, I, P. N. MITTAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Ward No. 1, Nondh No. 3272/A/I paiki situated at Kaji Medan, Gopipura, Surat 110 sq. yds. and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat on 10-7-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

- (1) Najmunissa d/o, Gulam Haider Gulam Yasin;
- (2) Maherunissa d/o Gulam Haider/Gulam Yasin;
- (3) Kherunnisa d/o Gulam Haider Gulam Yasin;
Gopipura Kaji Medan, Surat.

(Transferor)

- (2) M/s. Viswakarma Builders & Organisers, through its managing partners :—
1. Girdharlal Nagindas Merchant
2. Dineshchandra Chhotalal Chahwala;
3. Babubhai Nagindas Shethna
710, Havadia Chakla, Ambaji Road, Surat.
(Transferee)

- (3) Panch Ratna Land Developers, 710, Havadia Chakla; Ambaji Road, Surat through; Partner Babubhai Mulchand das Modi, Shantilal Girdharlal (person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An immovable property comprising of land with old structure bearing Nondh No. 3272/A/I paiki admeasuring 110 sq. yds. situated in Ward No. 1 Kaji-Medan, Gopipura, Surat as fully described in sale deed registered under No. 3126 of July, 1975 by registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
AHMEDABAD

Date : 8th March 1976
Seal :

FORM ITNS

(1) The Nonsuch Tea Estates Ltd. Ritz Buildings,
Coonoor-1.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Mahavir & Co, Bazaar Road (Bazaar Road)
Post Box No. 252, Cochin-2.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.

Madras-6, the 9th March 1976

Ref. No. F. 2595/75-76.—Whereas, I G. V. JHABAKH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S.F. No. 16/1 & S.F. No. 16/2 High Forest Estate (708 acres) Kottur village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at ANAMALAI (Doc. No. 841/75) on 4-7-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The High Forest Estate in Kottur village
S.F. No. 16/1 (Part of Block No. 44) 702-25 Acres
S.F. No. 16/2 (Part of Block No. 34) 5-75 "

(Document No. 841/75)

Total 708-00 "

G. V. JHABAKH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

Date : 9-3-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri N. Irudayanathan and Cecilianathan No. 15,
B. K. Chetty Street, Coimbatore.
(Transferor)

(2) Shri K. Kunhutty Sahib Pookkod—Pillakkad
P.O. Kottappadi PIN 680505 (Kerala)
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.

Madras-6, the 9th March 1976

Ref. No. F. 2610/75-76.—Whereas, I G. V. JHABAKH being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. T.S. No. 2/1151, situated at Durgalala Street, Coimbatore (Land & building) more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R., Coimbatore (Doc. No. 2847/75) on 19-7-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said Property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building bearing Door No. 22 (Ward No. 19) Durgalala Street, Coimbatore (T. S. No. 2/1151).

G. V. JHABAKH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 9-3-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri N. Irudayanathan and Cecilianathan
No. 15, B. K. Chetty Street, Coimbatore:
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri K. Kunhutty Sahib Pookkod—Pillakkad
P.O. Kottappadi PIN 680505 (Kerala)
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Madras-6, the 9th March 1976

Ref. No. F. 2610/75-76.—Whereas, I G. V. JHABAKH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the ‘said Act’), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. D. No. 25, situated at Ward No. 19, Durgalala Street, Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at J.S.R., Coimbatore (Doc. No. 2933/75) on 29-7-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building situated at Door No. 25, Durgalala Street, Coimbatore (T. S. No. 2/1151 Ward No. 19).

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

G. V. JHABAKH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 9-3-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. M. R. Annapoorni No. 82, Harvey Nagar
Madurai-16.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri K. K. Shanmugam
No. 39, Rajaji Street,
Erode.

GOVERNMENT OF INDIA

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.

Madras-6, the 9th March 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. 2619/75-76.—Whereas, I, G. V. JHABAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. D. No. 90 & 91, situated at Thirunagar Colony, Erode (1/4th share) (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at J.S.R. I Erode (Doc. No. 3031/75) on 14-7-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share in Door Nos. 90 & 91, Thirunagar Colony, Erode (T.S. No. 21/1).

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

G. V. JHABAKH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 9-3-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) G. S. Krishnakumar (Minor) Guardian Smt. M. R.
Annapoorani, No. 82, Harvey Nagar
Madurai-16.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri K. K. Shanmugam No. 39, Rajaji Street,
Erode.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.

Madras-6, the 9th March 1976

Ref. No. F. No. 2619/75-76.—Whereas, I, G. V. JHABAKH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/4th share in situated at D. No. 90 & 91, Thirunagar Colony, Erode.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at at J.S.R. I Erode (Doc. No. 3032/75) on 14-7-1975 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share in Door Nos. 90 & 91, Thirunagar Colony, Erode (T. S. No. 21/1).

G. V. JHABAKH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 9-3-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) G.S. Noreah Kumar (Minor), Guardian Smt. M. R. Annapoornani No. 82, Harvey Nagar Madurai-16.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri K. K. Shanmugam No. 39, Rajaji Street, Erode.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.

Madras-6, the 9th March 1976

Rfe. No. F. 2619/75-76.—Whereas, I G. V. JHABAKH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/4th share, situated at D. No. 90 & 91 Thirunagar Colony, Erode (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R.I, Erode (Doc. No. 3033/75) on 14-7-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share in D. Nos. 90 and 91, Thirunagar Colony, Erode (T.S. No. 21/1).

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

G. V. JHABAKH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons namely :—

Date : 9-3-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Rajammal Power Agent : Smt. M. R. Anna-poorani No. 82, Harvey Nagar Madurai-16.
(Transferor)

(2) Shri K. K. Shanmugam
No. 39, Rajaji Street Erode.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.

Madras-6, the 9th March, 1976

Ref. No. 2619/75-76.—Whereas, I, G. V. JHABAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1/4th share, situated at D. Nos. 90 and 91, Thirunagar Colony, Erode situated at Nayagaon P.S. Jamalpur, Monghyr (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R.I., Erode (Doc. No. 3034/75) on 14-7-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share in D. Nos. 90 and 91, Thirunagar Colony Erode (T.S. No. 21/1).

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. V. JHABAKH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

26—26GI/76

Date : 9-3-1976

Seal ;

FORM ITNS

(1) Smt. G. Suseela W/o Shri V. Govindaraju
No. 15/2, Alagesan Road, Coimbatore-11.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.

Madras-6, the 12th March 1976

Ref. No. F. 2591/75-76.—Whereas, I, G. V. JHABAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2A, Alagesan, Road (T.S. No. 12/139) Coimbatore situated at East Patel Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gandhipuram (Doc. No. 1926/75) on 16-7-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land (10 cents) and building situated at Site No. 2-A, Alagesan Road, (T. S. No. 12/139) Coimbatore.

G. V. JHABAKH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

Date : 12-3-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri R. Lakshmanan No. 73, Tatabat 11th St., Coimbatore-12.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri R. Raghunathan
S/o Shri Ramachandran Chettiar No. 431 (Maruthi Bhavan) Vysial St., Coimbatore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.

Madras-6, the 12th March 1976

Ref. No. F. 2592/75-76.—Whereas, J. G. V. JHABAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act)

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. T. S. No. 9/7/2, situated at Site No. 12, Cross Cut Road, Coimbatore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

J.S.R. III, Coimbatore (Doc. No. 2870/75) on July 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land (7 Cents & 13 Sft.) and building situated at Site No. 12, Anupparpalayam village, Cross Cut Road, Coimbatore (T.S. No. 9/7/2).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-3-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri S. N. Devarajan @ Rajagodi S/o Shri S. D. Narayanaswami Ayyar, No. 6, Kasturi Ranga Iyengar Road, Madras-18.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.

Madras-6, the 12th March 1976

Ref. No. 2594/75-76.—Whereas, I, G. V. JHABAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax

Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 99, Sarojini St. situated at Ram Nagar, Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R. III, Coimbatore (Doc. No. 2677/75) on 7-7-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Smt. Lakshmi ammal W/o Shri M. S. Nataraja Gounder Landlord, Mathampatti P.O. Coimbatore Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land measuring 25 cents (with shed) and bearing Door No. 99, Sarojini Street, Ramnagar, Coimbatore. (T. S. No. 9/202).

G. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Coimbatore of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 12-3-1976.

Seal :

FORM ITNS—

(1) 1. Shri C. L. Venugopal 2. Smt. Kamalammal No. 42,
Alamelu Mangapuram St., Mylapore, Madras 600 004.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. T. S. Sadunnisa, W/o Shri K.T.M.A. Hussain
Abdul Cader No. 7, Rutland Gate Fourth St.,
Madras-6.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Madras-6, the 18th March 1976

Ref. No. 1865/75-76.—Whereas, I, G. V. JHABAKH being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 2/2B7, 3/2B7, and 3/2D5 Uthandi village, Saidapet Taluk (8 acres & 97 cents) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at JSR Madras (Doc. No. 4949/75 dated 3-7-1975) on 3-7-1975 for an apparent consideration, which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-Tax act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 8 acres & 97 cents and bearing Survey Nos. 2/2B7, 3/2B7 and 3/2D5 Uthandi village, Saidapet Taluk, Chingleput District.

G. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 18-3-1976.

Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) 1. Shri C. L. Venugopal 2. Smt. Kamalammal No. 42, Alamelu Mangapuram St., Mylapore Madras 600 004.

(Transferor)

(2) Smt. T. S. M. Sadunnisa, W/o Shri K.T.M.A. Hussain Abdul Cader No. 7, Rutland Gate Fourth St. Madras 600 006.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.

Madras-6, the 18th March 1976

Ref. No. F. 1865/75-76.—Whereas, I, G. V. JHABAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Old Survey, No. 2/2B7; 3/2B7 and 3/2D5 in Uthandi village, Saidapet Taluk (9 acres) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR Madras (Doc. No. 5019/75) on 5-7-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 9 acres and bearing Old Survey No. 2/2B7, 3/2B7 and 3/2D5 Uthandi village, Saidapet Taluk, Chingleput District .

G. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 18-3-1976.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-1, MADRAS-6

Madras, the 12th March, 1976

Ref. No. IX/2/53(JULY)/1975-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and No. 395-A, R.S. No. 3660/7, situated at Thiruvottiyur High Road, Tondiarpet, Madras-21, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras (Doc. No. 5193/75) on 14-7-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri T. S. T. Rajah,
11 Rajagopal Naidu Street,
Old Washermanpet, Madras-21.
(Transferor)
- (2) Shri A. Arumugasamy,
76, Gollawar Agraharam Road,
Old Washermanpet, Madras-21
(Transferee)
- (3) 1. M. Vairamani and Bros,
2. V. V. Veluswami & Bros.,
3. M. S. Jesudas & Company,
4. K. K. Kuttii,
5. M. Mohamed
(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2 grounds and 175 sq. ft. with building and machinery thereon at door No. 395-A (R.S. No. 3660/7), Thiruvottiyur High Road, Madras-21.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range-1, Madras-6.

Date : 12-3-1976
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri M. Jayaram,
26, Sterling Road,
Madras-600034.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

, Madras-6, the 12th March 1976

No. IX/2/59(JULY)/1975-76. —Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'). have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 55, situated at Harrington Road, Chetput, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras (Doc. No. 5249/75) on 11-7-75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) Smt. Vijayalakshmi Chandramohan,
221, Govindappa Noicken Street,
Madras-600 001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land measuring 3 grounds and 182 sft. forming part of door No. 55, Harrington Road, Chetput, Madras-31.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-1, Madras-6.

Date : 12-3-1976
Seal :

FORM ITNS

5. Smt. Lakshmi Ammal
 6. Madammal,
 7. Meenakshi (minor) &
 8. Shri Jagannathan (minor),
 Kullappa Gounder Street,
 Sanjeeviroyanyet Dadagapatty, Salem-6
 (Transferor)

(2) Shri M. Kalimuthu Pillai,
 Mariamman Koil St.,
 Dadagapatty, Salem 6 and
 Shri R. Muthu Gounder,
 Tiruchi Main Road, Dadagapatty, Salem-6
 (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1)* OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 15th March 1976

No. XVI/1/35(JULY)/1975-76.—Whereas, I,
G. RAMANATHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

T.S. No. 4/2 situated at Dadagapatty village, Andipatty, Salem district.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jt. Sub-Registrar-I, Salem (Doc. No. 2502/75 on July 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Lakshmiyayee Ammal,
 2. Smt. Periathayee Ammal
 3. Smt. Rukmaniammal,
 4. Smt. Palaniammal,

27—26GI/76

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land measuring 3.01 acres in T.S. No. 4/2, Block No. 17, 'H' Ward, Andipatty, Dadagapatty, Salem district.

G. RAMANATHAN,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 15-3-1976.
 Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Dr. M. Karunanidhi,
Managing Trustee, Madurai District,
Diravida Munnetra Kazhagam Charitable Trust,
Madurai at Gopalapuram, Madras 600 086.
(Transferor)

(2) Shri M. K. Jayantha Rao,
159, West Masi Street, Madurai.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 15th March 1976

Ref. No. IX/2/49(JULY)/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 159 situated at West Masi Street, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras (Doc. No. 5106/75) on July 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 23795 sq. ft. with building thereon at door No. 159 (T.S. No. 609/Block 5), West Masi Street, Madurai.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date: 15-3-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Agilandam Pillai &
Shri Ayyasamy Pillai (Minor)
No. 198, Perumalpuram, Palayamcottai,
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Kuthalathammal,
W/o. Karpagavinayaga Thevar,
11/8, East Street, Ilanji 627805.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

Madras-6, the 18th March 1976

No. XXII/1/68(JULY/75-76).—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 72/1 situated at Vallam village, Tenkasi district (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tenkasi (Doc. No. 680/75) on 30-7-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee, for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 10.65 acres in Survey No. 72/1, Vallam village, Tenkasi district.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely—

Date : 18-3-1976.
Seal :

FORM ITNS

(1) Dr. Md. Mumtaz Ali,
B-84/85, West Street,
Kilpauk Garden Colony, Madras-10.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE

INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

(2) Shri Mohamed Gani
Andaman Enterprises,
Andamans, Port Blair.

(Transferee)

(3) Dr. Md. Mumtaz Ali
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

Madras-6, the 18th March 1976

Ref. No. IX/1/117(JULY)/1975-76.—Whereas, I,
G. RAMANATHAN,

being the competent authority under section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 200 situated at Angappa Naicken Street, Madras-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras (Do. No. 5464/75) on 18-7-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Land measuring 2160 sq. ft. with building thereon at door No. 200 (R.S. No. 4532), Angappa Naicken Street, George Town, Madras-1.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 18-3-1976.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Shanmuga Sabapathi,
By mother and guardian Smt. A. Sornam,
Madathur, Erumapatti village, Salem Dt.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Vellappa Gounder,
Perianna Thottam,
Erumapatti village, Sankari Taluk,
Salem District.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Madras-6, the 18th March 1976

Ref. No. XVII/4/21(JULY)/75-76.—Whereas, I,
G. RAMANATHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. Nos. 248/2 & 248/3, situated at Erumpatti village, Salem district (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Makudanchavadi (Doc. No. 984/75) on 1-7-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 4 acres and 35 1/3 cents in Survey Nos. 248/2 and 248/3, Erumapatti village, Salem District.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-1, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 18-3-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Shanmuga Sabapathi,
By mother and guardian Smt. A Sornam,
W/o. K. S. Ramachandra Gounder,
Madathur, Salem district.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Chellappa Gounder,
Perianna Thottam, Erumapatti village,
Sankari Taluk, Salem District.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 18th March 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and experience used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or;

Agricultural lands measuring 4 acres and 35 1/3 cents in survey Nos. 248/2 and 248/3, Erumapatti village, Sankari taluk, Salem district.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

Date : 18-3-1976.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

Madras-6, the 18th March 1976

No. XVII/4/22(JULY)/75-76.—Whereas, I,
G. RAMANATHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
S. Nos. 248/2 & 248/3, situated at
Erumapatti village, Salem district
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Makudanchavadi (Doc. No. 985/75) on 1-7-1975
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Shanmuga Sabapathi,
By mother and guardian Smt. A. Sornam,
Madathur, Erumapatti village, Salem district.
(Transferor)

(2) Shri Palaniappa Gounder, Perianna Thottam,
Erumapatti village, Sankari Taluk, Salem district.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 4 acres and 35 1/3 cents in Survey Nos. 248/2 and 248/3, Erumapatti village, Salem district.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I, Madras-6.

Date : 18-3-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Benu Gopal Bangur and
Balbhadra Das Bangur.

(Transferor)

(2) M/s. Bangur Land Development Corp. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-V
CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 11th March 1976

Ref. No. AC-50/Acq.R-V/Cal/75-76.—Whereas, I, S. S. INAMDAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 164, situated at Prince Anwar Shah Road, P. S. Tollygunge (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Behala (SR Alipore) on 31-7-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 4 cottahs 0 ch. 42 sft. situated at 164 Prince Anwar Shah Road, P.S. Tollygunge, Calcutta being C. S. Dag No. 62 of Khatian No. 562 more particularly as per deed No. 3708 dated 31-7-1975.

S. S. INAMDAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-V, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Date: 11-3-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Selvaraj, Retd. Govt. Servant, Tenkasi,
Tirunelveli District.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(i) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Sahyadri plantation and enterprises Pvt. Ltd; Banerji Road, Ernakulam, Cochin-682018.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, ERNAKULAM
COCHIN-11

Ernakulam, the 9th March 1976

Ref. No. L. C. No. 56/75-76.—Whereas, I S. N. C. NAIR, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Sy. No. as per schedule situated at Rajakkadu village in Kottayam Dist. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Devikulam on 25-7-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as per schedule attached to Document No. 641/75 of Sub Registrar office, Devikulam.

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

S. N. C. NAIR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons namely :—

28—26GI/76

Date : 9-3-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
ERNAKULAM, COCHIN-11

Ernakulam, the 9th March 1976

Ref. L.C. No. 57/75-76.—Whereas, I, S. N. C. NAIR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Rajakkadu village in Kottayam Dist. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Devikulam on 25-7-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Mani Rangaswamy and 4 others through T. Selvaraj, Attorney, Tenkasi, Tirunelveli District.
(Transferees)
- (2) M/s. Sahyadri Plantations and enterprises Pvt. Ltd., Banerji Road, Ernakulam, Cochin-682018.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as per schedule attached to Document No. 642/75 of Sub Registrar office, Devikulam.

S. N. C. NAIR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 9-3-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Kumati Kamala Thangasamy, Planter Tenkasi,
Tirunelveli District
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
ERNAKULAM, COCHIN-11

Ernakulam, the 9th March 1976

Ref. L. C. No. 58/75-76.—Whereas, I, S. N. C. NAIR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Rajakkad village in Kottayam Dist.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Devikulam on 25-7-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269C of the 'said Act' to the following persons, namely:—

(2) M/s. Sahyadri Plantations and Enterprises Private Limited, Banerji Road, Cochin-682018.
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as per schedule attached to Document No. 643/75 of Sub-Registrar Office, Devikulam.

S. N. C. NAIR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Date: 9-3-1976

Seal:

FORM ITNS

(1) Kumari Kamala Thangasamy, Planter, Tenkasi,
Tirunelveli District.
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) M/s. Sahyadri Plantations and Enterprises Pvt.
Ltd., Banerji Road, Cochin-682018.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
ERNAKULAM, COCHIN-11

Ernakulam, the 9th March 1976

Ref. L.C. No. 59/75-76.—Whereas, I, S. N. C. NAIR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per schedule

situated at Rajakkad village in Kottayam Dist, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Devikulam on 25-7-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

Property as per schedule attached to Document No. 644/75 of Sub Registrar office, Devikulam.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

S. N. C. NAIR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Ernakulam

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

Date: 9-3-1976
Seal:

FORM ITNS

(1) Shri T. Selvaraj, Retd., Govt. Servant, Tenkasi, Tirunelveli, District and 4 others.
(Transferors)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) M/s. Sahyadri Plantations and Enterprises Private Limited, Banerji Road, Cochin-18.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE,
ERNAKULAM, COCHIN-11

Ernakulam, the 9th March 1976

Ref. I.C. No. 60/75-76.—Whereas, I, S. N. C. NAIR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No. as per schedule situated at Rajakkad village in Kottayam Dist. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Devikulam on 25-7-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

Property as per schedule attached to Document No. 645/75 of Sub Registrar office, Devikulam.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

S. N. C. NAIR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 9-3-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Kumari Kamala Thangasamy, Planter, Tenkasi, Thirunelveli District.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Sahyadri Plantations and Enterprises Private Limited, Banerji Road, Cochin-682018.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
ERNAKULAM, COCHIN-11

Ernakulam, the 9th March 1976

Ref. L.C. No. 61/75-76.—Whereas, I, S. N. C. NAIR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No. as per schedule situated at Rajakkad village in Kottayam Dist. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Devikulam on 25-9-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as per schedule attached to Document No. 758/75 of Sub Registrar office, Devikulam.

S. N. C. NAIR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date: 9-3-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) (i) Shri P. R. Venkateswaran
(ii) P. R. Balasubramanian
(iii) P. K. Lakshmi Ammal, Puthenkurussi Village,
Puthur amsom desom Palghat Taluk, Palghat District.
(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE,
ERNAKULAM, COCHIN-11

Ernakulam, the 10th March 1976

Ref. C.L. No. 62/75-76.—Whereas, I, S. N. C. NAIR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Palghat District, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kulamannam on 14-7-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

(2) (i) Thazhathu veettill Prabhakaran
(ii) Kunhilakshmi
(iii) Sivaramakrishnan
(iv) Thazhathu veettill Ammu,
(v) Thekkumpuram Veettill Ammukkutty
(vi) Ramachandran, Alathur Taluk,
Palghat District.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as per schedule attached to document No. 1155/75 of S.R.O. Kulamannom.

S. N. C. NAIR
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Date : 10-3-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Janki Bai, W/o Hanuraj, M. No. 3-2-350 at Chappal Bazar, Hyderabad.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Master C. Madhau Bhoopal, by father and guardian
C. R. Bhoopal,
12-Padmaraonagar, Secunderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 8th March 1976

(3) M/s. Pallari 86 Sarojini Devi Road,
Secunderabad.

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. RAC. No. 288/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Portion of 4-1-938/17, situated at Tilak Road, Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 4-7-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property : Portion of House No. 4-1-938/R-17 at Tilak Road, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act' to the following persons, namely.—

Date 8-3-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Geetha Bai W/o Shiv Shankar, 3-2-350 at Chappal Bazar, Hyderabad.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 8th March 1976

Ref. No. RAC. No. 289/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Portion of 4-1-938/R-16 situated at Tilak Road, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 4-7-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

29—26GI/76

- (1) Sri C. Bharath Bhoopal, No. 12 at Padmaraonagar, Secunderabad.
- (3) M/s. Pallavi, 86 Sarojini Devi, Road, Secunderabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Portion of house No. 4-1-938/R-16 at Tilak Road, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 8-3-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Pushpalatha W/o Shivenaran,
H. No. 212-547 at Charkaman,
Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sri A. M. Devraj, C/o Rima Electronics, Bank St.
Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 8th March 1976

Ref. No. RAC. No. 290/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Portion of 4-1-938/R-12 situated at Tilak Road, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 9-7-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the 'said Act' 5, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Portion of house ground floor of Shop bearing No. 4-1-938/R-- at Tilak Road, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 8-3-1976
Seal :

FORM ITNS —

(1) Smt. Shooha Bai, R/o H. No. 3-2-350 at Chappal Bazar, Hyderabad.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD**

Hyderabad, the 8th March 1976

Ref. No. RAC. No. 293/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4-1-938/R-7 situated at Tilak Road, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 21-7-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

14—26GI/76

(2) Shri Chunnilal Sanghai, R/o Banoo Colony, Ganganmahal Road, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Ground floorshop No. 4-1-938/R-7 at Tilak Road, Hyderabad,

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 8-3-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Basanthi Bai, 3-2-350 at Chappal Bazar
Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Chunnilal Sanghai,
R/o Banoo Colony, Gaganbawla Road
Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 8th March 1976

Ref. No. RAC. No. 295/15-76.—Whereas, I, K. S VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4-1-938/R-8 situated at Tilak Road, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 21-7-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act to the following person, namely :—

(3) Tantem Banians.
[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULEProperty: Ground floor Shop bearing No. 4-1-938/R-8,
Tilak Road, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 8-3-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 12th March 1976

Ref. No. R.A.C. 328/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 40/790-11

situated at Kurnool Peta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kurnool on 15-7-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration on such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

(1) Shri K. Venkataswamy son of Venkataeshaiah, Kurnool Kota.

(Transferor)

(2) Shri P. Vengal Reddy son of Chenna Reddy, P. Obul Reddy son of Chenna Reddy residing at Yellala, Nandikotkur taluk, Kurnool dt.

(Transferee)

(3) Superintendent of Central Excise, Kurnool.

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing door No. 40/790-11 (Southernside portion) situated at Kurnool Peta, Kurnool town.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 12-3-1976

Seal :

FORM ITNS —

(1) Shri Sgarjal Gupta son of late Ramjus, residing at Musheerabad, Hyderabad.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 12th March 1976

Ref. No. R.A.C. 331/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 17 situated survey No. 39/1, Shamkaran Road, Ameerpet, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad on 9-7-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) in the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

(2) M/s Amar Construction company 4-1-968, Abid Road, Hyderabad.
(Transferee)

(4) 1. A. S. Ramamurthy, Deputy Superintendent of Police, Crime Branch, 7/1/771 C Venivila, Dharamkaram Road, Ameerpet, Hyderabad.
2. Shri Y. Sudhakar Rao, Project Officer, APIDC, Fatchmaida, Hyderabad.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece of land surrounded by compound wall admeasuring 1020 square yards situated in Plot No. 17, in Survey No. 39/1, Shamkaran Road, Ameerpet, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 12-3-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 15th March 1976

Ref. No. R.A.C. 332/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

18-31719 to 722

situated at Outside Laldarwaja, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Azampura on 10-7-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, by the following person, namely :—

(1) 1. Shri Purushottamdas S/o Gowardhandas.
2. Jodabai W/o Gowardhandas.
3. Kantabai D/o Gowardhandas.
4. Lalithabai D/o Gowardhandas.
5. Kamalabai D/o Gowardhandas
6. Anithabai D/o Gowardhandas
5 and 6 are minors represented by guardian mother Jodabai.
All are residing at 20-6-409 Rooplalbazar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) 1. Shri Narothamlal S/o Mangilal, R/o Rikabgunj, Hyderabad.
2. Smt. Angooribai W/o Mangilal, R/o Rikabgunj, Hyderabad.
3. Smt. Kamalabai W/o Shankerlal, Mittikasher, Charkaman, Hyderabad.
4. Smt. Mukundal S/o Govindram, Mittikasher, Charkaman, Hyderabad.

(Transferee)

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 18-3-719 to 722 Outside Laldarwaja, Hyderabad in an area comprising of 6059 square yards.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 15-3-1976
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 15th March 1976

Ref. No. R.A.C. 333/75-76.—Whereas, J. K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 18-3-719 to 723 situated at outside Laldarwaja, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed here-to has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Khairalabad on 15-7-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1972) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C or the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Shri Purushottamdas S/o Gowardhandas.
2. Jodabai W/o Gowardhandas.
3. Kantabai D/o Gowardhandas.
4. Lalithabai D/o Gowardhandas.
5. Kamalabai D/o Gowardhandas
5 and 6 are minors represented by guardian mother Jodabai.
All are residing at 20-6-409 Rooplalbazar,
6. Anitabai D/o Gowardhandas
Hyderabad.

(Transferor)

(2) 1. Shankarlal S/o Govindaram, residing at Mittikasher, Hyderabad.
2. Vijaykumar S/o Govindaram, residing at Mittikasher, Hyderabad.
3. Mewabai W/o Ghisaram, residing at Rikabgunj, Hyderabad.
4. Naresh S/o Mangilal, residing at Rikabgunj, Hyderabad.
C/o Krishna Silk Centre, Pathargatti, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of House No. 18-3-719 to 723 situated outside Laldarwaja, Hyderabad in an area comprising of 888.90 square yards.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 15-3-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 17th March 1976

No. Ref. RAC. No. 334/75-76.—Whereas, I, K. S VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land 612 Sq. Yds. In S. No. 235 & 236 situated at Ameerpet, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 18-7-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

30—26GL/76

(1) Mohd. Masiathulla &
Mohd. Masarathulla,
H. No. 7-1-616 at Ameerpet,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. M. Vijayalaxmi,
H. No. 36-45-4 at Innispeta, at Rajahmundry,
East Godavari.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Open Plot of land admeasuring 612 Sq. Yds. in S., Nos. 235 and 236 at Ameerpet, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 17-3-1976
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 17th March 1976

Ref. No. RAC 335/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing open land in S. No. 235 situated at Ameerpet, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on 18-7-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Income-tax Act, 1972 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Mohd. Masarathullah Represented by G. P. A.
Mohd. Karmathullah Khan,
H. No. 7-1-616 at Ameerpet,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. K. Satyavathi,
H. No. 6-1-507-A/1 at Khairatabad,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter, XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Open piece of land admeasuring 606 Sq. Yds. in S. No. 235 and 236 at Ameerpet, Hyderabad within the limits of Municipal Corporation of Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 17-3-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mohd. Mashiatulla S/o Mohd. Karamathulla,
H. No. 7-1-616 at Ameerpet,
Hyderabad.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

(2) Smt. K. Vankata Padamavathy, W/o
K. J. Choudry,
H. No. 6-3-596/39 at Venkataramana Colony,
Khairatabad, Hyderabad.

(Transferee)

Hyderabad, the 17th March 1976

Ref. No. RAC. No. 336/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Open land 618 Sq. Yds. S. No. 235 & 236 situated at Ameerpet, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 18-7-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Property: Open plot of land admeasuring 618 Sq. Yds. in S. No. 235 and 236 at Ameerpet, Hyderabad.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date: 17-3-1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD,
POONA-411004

Poona-411004, the 18th March 1976

Ref. No. C.A. 5/July '75/Haveli-II(Poona)/276/75-76.—
Whereas, I, H. S. Aulakh,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe
that the immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
S. No. 1105/5, Final Plot No. 479/5,
situated at Model Colony, Poona
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Haveli-II (Poona) on 14-7-1975,
for an apparent consideration which
is less than the fair market value of the aforesaid property
and I have reason to believe that the fair market value of
the property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent considera-
tion and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in the
said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri K. G. Ambegaokar,
8 Jaipur Estate, Nijamuddin Street (East),
New Delhi-13.

(Transferor)

(2) Shri Arun Malhar Parkhe,
1183, Shivajinagar, Poona-5.

(Transferee)

(3) Shri K. G. Ambegaokar,
8, Jaipur Estate, Nijamuddin Street (East),
New Delhi-13.

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Freehold Bungalow City Survey No. 1105/5, Final plot No. 479/5, Model Colony, Poona-5.

Plot Area : 981.66 sq. ft.

Built up area of building 2644 sq. ft.

Building built in 1960-61,

(Property as mentioned in the Registered deed No. 1777
July, 1975 in the Registering authority Haveli-II,
Poona).

H. S. AULAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Poona

Date : 18-3-1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
SHILLONG

Shillong, the 19th March 1976

Ref. No. A-124/KMJ/75-76/4305-18.—Whereas, EGBERT SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing T. No. 14779/90 Md. Abjal situated at Ward No. 25, old Station Road Karimganj, Dist. Cachar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karimganj on 1-10-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Mustt Balatun Nessa Khatun, W/o Late Munsi Furkan Ali
2. Md. Nurul Hassan
3. Md. Najrul Hassan
4. Md. Sameul Hassan
5. Mustt Rahisurnessa
6. Mustt Gahurun Nessa Khatun Lamabazar, Sylhet, Bangladesh.

Through Power of Attorney to
Shri Fazlur Rehman
S/o Late Habibur Rehman
Chapghat, Badarpur Dt. Cachar.

(Transferor)

- (2) Shri Biswanath Roy, Roypatty, Karimganj.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring One Kedar one Paya three Jasti Two i.e. 25 Kattas (App) under Pargana K. Kul, Mouza Banamali, Ward No. 25, Holding No. 67, 68, T. No. 14779/90 Md. Abjal etc. situated at Old Station Road, Karimganj, in the District of Cachar, Assam.

EGBERT SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Shillong

Date : 19-3-1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 15th March 1976

No. Acq. 23-I-705(300)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 406/2/A & 206/2/C Part, T.P.S. No. 12, situated at Asarwa (Naroda Road), Ahmedabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 2-7-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

(1) Executors of the Estate of late Shri Surottambhai Purushottambhai Hathisingh :—
(i) Gunottambhai Purushottambhai Hathisingh,
(ii) Shrenikbhai Kasturbhai,
(iii) Arvindbhai Narottambhai,
(iv) Sarojben Purushottambhai Hathisingh
(v) Shrimatiben Saumendranath Tagore.

(Transferor)

(2) Shri Manubai Harilal Shah (Chairman)
for & on behalf of Anant Co-op. Industrial
Estate Ltd., Ahmedabad.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land bearing Survey No. 406/2 & A/406/2/C Part, Final Plot No. 55, T.P.S. No. 2, admeasuring 2698 sq. yards, situated near Vijay Mills, in Asarwa, Ahmedabad.

J. KATHURIA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 15-3-1976
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-38009

Ahmedabad-380009, the 15th March 1976

Ref. No. Acq. 23-I-706(301)/I-1/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 409 Part & 411 Part, F.P. No. 48, T.P.S. No. 12, situated at Asarwa (Naroda Road), Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 2-7-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Executors of the Estate of late Shri Surottambhai Purushottambhai Hathisingh :—
(i) Gunottambhai Purshottambhai Hathisingh,
(ii) Shrenikbhai Kasturbhai,
(iii) Arvindbhai Narottambhai,
(iv) Sarojben Purshottambhai Hathisingh.
(v) Shrimatiben Saumendranath Tagore.

(Transferor)

- (2) Shri Manubhai Harilal Shah (Chairman)
For & on behalf of Anant Co-op. Industrial Estate Ltd., Ahmedabad.

(Transferee)

- (3) (Person in occupation of the property).

- (4) 1. Ashni Const. Co. firm through Partner : Himatlal Kalidas, Ahmedabad.
2. Shri Rasiklal Mohanlal Shah, Director, for & on behalf of Amin Pvt. Ltd., Ahmedabad.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land bearing Survey No. 409 Part & 411 Part, F.P. No. 48 Part, T.P.S. No. 12, admeasuring 7821 sq. yards and situated near Vijay Mills, in Asarwa, Ahmedabad.

J. KATHURIA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 15-3-1976,
Seal ;

FORM ITNS—

(1) 1. Harsh Gunottambhai Hathisingh, Ahmedabad,
2. Ajit Gunottambhai Hathisingh, Ahmedabad.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 15th March 1976

No. Acq. 23-I-707(302)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 411, 406/1/1 Part & 407 Part, situated at Asarwa (Naroda Road), Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 2-7-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly in the said Instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely :—

(2) Shri Manubhai Harilal Shah (Chairman), for and on behalf of Anant Co-op. Industrial Estate Ltd., Ahmedabad.
(Transferee)

(4) 1. Ashni Construction Co. firm through Partner : Himatal Kalidas, Ahmedabad.
2. Chinubhai Balabhai Shah,
10, Saras Society B/H Shantinagar Society,
Vadej Road, Ahmedabad.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land bearing Survey No. 411 & 406/1/1 Part & 407 Part, Final Plot No. 48 & 50, T.P.S. No. 12, admeasuring 13352 sq. yards and situated near Vijay Mills in Asarwa, Ahmedabad.

J. KATHURIA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 15-3-1976
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX
 ACQUISITION RANGE-I,
 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
 ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 15th March 1976

No. Acq. 23-I-708 (303) /1-1/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 383 Part & 407 Part, T.P.S. No. 12, F.P. No. 65 Part, situated at Asarwa (Naroda Road), Ahmedabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 2-7-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

31—26GI/76

- (1) Executors of the Estate of late Shri Surottambhai Purushottambhai Hathisingh :—
 - (i) Gunottambhai Purshottambhai Hathisingh,
 - (ii) Shrenikbhai Kasturbhai,
 - (iii) Arvindbhai Narottambhai,
 - (iv) Sarojben Purshottambhai Hathisingh,
 - (v) Shrimatiben Saumendranath Tagore.

(Transferor)

- (2) Shri H. L. Parikh (Chairman)
For & on behalf of Anar Co-op. Industrial Estate, Ltd., Ahmedabad.
(Transferee)
- (4) Ashni Construction Co. firm through
Partners : Himachal Kalidas, Ahmedabad.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land bearing Survey No. 383 Part & 407 Part, T.P.S. 12, Final Plot No. 65 Part, admeasuring 5330 sq yards and situated near Vijay Mills in Asarwa Ahmedabad.

J. KATHURIA
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
 Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 15-3-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) S/Shri Kranti Kumar, Santosh Kumar, Mahesh Kumar and Ram Kumar S/o Sh. Amar Nath, R/o 176, Bawa Building G.T. Road, Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Jaimal Singh S/o Sh. Hakim Singh, R/o Gandhi Nagar, Banga.

(Transferee)

(3) Sh. Gurnam Singh Prop. Amar Tyres, Session Court Road, Jullundur City.
[Person in occupation of the property]

(4) Anybody interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 1st March 1976

Ref. No. AP 1519.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

As per Schedule situated at Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur in July, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922, (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 3787/ July, 1975 of S.R. Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition persons, namely :—

Date: 1-3-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Juliundur, the 1st March 1976

Ref. No. AP 1520.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in July, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) S/Shri Kranti Kumar, Santosh Kumar, Mahesh Kumar and Ram Kumar sons of Sh. Amar Nath, R/o 176, Bawa Building G.T. Road, Jullundur. (Transferor)
- (2) Shri Jaimal Singh S/o Sh. Hakim Singh, R/o Banga. (Transferee)
- (3) M/s. Gokhal Sales Corporation, Session Court Road, Jullundur City. [Person in occupation of the property]
- (4) Anybody interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDEULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Property as registered vide Regd. Deed No. 3757/ July, 1975 of S.R. Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date: 1-3-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR**

Jullundur, the 1st March 1976

Ref. No. AP 1521.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in July, 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

(1) S/Shri Santosh Kumar, Mahesh Kumar, Kranti Kumar and Ram Kumar sons of Sh. Amar Nath, R/o 176, Bawa Building G.T. Road, Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Jaimal Singh S/o Sh. Hakim Singh, R/o Banga.

(Transferee)

(3) Shri Darshan Singh Prop. Darshan Automobiles, Session Court Road, Jullundur City.
[Person in occupation of the property]

(4) Anybody interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as registered vide Deed No. 3674/July, 1975 of S.R. Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 1-3-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Jagdish Singh and Harmesh Singh,
S/o Pal Singh, Near Laxmi Cinema, Jullundur.
(Transferor)

(2) Ujagar Singh S/o Sh. Atma Singh,
R/o Madar.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 1st March 1976

Ref. No. AP 1522.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule
situated at Chuharwali

(and more fully
described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jullundur in July, 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(3) At S. No. 2.
[Person in occupation of the property]

(4) Anybody interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at V. Chuharwali as registered vide Deed No. 4151/ July, 1975 of S.R. Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 1-3-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 2nd March 1976

Ref. No. AP 1523.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule

situated at V. Mahilpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Garshanker in July, 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Pritam Singh S/o Sh. Daya Singh,
Mohinder Singh S/o Pritam Singh,
Cloth Merchant, Mahilpur.

(Transferor)

(2) The Bharta Ganeshpur Co-op. Cold Store Ltd.,
Ganeshpur Bharta through S. Amar Singh Bharta,
President.

(Transferee)

(3) At S. No. 2.

[Person in occupation of the property]

(4) Anybody interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said Property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at V. Mahilpur as registered vide Deeds No. 1545, 1546 and 1547 of July, 1975 of S.R. Garshanker.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 2-3-1976

Seal :

FORM JTNS —

(1) Shri Manohar Lal, Vishwanath, & Hardayal
Sons of Seth Brij Lal S/o Bhani Ram,
R/o Pahari Gata, Hoshiarpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Satinder Kumar Sethi S/o Amar Nath
S/o Amin Chand,
R/o 124-R, Model Town,
Hoshiarpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) At S. No. 2.

{Person in occupation of the property}

(4) Anybody interested in the property.

{Person whom the undersigned knows to be interested in the property}

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 6th March 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as registered vide Deed No. 2295/August, 1975 of S.R. Hoshiarpur.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

RAVINDER KUMAR

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons namely :—

Date : 6-3-1976
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Gurdial Singh, Advocate,
S/o Waryam Singh
R/o Dakoha.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Smt. Jaswant Kaur Wd/o Gurlqbal Singh,
R/o Dakoha.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 6th March 1976

Ref. No. AP 1526.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at V. Dakoha

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in July, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(3) At S. No. 2.

[Person in occupation of the property]

(4) Anybody interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDEULE

Land as registered vide Deed No. 4280/July, 1975 of S.R. Jullundur.

RAVINDER KUMAR

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 6-3-76.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE,****JULLUNDUR**

Jullundur, the 12th March 1976

Ref. No. AP 1527.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule**situated at V. Dalla**

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dasoya in July 1975,

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

32—26GI/76

- (1) Shri Gian Chand Bhalla S/o Sh. Dalip Singh, Village Dalla, Teh. Dasoya.
- (2) Shrimati Joginder Kaur w/o Sh. Harcharan Singh, Commission Agent, Opp. Police Station, Urmari. (Transferee)
- (3) At S. No. 2. [Person in occupation of the property]
- (4) Anybody interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the Service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as registered vide Regd. Deed No. 2211/August, 1975 of S.R. Dasoya.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur

Date : 12-3-1976
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 6th March 1976

Ref. No. AP 1528.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule

situated at V. Dalla

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Dasoya in August 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Gian Chand S/o Sh. Dalip Singh,
Village Dalla, Teh. Dasoya.
(Transferor)

(2) Shri Harcharan Singh S/o Sh. Kartar Singh,
Commission Agent,
Opp. Police Station, Urmar.
(Transferee)

(3) At S. No. 2.
[Person in occupation of the property]

(4) Anybody interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

Land as registered in the Regd. Deed No. 2188/August, 1975 of S.R. Dasoya.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

RAVINDER KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur

Date : 6-3-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shrimati Pushpa Devi w/o Sh. S. K. Behl,
c/o The Manager, LIC of India,
Jullundur City.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 2nd March 1976

Ref. No. AP 1524.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule

situated at Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in July, 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) Smt. Harbans Kaur D/o Sh. Resham Singh,
H. No. 37-R, B-Block, Model House,
Jullundur.

(Transferee)

(3) At S. No. 2.

[Person in occupation of the property]

(4) Anybody interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by way of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or

THE SCHEDULE

Property as registered vide Regd. Deed No. 4320/July 1975 of S.R. Jullundur.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-V,
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 2-3-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Gulzara Singh S/o Kabal Singh
S/o Sh. Thakar Singh,
V. Deowal, Tehsil Hoshiarpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 12th March 1976

Ref. No. AP 1530.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at V. Deowal
(and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hoshiarpur in 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

(2) Shri Raj Kumar S/o Chaman Lal
S/o Mohri Ram,
Model House c/o Supreme Industries,
Model House, Jullundur.

(Transferee)

(3) At S. No. 2.

[Person in occupation of the property]

(4) Anybody interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registration Deed No. 1639/ July 1975 of Sub-Registrar, Hoshiarpur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 12-3-1976

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 12th March 1976

Ref. No. AP 1529.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule
situated at Kartarpur

(and more fully described in the schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in July, 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Daulat Ram S/o Sh. Mehtab
S/o Loghar,
Mohalia Charkhi, Dial Pur Gate, Kartarpur.
(Transferor)

(2) S/Shri Rakhvinder Singh, Baljinder Singh,
Tejinder Singh S/o Shri Jagjit Singh
S/o Shri Inder Singh,
R/o Sabowal, Teh. Jullundur.

(Transferee)

(3) At S. No. 2.
[Person in occupation of the property]

(4) Anybody interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registration Deed No. 4592/July, 1975 of Sub-Registrar, Jullundur.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12/3/1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shrimati Manjit Kaur w/o Sh. Makhan Singh,
R/o Barnala Kalan.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 12th March 1976

(2) The Vishal Co-operative House Building Society
Limited, Nawanshahr.
(Transferee)

(3) At S. No. 2.
(Person in occupation of the property).

(4) Anybody interested in the property.
[Person whom the undersigned knows
to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as
given in that Chapter.

Ref. No. AP 1534.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and
bearing No.

situated at V. Barnala Kalan
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of
the Registering Officer at
Nawanshahr in July, 1976,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer; and/
or

(b) facilitating the concealment of any income or any
monies or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registration Deed No. 2545/
July, 1975 of Sub-Registrar, Nawanshahr.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Seal :
Date : 12-3-197

FORM ITNS

(1) Salem Murasu (P) Ltd.,
by Mgr. Director,
Shri K. P. Kandaswamy,
2/16, Mount Road, Madras-2.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,

MADRAS-6

Madras-6, the 18th March 1976

Ref. No. XVI/1/127(JULY)/75-76.—Whereas, I, RAMANATHAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 22, situated at Fairlands Colony, Alagapuram village, Salem (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Salem (Doc. No. 3136/75) on July, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land measuring 6925 sq. ft. with building thereon at door No. 22, Fairlands Colony, Alagapuram Village, Salem (S. No. 85/2F).

G. RAMANATHAN
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 18-3-1976

Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) 1. Smt. R. Anusuya Devi,
2. Shri R. Gopinath,
No. 27, Hunters Road, Vepery,
Madras-600007.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri P. Ismail Salt,
558, Poonamallee High Road,
Madras-3.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-6

Madras-6, the 18th March 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. IX/6/22/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 558, situated at Poonamallee High Road, Madras-3 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Madras (Doc. No. 713/75) on July 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land measuring 1761-7/8 sq. ft. with building thereon at door No. 558 (R.S. No. 83), Poonamallee High Road, Periamet, Vepery, Madras-3.

G. RAMANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 18-3-1976
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section(1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

FORM ITNS

1. Smt. Santi Devi, w/o Shri Gopal Dass,
 Vijay Kumar s/o Shri Gopal Dass,
 through her general attorney,
 Shri Kailash Beri, s/o Shri Gopal Dass,
 R/o 8/27, East Patel Nagar,
 New Delhi.

(Transferor)

2. (i) Shri Harish Chander Mehta,
 s/o Shri Jiwan Mal,
 (ii) Smt. Nirmal Mehta,
 W/o Shri Harish Chander Mehta,
 508, Model Town, Karnal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
 COMMISSIONER OF INCOME TAX,
 ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH
 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 9th March 1976

Ref. No. KNL/724/75-76.—Whereas, I,
 V. P. MINOCHA,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Chandigarh,
 being the Competent Authority under Section 269B of the
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
 as the said Act) have reason to believe that the immovable
 property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
 and bearing
 Plot No. 8, Session House Marg, situated at Karnal,
 (and more fully described in the Schedule annexed
 hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908
 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
 Karnal in July, 1975,
 for an apparent consideration
 which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 8, measuring 8683 sq. ft. Session House Marg, Karnal.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 2639 of July, 1975 of the Registering Officer, Karnal.)

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

V. P. MINOCHA,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 9-3-1976

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely:—

